खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-340

जस्टिस शेखर यादव : मुस्लिमों को रूढ़ियों से अलग होना चाहिए

जस्टिस आर नरीमन : राम मंदिर का फैसला न्याय का मजाक

नरीमन की बदतमीजी पर चुप शेखर की तमीजगी पर मिर्ची

इलाहाबाद के हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर यादव ने मुस्लिम समाज की रूढ़ियों को समाप्त करने और समान नागरिक संहिता को लागू करने की अनिवार्यता पर अपनी राय दे दी तो दुर्गतिगामी प्रगतिशीलों, दुर्बुद्धिजीवियों और अधर्मी धर्मनिरपेक्ष तत्वों को मिर्ची लग गई। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रोहिंटन नरीमन ने हिंदुओं को शैतान का सिर और सुप्रीम कोर्ट के अयोध्या फैसले पर बेजा, फूहड़ और असंवैधानिक टिप्पणी की तो यही नस्लदूषित जमातें चुप्पी साधे रहीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर यादव ने कहा है कि मुस्लिमों की हलाला, तीन तलाक और 4 बीवियां रखने की प्रथाएं समझदार समाज में अस्वीकार्य हैं। समाज में इसे चलाने नहीं देना चाहिए। जस्टिस शेखर यादव ने स्पष्ट कहा कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जरूरी है और यही सच्चाई भी है। उन्होंने मुस्लिम समाज में चल रही रूढ़िवादिता और इस पर लोगों के चुप्पी साधे रहने पर भी सवाल खड़े किए। जस्टिस शेखर यादव के इस विचार को लेकर नस्लदूषित जमातें हंगामा मचा रही हैं।

जस्टिस शेखर यादव ने यह वक्तव्य प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में दिया। जस्टिस शेखर यादव ने कहा, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि यह हिंदुस्तान है, यह देश हिंदुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यकों के अनुसार चलेगा। यही कानून है। आप यह नहीं कह सकते कि मैं हाईकोर्ट के जज होने के नाते ऐसा कह रहा हूं। दरअसल, कानून ही बहुमत के हिसाब से काम करता है।जस्टिस शेखर यादव ने इसके बाद मुस्लिमों में फैली रूढ़िवादिता और दकियानूसी चलनों को लेकर प्रश्न खड़े किए। उन्होंने कहा, हमारे हिंदू धर्म में बाल विवाह, सती प्रथा और बालिकाओं की हत्या जैसी कई सामाजिक कुरीतियां थीं, राम मोहन राय जैसे सुधारकों ने इन कुरीतियों को खत्म करने के लिए संघर्ष किया। लेकिन जब मुस्लिम समुदाय में हलाला, तीन तलाक और गोद लेने से जुड़े मुद्दों जैसी सामाजिक कुरीतियों की बात आती है, तब उनके पास इनके खिलाफ खड़े होने की हिम्मत नहीं होती।

शुभ-लाभ सरोकार

जस्टिस यादव ने कहा कि मुस्लिमों की तरफ से भी यह प्रथाएं खत्म करने को लेकर कोई प्रयास नहीं किए गए। उन्होंने कहा, आप उस महिला का अपमान नहीं कर सकते जिसे हमारे शास्त्रों और वेदों में देवी का दर्जा दिया गया है। आप 4 बीवियां रखने, हलाला करने या तीन तलाक का अधिकार नहीं रख सकते। आप कहते हैं, हमें तीन तलाक कहने का अधिकार है और महिलाओं को भरण-पोषण न देने का अधिकार है।

जस्टिस शेखर यादव ने कहा, इस तरह से कोई अधिकार नहीं चल पाएगा। यूसीसी कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसकी वकालत वीएचपी, आरएसएस या हिंदू धर्म करता हो। देश का सुप्रीम कोर्ट भी ऐसी ही बात करता है। जस्टिस यादव ने कहा, मैं शपथ ले रहा हूं कि यह देश यूसीसी कानून जरूर लाएगा, और बहुत जल्द लाएगा। जस्टिस शेखर यादव ने इस बात को लेकर भी प्रश्न खड़े किए कि मुस्लिम तीन तलाक और हलाला जैसे मुद्दों को अपना पर्सनल लॉ बताते हैं और कानून से बचते हैं। उन्होंने कहा, अगर आप कहते हैं कि हमारा पर्सनल लॉ इसकी इजाजत देता है, तो यह अस्वीकार्य है। एक महिला को भरण-पोषण मिलेगा, दो विवाह की इजाजत नहीं होगी, और एक आदमी की सिर्फ एक पत्नी होगी, चार पत्नियां नहीं। अगर एक बहन को भरण-पोषण मिलता है और दूसरी को नहीं, तो इससे भेदभाव पैदा होता है, जो संविधान के खिलाफ है। जस्टिस शेखर यादव ने कहा कि सिर्फ गंगा में डुबकी लगाने और माथे पर चंदन लगाने वाला ही हिंदू नहीं है बल्कि भारतवर्ष को अपनी मां मानने वाला भी हिंदू है। जस्टिस शेखर यादव के इस वक्तव्य पर दोगली जमातों में खलबली मची हुई है। संसद में रिश्वत लेकर प्रश्न पूछने वाली तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना से संज्ञान लेने की मांग की। एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी भी जस्टिस यादव के विचार से खासे परेशान हैं। उन्होंने सवाल किया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज वीएचपी के कार्यक्रम में क्यों गए? ओवैसी यही सवाल कांग्रेस से नहीं पूछते कि चुनाव जीतने के लिए मुस्लिम लीग या जमाते इस्लामी जैसे भारत विरोधी संगठनों से साठगांठ क्यों की? ओवैसी भी यह समझते हैं कि विश्व हिंदू परिषद राष्ट्रविरोधी संगठन नहीं है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने जस्टिस शेखर यादव की ▶10 पर

पीएम मोदी ने शुरू की बीमा सखी योजना

गरीबी मिटाने में अहम भूमिका निभाएगी योजना

पानीपत (हरियाणा), 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत से बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया। पीएम ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में बीमा सखी योजना शुरू की। बीमा सखी योजना कार्यक्रम का थीम भी स्वावलंबी नारी खुशहाली हमारी रखा था। इस दौरान पीएम के साथ केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल समेत तीन केंद्रीय मंत्री भी पहुंचे। प्रधानमंत्री ने मंच से हरियाणा, हिमाचल और त्रिपुरा की महिलाओं को बीमा सखी योजना के पत्र दिए।

पीएम मोदी ने कहा, आज महिला विकास की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। आज 9 तारीख है। शास्त्रों में नौ अंक को बहुत शुभ माना जाता है। नौ अंक नव दुर्गा की नौ शक्तियों से जुड़ा है। हम सब साल में शक्ति की उपासना करते हैं। आज का दिन भी नारी शक्ति की उपासना जैसा ही है। आज नौ दिसंबर को ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। ऐसे समय में जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है। विश्व को नीति और धर्म का ज्ञान देने वाली महान धरती पर आज के दिन आना और भी सुखद है। इस समय कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव भी चल रहा है। मैं गीता की इस धरती को प्रणाम करता हूं।

पीएम ने कहा, मैं पूरे हरियाणा को यहां के देशभक्त लोगों को राम राम करता हूं। हरियाणा ने एक हैं तो सेफ हैं के मंत्र को जिस तरह अपनाया है, वह देश में उदाहरण बना है। सैनी की सरकार को बने अभी कुछ हफ्ते ही हुए हैं, लेकिन प्रशंसा पूरे देश में हो रही है। पीएम ने कहा कि लगातार तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बनाई, इसके लिए मैं हरियाणा के हर परिवारजन का वंदन करता हूं। ▶10 पर

बांग्लादेश दौरे पर भारत के विदेश सचिव

यूनुस सरकार ने सैकड़ों हिंदुओं पर किया मुकदमा

ढाका, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश लगातार अपनी नीतियों और कार्रवाई से विवादों में घिरता जा रहा है। पहले हिंदुओं और उनके धार्मिक स्थलों पर हमले की घटनाएं सामने आई थीं, और अब बांग्लादेशी सरकार हिंदुओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके उन्हें परेशान करने की नई रणनीति अपनाई है। गिरफ्तार हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास समेत सैकड़ों हिंदुओं पर एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी बांग्लादेश दौरे पर पहुंचे हैं। उनका यह दौरा बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों, कट्टरपंथी ताकतों की बढ़ती हिंसा और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के मुद्दे पर भारत की चिंताओं को लेकर महत्वपूर्ण है।

विक्रम मिसरी के दौरे से ठीक पहले इस्कॉन के संत चिन्यम कृष्ण दास और उनके सैकड़ों अनुयायियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। चिन्मय कृष्ण दास और उनके अनुयायियों पर एफआईआर दर्ज के अनुसार, 164 पहचाने गए लोग और 400 से 500 अज्ञात लोग इसमें आरोपित बनाए गए हैं। ये मामले चटगांव कोर्ट परिसर में पुलिस और चिन्मय कृष्ण दास के अनुयायियों के बीच हुई झड़प के बाद दर्ज किए गए हैं। इस शिकायत को व्यवसाई और हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश के कार्यकर्ता इनामुल हक ने चटगांव मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद अबू बकर सिद्दीकी की अदालत में दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि 26 नवंबर को जब वह कोर्ट में अपना काम पूरा करके घर लौट रहे थे, उनके ऊपर चिन्मय कृष्ण दास के अनुयायियों ने हमला किया। इनामुल हक ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्हें उनके कपड़े और पहचान के आधार पर निशाना बनाया गया। इनामुल हक का कहना है कि उन्हें उनके कपड़े, ▶10 पर

कांग्रेस-सोरोस साठगांठ का मसला गरमाया

सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगा विपक्ष

नई दिल्ली, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अमेरिकी धनपशु एवं भारत विरोधी षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस के साथ साठगांठ का मसला लोकसभा और राज्यसभा में बेहद गरमा गया है। इससे कांग्रेस इस कदर बौखला उठी है कि उसने विपक्षी सदस्यों को उकसा कर राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। स्पष्ट है कि जॉर्ज सोरोस का नाम लेने से कांग्रेस की कमजोर नब्ज दुखने लगती है।

लिहाजा कांग्रेस और विपक्ष मिलकर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में जुटा हुआ है। स्वाभाविक है कि इस तैयारी की सरगनाई कांग्रेस कर रही है। टीएमसी और सपा भी इस करतूत का समर्थन कर रही है। अभी तक 70 विपक्षी सदस्यों के हस्ताक्षर करा लिए गए हैं। जानकारी के लिए बता दें कि इस समय राज्यसभा में अमेरिकी धनपशु और भारत विरोधी षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस और राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी की साठगांठ के मुद्दे पर सदन में जबरदस्त बहस हो रही है। इस मुद्दे पर जिस तरह का रवैया सभापति जगदीप धनखड़ ने दिखाया है, उससे कांग्रेस बौखला उठी है। इसी वजह से कांग्रेस सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ रही है। कई दूसरे विपक्षी दल भी इस बार कांग्रेस के साथ खड़े हो गए हैं, ऐसे में आने वाले दिनों में सियासी बवाल बढ़ने जा रहा है।

राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान स्थगन के तुरंत बाद सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि भाजपा सदस्य उस मुद्दे पर चर्चा के लिए उत्तेजित थे, जिसमें कांग्रेस नेता शामिल थे। उन्होंने कहा, फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन द एशिया-पैसिफिक (एफडीएल-एपी) और जॉर्ज सोरोस के बीच संबंध गंभीर चिंता का विषय है। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने दिया ममता से पीड़ित को सीएए का फायदा

नई दिल्ली, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसे हिंदू व्यक्ति को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के प्रावधानों का फायदा दिया है, जिसकी पश्चिम बंगाल सरकार ने नौकरी छीन ली थी। पीड़ित शख्स वर्ष 1969 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से अपने पिता के साथ भाग कर भारत आया था। उसकी नौकरी रिटायरमेंट से 2 महीने पहले छीनी गई थी। पश्चिम बंगाल सरकार का कहना था कि उस शख्स की भारतीय नागरिकता पर गहरा शक है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की सरकार को आदेश दिया है कि उसकी नौकरी से जो भी फायदे उसे मिलने थे, उसे तुरंत दिए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उस व्यक्ति की नौकरी ▶10 पर

पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री लियाकत अली की सम्पत्ति जब्त

मुजफ्फरनगर, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित सम्पत्ति शत्रु सम्पत्ति घोषित कर दी गई है। मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन के सामने स्थित आठ बिसवा जमीन पर अवैध कब्जा करके मस्जिद और चार दुकानें बना दी गई थी। इसको जब्त कर लिया गया है। मुस्लिम पक्ष ने दावा किया था यह वक्फ सम्पत्ति है और लियाकत ने पाकिस्तान जाने से पहले दान कर दी थी। हालांकि, यह दावा झूठा निकला है।

पाकिस्तान बनने से पहले लियाकत अली खान का परिवार मुजफ्फरनगर में रहता था। यहां पर उनकी काफी अधिक जायदाद थी। उन्हीं सम्पत्तियों में यह सम्पत्ति भी शामिल है, जिसे अभी जब्त किया गया है। 15 अगस्त 1947 को बंटवारा होने के बाद लियाकत अली खान अपने परिवार के साथ पाकिस्तान चले गए थे। उनकी इस जमीन पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिद और चार दुकानें बना दी थीं। करीब डेढ़ साल पहले प्रशासन को इसकी जानकारी देकर इस जमीन

को शत्रु सम्पत्ति घोषित करने की मांग की गई थी। प्रशासन को बताया गया था कि उक्त जमीन पाकिस्तान

मुजफ्फरनगर की मस्जिद और जमीनें शत्रु सम्पत्ति घोषित

के प्रथम प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की है। इसके बाद सरकार ने इसकी जांच कराई। जांच में यह तथ्य सही पाया गया। उल्लेखनीय है कि विभाजन के समय जो लोग पाकिस्तान चले गए उनकी सम्पत्ति शत्रु सम्पत्ति के रूप में सरकार अपने कब्जे में ले लेती है। ऐसा ही पाकिस्तान में भी हुआ।

मस्जिद के पास स्थित दुकान के मालिक मोहम्मद अतहर ने कहा कि यह जमीन और इस पर बनी मस्जिद एवं दुकानें की वक्फ की सम्पत्ति हैं। दुकान के मालिक अतहर ने दलील कि 1940 के दशक में लियाकत ने इसे वक्फ को दान कर दिया था। उसने इससे जुड़े वक्त के कागजात भी जमा किए। जबति जांच में पाया गया कि वह वक्फ सम्पत्ति नहीं, बल्कि लियाकत अली की ही सम्पत्ति है।शत्रु सम्पत्ति न्यायाधिकरण ने जांच की तो पता चला कि सन 1918 में यह जमीन लियाकत अली खान के पिता रुस्तम अली खान के नाम पर थी। रुस्तम अली खान की बीवी और लियाकत अली खान की अम्मी महमूदा बेगम उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के नवाब काहिर अली खान की बेटी थी। तब यह मुजफ्फरनगर सहारनपुर जिले में ही था। सन 1947 तक यह जमीन लियाकत अली खान के पास ही थी। मुजफ्फरनगर के सिटी मजिस्ट्रेट विकास कश्यप ने बताया कि मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन के सामने खसरा नंबर 930 खसरा की आठ बिसवा जमीन थी। ▶10 पर

250 संरक्षित स्मारक वक्फ की सम्पत्ति..!

नई दिल्ली, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। एएसआई की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके 250 संरक्षित स्मारक वर्तमान में वक्फ सम्पत्ति के रूप में पंजीकृत हैं। केंद्रीय एजेंसी वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सामने यह रिकॉर्ड रखेगी।

एएसआई का कहना है कि वह इन सभी स्मारकों पर अपना नियंत्रण वापस मांगेगा। इस रिपोर्ट में भारत के मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति पर 2006 की सच्चर समिति की रिपोर्ट में सूचीबद्ध कई स्मारक भी शामिल हैं। ▶10 पर

न्यूज़ ब्रीफ

बांग्लादेश में अशांतिः हसीना ने यूनुस सरकार पर फासीवाद का लगाया आरोप

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और आवामी लीग की नेता शेख हसीना ने मौजूदा अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख प्रोफेसर यूनुस पर तीखा हमला बोला है। उन्हे फासीवादी और हत्यारा तक कह दिया है। हसीना ने वर्चुअल माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यूनुस सरकार ने बांग्लादेश में अराजकता फैलाने और अल्पसंख्यकों पर हिंसा को बढ़ावा देने का काम किया है। शेख हसीना इस वक्त दिल्ली में रह रही हैं और देश की जनता से एकजुट होकर इस फासीवादी सरकार को हटाने की अपील कर रही हैं। शेख हसीना ने कहा कि यह सरकार बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को नष्ट कर रही है और आम जनता को आतंकित कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यूनुस और उनके सलाहकार देश को अस्थिर करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आवामी लीग कार्यकर्ताओं और अप्रवासी बांग्लादेशियों से एकजुट होकर इस सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। अपने भाषण में शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश की जनता ने पहले भी तानाशाही के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और अब इस फासीवादी सरकार को हटाने के लिए फिर से तैयार होना होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बांग्लादेश के लोग एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए खड़े होंगे और इस सरकार को सबक सिखाएंगे। शेख हसीना ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि यूनुस सरकार हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही है। हाल ही में ढाका में एक मंदिर को आग के हवाले कर दिया गया, जिसे उन्होंने देश के सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि देश में मानवाधिकारों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन हो रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि यूनुस सरकार ने न केवल पत्रकारों और विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया है, बल्कि आतंकवादियों को जेल से रिहा कर देश में अराजकता को और बढ़ावा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद भवन पर हमला, मेट्रो रेल में आगजनी, और बुद्धिजीवियों की हत्या जैसी घटनाओं के पीछे यूनुस सरकार का हाथ है ।

ईरान के पास है परमाणु बम बनाने की पर्याप्त सामग्री, डीएनआई रिपोर्ट से हड़कंप

वॉशिंगटन। अमेरिका ने एक बार फिर ईरान के परमाणु हथियार बनाने की तरफ इशारा किया है। अमेरिका के नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर (डीएनआई) की रिपोर्ट में कहा गया है कि यूएस इंटेलिजेंस से जुड़े लोग इससे चिंतित हैं कि ईरान परमाणु हथियारों के उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में अमेरिकी सरकार को चेताया गया है कि ईरान के पास परमाणु बम बनाने की पर्याप्त सामग्री मौजूद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के पास एक दर्जन से ज्यादा परमाणु हथियार बनाने की सामग्री है। हालांकि ईरान अभी तक परमाणु बम बनाने पर आगे नहीं बढ़ा है। रिपोर्ट में कहती है, खुफिया समुदाय का आकलन है कि सितंबर 2024 तक ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है लेकिन उसने ऐसी गतिविधियां की हैं, जो उसे हथियार बनाने के लिए बहुत अच्छी स्थिति में रखती हैं। एक अन्य रिपोर्ट में इस साल मई से सितंबर तक ईरान की परमाणु गतिविधियों और क्षमताओं के बारे में बताया गया है। डीएनआई ने कहा है कि ईरान के पास कई भूमिगत सुविधाओं पर हथियार-ग्रेड यूरेनियम का उत्पादन करने के लिए बुनियादी ढांचा और अनुभव है। यह उसके परमाणु हथियार विकसित करने की विश्वसनीयता को बढ़ाता है। रिपोर्ट में ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइलों की खेप की बात कही गई है।

सैंटा क्लॉज के असली चेहरे को फिर से बनाने का दावा

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने पहली बार आधुनिक तकनीक और फोरेंसिक अनुसंधान की मदद से सैंटा क्लॉज के असली चेहरे को फिर से बनाने का दावा किया है। संत निकोलस 4वीं शताब्दी के एक ईसाई बिशप थे, जो तुर्की के मायर में रहते थे। उन्हें उनके परोपकारी स्वभाव और लोगों, विशेष रूप से बच्चों, को तोहफे देने की परंपरा के लिए याद किया जाता है। संत निकोलस ही डच लोक कथा के सिंटरक्लास के पीछे की प्रेरणा बने, जो बाद में आधुनिक सैंटा क्लॉज में परिवर्तित हो गया। हालांकि, उनके जीवन की कहानियों के बावजूद, अब तक उनकी असली तस्वीर या चेहरा किसी को नहीं पता था। शोधकर्ताओं ने इस रहस्य को हल करने के लिए संत निकोलस की खोपड़ी के संरक्षित अवशेषों का अध्ययन किया। खोपड़ी के 3डी स्कैन और एनाटोमिकल डीफॉर्मेशन तकनीक का उपयोग करके, वैज्ञानिकों ने उनके चेहरे का एक विस्तृत मॉडल तैयार किया।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा-अब सीरिया के पास बेहतर भविष्य का अवसर

दमिश्क, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीरिया में लंबे सशस्त्र संघर्ष के बाद राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन पर संयुक्त राष्ट्र ने खुशी जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने तानाशाही शासन के अंत का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 14 साल के क्रूर युद्ध और तानाशाही शासन के अंत के बाद सीरियाई लोगों के पास एक स्थिर और शांतिपूर्ण भविष्य बनाने का ऐतिहासिक अवसर है।अरबी न्यूज वेबसाइट %+963% ने सीरिया के बदले घटनाक्रम पर क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया को तरजीह दी है। वेबसाइट के अनुसार, अल-कायदा समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम और तीन विपक्षी गुटों ने रविवार भोर राजधानी राजधानी दमिश्क पर नियंत्रण कर राष्ट्रपति को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

सऊदी अरब सीरिया के नागरिकों की पसंद के साथ सऊदी अरब ने सीरियाई लोगों की सुरक्षा के लिए उठाए गए सकारात्मक कदमों पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उसने जोर देकर कहा कि वह इस महत्वपूर्ण अवसर पर सीरियाई लोगों और उनकी पसंद के साथ खड़ा है। सऊदी अरब ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सीरिया के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किए बिना उसके साथ खड़े होने का आह्वान किया।

बेल्जियम ने कहा-अच्छा हुआबेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीरिया में अच्छा हुआ कि असद के अंसवैधानिक शासन का अंत हो गया। सीरिया के भविष्य के लिए एक शांतिपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया का होना महत्वपूर्ण है। मंत्रालय ने आग्रह किया कि सीरिया के लोगों के साथ न्याय हो।

गुटेरेस ने कहा- यह ऐतिहासिक अवसर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सीरिया में तानाशाही शासन के अंत का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 14 साल के क्रूर युद्ध और तानाशाही शासन के अंत के बाद सीरियाई लोगों के पास एक स्थिर और शांतिपूर्ण भविष्य बनाने का ऐतिहासिक अवसर है।

यूरोपीय आयोग ने कहा-महत्वपूर्ण परिवर्तनयूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने सीरिया के घटनाक्रम को ऐतिहासिक परिवर्तन बताया। लेकिन चेतावनी दी कि यह जोखिम से खाली नहीं है। उन्होंने सीरिया के पुनर्निर्माण में योगदान देने और अल्पसंख्यकों की रक्षा करने का वादा किया गया।

इराक ने कहा-वह आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगाइराक सरकार के प्रवक्ता बसेम अल-अवदी ने कहा कि उनका देश सीरिया की स्थिति के घटनाक्रम पर नजर रख रहा है। उन्होंने कहा हम सीरिया के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने या किसी अन्य के लाभ के लिए एक पार्टी का समर्थन नहीं करने के महत्व को दोहराते हैं।

ईरान ने संवाद शुरू करने का आह्वान किया ईरानी विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि ईरान, सीरिया की एकता और राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करता है और सीरियाई समाज के सभी वर्गों के साथ सैन्य संघर्षों को शीघ्र समाप्त करने, आतंकवादी कृत्यों की रोकथाम और एक राष्ट्रीय संवाद शुरू करने का आह्वान करता है। तेहरान ने पुष्टि की कि वह राजनीतिक प्रक्रिया का पालन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय तंत्र का समर्थन करना जारी रखेगा।

जॉर्डन का संघर्ष से बचने का आग्रहकिंग अब्दुल्ला द्वितीय ने सीरियाई लोगों की पसंद के प्रति जॉर्डन के सम्मान की पुष्टि की। रॉयल हाशमाइट कोर्ट ने एक बयान में कहा कि किंग अब्दुल्ला ने सीरिया में सभी पक्षों से किसी भी संघर्ष से बचने का आग्रह किया जिससे अराजकता हो सकती है, और अपने देश के उत्तरी पड़ोसी में सुरक्षा की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इजराइल ने कहा-असद का पतन ऐतिहासिक घटना इजराइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने असद के पतन को ऐतिहासिक दिन कहा। उन्होंने कहा कि यह लेबनानी हिजबुल्लाह और ईरान के खिलाफ इजराइल के हमलों का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने कहा, हम अपनी सीमाओं पर किसी भी शत्रुतापूर्ण ताकत को तैनात नहीं होने देंगे। फ्रांस ने कहा-बर्बर राज्य का आखिरकार पतन हो गयाफ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने एक्स पर कहा, बर्बर राज्य का आखिरकार पतन हो गया। मैं सीरियाई लोगों, उनके साहस और उनके धैर्य को सलाम करता हूं। अनिश्चितता के इस समय में मैं उनके लिए शांति, स्वतंत्रता और एकता की कामना करता हूं। फ्रांस मध्य पूर्व में सभी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कतर ने संरा सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का हवाला दिया कतर के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव संख्या 2254, 2015 के अनुसार सीरिया में संकट को समाप्त करने के लिए अपने आह्वान को दोहराया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सीरिया राष्ट्रीय संस्थानों और राज्य की एकता को संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देता है। मिस्र ने कहा-सीरिया की संप्रभुता का सम्मान मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा कि काहिरा सभी सीरियाई दलों से राज्य और उसके राष्ट्रीय संस्थानों की क्षमताओं को संरक्षित करने का आह्वान करता है। विदेश मंत्रालय ने सीरियाई लोगों, सीरिया की संप्रभुता और उसकी भूमि की एकता और अखंडता के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। ट्रंप ने कहा-यह रूस की हार, इजराइल की जीतअमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल कहा, असद चले गए। वह अपना देश छोड़कर भाग गए। उनके संरक्षक, व्लादिमीर पुतिन के नेतृत्व वाले रूस को अब उनकी रक्षा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा, रूस और ईरान अब कमजोर स्थिति में हैं। इजराइल और उसके युद्ध अभियानों की सफलता ने यह स्थिति पैदा की। पाकिस्तान ने कहा-क्षेत्रीय अखंडता जरूरी एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने कहा कि उनकी सीरिया के घटनाक्रम पर नजर है।उन्होंने सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए पाकिस्तान के अटूट समर्थन को दोहराया। बलूच ने कहा सीरिया में पाकिस्तानी नागरिक सुरक्षित हैं। सीरिया में पाकिस्तान का दूतावास काम कर रहा है। 27 नवंबर से 8 दिसंबर तक सीरिया में पिछले माह 27 नवंबर से हयात तहरीर अल-शाम और तुर्किये के प्रति वफादार गुटों के लड़ाकों ने सीरिया के राष्ट्रपति के खिलाफ सशस्त्र लड़ाई शुरू की और 8 दिसंबर की सुबह उन्होंने वह कर दिखाया, जिसकी कोई उम्मीद नहीं कर रहा था। सीरिया पर नियंत्रण के बाद हयात तहरीर अल-शाम के नेता अहमद अल-शरा उर्फ अबू मुहम्मद अल-जुलानी ने दमिश्क में उमय्यद मस्जिद की अपनी यात्रा के दौरान सीरियाई सरकार को उखाड़ फेंकने और राष्ट्रपति बशर अल-असद के देश से भागने की घोषणा की। जुलानी ने कहा कि यह जीत पूरे इस्लामी राष्ट्र के लिए ऐतिहासिक है। अब सीरिया में कभी जुल्म नहीं होंगे। जेलों में बंद कैदियों को रिहा किया जाएगा। रूस ने दी असद और उनके परिवार को शरण रूसी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद, उनकी पत्नी, अस्मा अल-असद और उनके परिवार के सदस्यों को मानवीय कारणों से रूस में शरण दी गई है।

सीरिया पर रूस का संरा की मध्यस्थता पर जोर, इजराइली बल गोलान हाइट्स के पास

मॉस्को, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीरिया पर विद्रोहियों के नियंत्रण पर रूस ने कहा कि वह हमेशा सीरिया संकट के राजनीतिक समाधान के पक्ष में रहा है। इस समय संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में तत्काल बातचीत फिर से शुरू करने की आवश्यकता है। इस बीच इजराइली सुरक्षा बल गोलान हाइट्स के पास पहुंच गए हैं। सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनका परिवार मास्को में हैं। रूसी समाचार एजेंसियों ने क्रेमलिन स्त्रोत का हवाला देते हुए रविवार शाम यह घोषणा की। असद और उनका परिवार दमिश्क में इस्लामी नेतृत्व वाले विद्रोहियों के प्रवेश के कारण देश छोड़कर भागकर यहां पहुंचे। रूस ने युद्धग्रस्त देश में तेजी से बदलती जमीनी स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक बुलाई है। रूस ने मानवीय आधार पर असद और उनके परिवार को शरण दी है। क्रेमलिन सूत्र ने यह भी कहा कि जिन विद्रोहियों ने असद को जबरदस्त हमले में अपदस्थ किया, उन्होंने सीरिया में रूसी सेना के ठिकानों और राजनयिक संस्थानों की सुरक्षा की गारंटी दी है। रूस का ईरान के टार्टस में एक नौसैनिक अड्डा और खमीमिम में एक सैन्य हवाई अड्डा है। मॉस्को की सेनाएं 2015 में सीरियाई संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल हुईं। इससे असद की सेनाओं को खूनी गृहयुद्ध में विपक्ष को कुचलने में सहायता मिली। क्रेमलिन सूत्र ने कहा, रूस हमेशा सीरिया संकट के राजनीतिक समाधान के पक्ष में रहा है। हमारा प्रारंभिक बिंदु संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में बातचीत फिर से शुरू करने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र में एक रूसी प्रतिनिधि ने घोषणा की कि मॉस्को ने सोमवार दोपहर सीरिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बंद कमरे में बैठक का अनुरोध किया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, रूसी अधिकारी सशस्त्र सीरियाई विपक्ष के प्रतिनिधियों के संपर्क में हैं। तास ने अमेरिकी समाचार पत्र न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से कहा कि इजराइली सेना गोलान हाइट्स में सीरियाई क्षेत्र में प्रवेश कर गई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया जब सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर असद देश छोड़कर भाग गए हैं। इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ने की संभावना है। दो इजराइली अधिकारियों ने कहा कि इजराइली सेना गोलान हाइट्स के पास इजरायल और सीरिया के बीच असैन्यीकृत बफर जोन में प्रवेश कर गई है।

हैती में जादू-टोने का शक : गैंगस्टर ने 110 बुजुर्गों को चुन-चुनकर मौत के घाट उतारा

पोर्ट ओ प्रिंस, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

जिन पर उसे शक था कि जादू-टोना के जरिए उसके बच्चे की बीमारी की वजह वे ही हैं।

मोनेल मिकानो फेलिक्स नाम के गिरोह का नेता अपने विव अंसनम ग्रुप के साथ मिलकर इस नरसंहार के लिए जिम्मेदार था।

फेलिक्स के बच्चे के बीमार होने के बाद, उसने एक वूडू प्रीस्ट (तांत्रिक) से सलाह मांगी, जिसने इलाके के बुजुर्ग लोगों पर जादू-टोने के जरिए बच्चे को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया।

इसके बाद फेलिक्स ने नरसंहार का आदेश दिया। इसमें कहा गया है कि गिरोह के सदस्यों ने शुक्रवार को करीब 60 लोगों और शनिवार को 50 लोगों की हत्या चाकू और छुरे से की, जिनमें से सभी की उम्र 60 साल से ज्यादा थी।

राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस के बंदरगाह के पास घनी आबादी वाली बस्ती, साइट सोलेइल, हैती के सबसे गरीब और सबसे हिंसक इलाकों में से एक है।

मोबाइल फोन के उपयोग पर बैन सहित गिरोहों पर सख्त कंट्रोल की वजह से निवासियों की नरसंहार के बारे में जानकारी साझा करने की क्षमता को सीमित कर दिया गया।

व्हार्फ जेरेमी गिरोह के मुखिया फेलिक्स को 2022 में पड़ोसी डोमिनिकन गणराज्य में प्रवेश करने पर बैन लगा दिया गया था।

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति यून सुक येओल पर यात्रा प्रतिबंध लगाने पर विचार

सियोल, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

पुलिस ने आज कहा कि इस बात की समीक्षा की जा रही है कि येओल पर देशद्रोह और पिछले सप्ताह मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा से संबंधित अन्य आरोपों की जांच करने के लिए उयात्रा प्रतिबंध लगाया जाए या नहीं।

येओल, कई वरिष्ठ सरकारी और सैन्य अधिकारियों के खिलाफ लगाए गए राजद्रोह, विद्रोह और सत्ता के दुरुपयोग के गंभीर आरोप हैं। पुलिस और अभियोजन पक्ष दोनों ने जांच में यून को संदिग्ध के रूप में दर्ज किया है। एक पुलिस अधिकारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विचार-विमर्श में राष्ट्रपति के देश छोड़ने की संभावना भी शामिल है। जब अधिकारी से बिना वारंट के यून को गिरफ्तार करने की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह परिस्थितियों पर निभार करेगा। पुलिस ने यून से व्यक्तिगत पूछताछ करने से इनकार नहीं किया।

राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी में राष्ट्रीय जांच कार्यालय के प्रमुख वू जोंग-सू ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि लगभग 150 जांच अधिकारियों की विशेष टीम बनाई गई है।

इस बीच रक्षा मंत्रालय ने आज कहा कि दक्षिण कोरिया के सैन्य बलों का नियंत्रण वर्तमान में प्रमुख कमांडर के रूप में राष्ट्रपति यून सुक येओल के पास है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जियोन हा-क्यू ने नियमित प्रेस ब्रीफिंग में यह पूछे जाने पर कि क्या विद्रोह के मामले में कोई संदिग्ध ऐसी शक्तियां रख सकता है उन्होंने कहा, कानूनी रूप से सैन्य बलों का नियंत्रण वर्तमान में कमांडर इन चीफ के पास है।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती दर्शना देवी अग्रवाल
(धर्मपत्नी : स्व. श्री हुकुमचन्दजी अग्रवाल)
(स्वर्गवास : दि. 10-12-2023)

छाया मिले आपकी हरदम, सिर पर आपका हाथ हो ।
जीवन के हर मोड़ पर, सदा आपका आशीर्वाद हो ।।
प्रथम पुण्यतिथि पर शत् शत् वंदन...

- शोकाकुल -
कमला देवी (जेठानी), सतीश-सुनीता (देवर-देवरानी), विकास सुमन, सुनील निशा, अनिल-दिपाली (पुत्र-बहू), पुरुषोत्तम-रिम्पल, तर्शम-प्रियंका, बजरंग-पायल, प्रदीप-शिल्पा, संजय श्वेता (भतीजा-बहू), अशिता-नमित (भतीजी-जंवाई), गीतिका (भतीजी), पियूष (भतीजा), नैना, अंशु, अदिति, वृद्धि, जैस्वी, माही, ओम्मायशा (पौत्रियाँ), तनमय, साहिल, तनुज, वियान, योगित (पौत्र) एवं समस्त परिवार

अग्रवाल मशीन टूल्स
रानीगंज, सिकन्दराबाद 9885039808

श्री बनभोरी इम्पेक्स
जीडीमेटला 9885097894

कथामकेर्स
तिरुमूलगिरि 9885080860

आपा ने बदली मनीष सिसोदिया की सीट, अब जंगपुरा से लड़ेंगे

नई दिल्ली, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।
आम आदमी पार्टी (आपा) ने सोमवार को हैरानी भरा फैसला लेते हुए मनीष सिसोदिया की विधानसभा सीट को बदल दिया। पार्टी की ओर से जारी की गई लिस्ट के मुताबिक, सिसोदिया अब पटपड़गंज से नहीं बल्कि जंगपुरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। जैसे ही यह लिस्ट सामने आई, लोगों के मन में पहला सवाल यही उठा कि अरविंद केजरीवाल के बाद पार्टी में दूसरे सबसे बड़े चेहरे मनीष सिसोदिया की सीट बदलने की आखिर क्या जरूरत पड़ी?

मनीष सिसोदिया की सीट बदलने के पीछे सबसे बड़ी वजह इस सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव का नतीजा है। पटपड़गंज सीट पर पिछली बार सिसोदिया बहुत ही कम अंतर से चुनाव जीते थे। तब सिसोदिया और भाजपा के उम्मीदवार रविंद्र सिंह नेगी के बीच जीत का अंतर 3 हजार वोटों का रहा था। आम आदमी पार्टी में किसी ने यह उम्मीद नहीं की थी कि पटपड़गंज सीट पर चुनावी मुकाबला इतना करीबी होगा। इस चुनाव नतीजे के बाद से ही मनीष सिसोदिया अपनी सीट पर काफी मेहनत कर रहे थे लेकिन शायद उन्हें ऐसा डर था कि इस बार उनके लिए चुनाव जीतना मुश्किल हो सकता है। इसकी एक बड़ी वजह पटपड़गंज सीट पर उत्तराखंड के मतदाताओं की अच्छी-खासी आबादी होना है।

भाजपा नेता रविंद्र सिंह नेगी मूल रूप से उत्तराखंड से ही ताल्लुक रखते हैं। रविंद्र सिंह नेगी ने पिछला चुनाव हारने के बाद भी इस सीट पर अपनी सक्रियता बनाए रखी है। उन्होंने आपा और अरविंद केजरीवाल को लगातार घेरा है। सीट बदलने की दूसरी वजह सिसोदिया का लंबे वक्त तक जेल में रहना है। याद दिलाना होगा कि कथित आबकारी घोटाले में मनीष सिसोदिया 18 महीने तक जेल में रहे। जेल में रहने के दौरान वह अपनी विधानसभा सीट पर मतदाताओं से संपर्क नहीं कर सके हालांकि जमानत पर बाहर आने के बाद उन्होंने फिर से अपनी पकड़ को मजबूत करने की कोशिश की लेकिन शायद 18 महीनों की भरपाई कर पाना उनके लिए आसान नहीं था। ऐसे में सिसोदिया को ऐसी सीट की तलाश थी, जहां पर आम आदमी पार्टी की जमीन मजबूत हो और वह आसानी से जीत दर्ज कर सकें क्योंकि उन्हें कुछ और सीटों पर भी पार्टी प्रत्याशियों के प्रचार के लिए वक्त देना पड़ेगा।

एक सवाल यह भी है कि सिसोदिया के लिए जंगपुरा की सीट को ही आखिर क्यों चुना गया? इसकी बड़ी वजह यह है कि जंगपुरा सीट पर 2015 और 2020 के चुनाव में आपा का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। 2015 में यहां आप 20 हजार से ज्यादा और 2020 में 16 हजार से ज्यादा वोटों से जीती थी। ऐसे में पार्टी ने मनीष सिसोदिया के लिए इस सीट को काफी सेफ समझा। आम आदमी पार्टी का मुख्य आधार केंद्र दिल्ली है। दिल्ली से बाहर निकलकर पार्टी ने पंजाब में भी सरकार बनाई है और साथ ही कई राज्यों में चुनाव लड़ा है लेकिन क्योंकि दिल्ली देश की राजधानी है और यहां पार्टी ने पिछले दो चुनाव बड़े अंतर से जीते हैं इसलिए पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बार भी दिल्ली में बड़ी जीत दर्ज करना चाहते हैं। केजरीवाल इसके लिए लगातार दिल्ली का दौरा कर रहे हैं और बहुत सोच-समझकर टिकट बांट रहे हैं।

दिल्ली में विधानसभा के चुनाव अगले महीने होने हैं। आम आदमी पार्टी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में बड़े अंतर से जीत दर्ज कर चुकी है। 2013 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई थी लेकिन तब यह सरकार सिर्फ 49 दिन ही चल सकी थी और केजरीवाल के इस्तीफा देने की वजह से गिर गई थी। केजरीवाल इस चुनाव को बेहद गंभीरता के साथ ले रहे हैं और पार्टी प्रत्याशियों के चयन में यह बात साफ दिखाई देती है। पिछले कुछ दिनों में पार्टी को चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा है। उसके कई नेता पार्टी छोड़कर जा चुके हैं। ऐसे नेताओं में पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत, विधायक ब्रह्म सिंह तंवर प्रमुख हैं। पूर्व मंत्री राज कुमार आनंद, पूर्व विधायक वीणा आनंद के साथ कुछ और नेता भी भाजपा में शामिल हो गए थे। विधानसभा के स्पीकर रामनिवास गोयल और अरविंद केजरीवाल के करीबी माने जाने वाले दिलीप पांडे चुनाव लड़ने से इन्कार कर चुके हैं।

दूसरी ओर, भाजपा दिल्ली की सत्ता से अरविंद केजरीवाल को हटाना चाहती है। 2015 और 2020 के चुनाव में दिल्ली भाजपा के प्रदेश नेतृत्व और राष्ट्रीय नेतृत्व में भरसक कोशिश की। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित तमाम बड़े नेताओं ने पार्टी प्रत्याशियों के लिए धुआंधार चुनाव प्रचार किया था लेकिन पार्टी जीत दर्ज नहीं कर सकी थी।

मानव तस्करी का रैकेट चलाने वाला सरगना कामरान हैदर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।
दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शनिवार 7 दिसंबर को मानव तस्करी केस में लम्बे समय से वांछित अपराधी कामरान हैदर को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। कामरान हैदर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का वांटेड मुल्जिम था जिसे 2500 किलोमीटर तक पीछा करके हैदराबाद से पकड़ा गया। उस पर आरोप है कि वह लोगों से फ्रॉड करके उन्हें फर्जी कॉल सेंटरों में काम करने भेजता था और पुलिस से बचने के लिए लंबे समय से अपनी लोकेशन बदल रहा था।

कामरान हैदर दिल्ली में अली इंटरनेशनल सर्विसेज नाम से एक कंसल्टेंसी फर्म चलाता था। इस काम में उसके साथ मंजूर आलम, अखिल और अफ़ज़ल भी जुड़े थे। ये सभी मिल कर लोगों को विदेश में नौकरी लगवाने का लालच देते थे। हालांकि इन सभी का असल काम मानव तस्करी हुआ करता था। ये गिरोह नौकरी के जरूरतमंद भारतीयों को लाओस और थाईलैंड जैसे देशों में भेजा करता था। दिल्ली के रहने वाले नरेश लखावत भी इसी नेटवर्क के झांसे में आ गए। इन्हें अली इंटरनेशनल की तरफ से लाओस और थाईलैंड में काम करने का ऑफर मिला। नरेश इस झांसे में आकर थाईलैंड पहुंच गए। यहां उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया। बाद में उन्हें साइबर फ्रॉड करने वाली चीन की एक कम्पनी में जबरन काम करवाया गया। भारत लौट कर नरेश ने जून 2024 में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

मानव तस्करी से रैकेट जुड़ा होने के कारण यह केस राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया। एनआईए की जांच में पता चला कि कामरान की कम्पनी ने मानव तस्करी के शिकार लोगों को उन कॉल सेंटरों में भेजा जहां अमेरिकी

और यूरोपीय नागरिकों से ऑनलाइन ठगी की जाती थी। वह क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट के जरिए अवैध तौर पर पैसे भी निकाल चुका था। एनआईए ने यह भी पाया कि कामरान हैदर की कम्पनी का आपराधिक नेटवर्क दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में खासतौर से फैला था।

एनआईए ने यह भी पाया कि अली इंटरनेशनल द्वारा पीड़ितों से अमानवीय ढंग से काम करवाया गया था। अपने खिलाफ जांच शुरू होते ही कामरान हैदर फरार हो गया। एनआईए के साथ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भी उसकी खोजबीन शुरू कर दी। गिरफ्तारी से बचने के लिए कामरान लगातार ठिकाने बदल रहा था। आखिरकार एनआईए ने कामरान पर 2 लाख रुपयों का इनाम रखा। शनिवार को उसकी लोकेशन हैदराबाद के नामपल्ली रेलवे स्टेशन के पास मिली।

दिल्ली पुलिस ने 2500 किलोमीटर दूरी का फासला तय करके कामरान को दबोच लिया। कामरान को आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली लाया गया है। यहां पुलिस के साथ एनआईए की टीमें भी उससे पूछताछ कर रही हैं। पूछताछ में पता चला कि कामरान थाईलैंड और लाओस भागने की फिराक में था। जांच में अभी कुछ और पीड़ितों के नाम सामने आ सकते हैं। कामरान के गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी पड़ताल जारी है।

कांग्रेस के हाथ से छिनेगी इंडी गठबंधन की कमान

ममता के समर्थन में उतरे टीएमसी सांसद

नई दिल्ली, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा-महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद इंडी गठबंधन के भीतर सबकुछ ठीक नहीं दिखाई दे रहा है। टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने एक हालिया बयान में गठबंधन की कमान संभालने से जुड़ी इच्छा ज़ाहिर की थी। सीएम ने कहा था कि वह दोनों जिम्मेदारी एक साथ निभाने में सक्षम हैं। उनके इस बयान के बाद गठबंधन के अन्य साथियों की ओर से भी बयान सामने आने लगे हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) से नाराज सपा ने एमवीए से अलग होने का ऐलान किया है। क्षेत्रीय दल भी कांग्रेस के कमान संभालने से खुश नज़र नहीं आ रहे हैं, ऐसी चर्चाएं जारी हैं।

टीएमसी सांसद कीर्ति आज़ाद ने सीएम ममता को इंडिया गठबंधन का प्रमुख बनाने के सवाल पर कहा इंडिया गठबंधन की बैठक में सब तय होना है। हम तो कह रहे हैं कि आप स्ट्राइक रेट देखिए। मेरे लिए खड़गे जी, सोनिया जी और राहुल गांधी सम्मानीय हैं। आपने क्रिकेट में भी देखा है कि जब विराट कोहली कप्तानी कर रहे थे लेकिन जब चीज़ें ठीक नहीं चल रही थीं, तो उनकी जगह रोहित शर्मा को लाया गया था।

सबसे पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर कटाक्ष किया कि अगर उन्हें नेतृत्व का मौका दिया जाए तो वह गठबंधन का सुचारू संचालन को सुनिश्चित करेंगी। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) ने महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला किया, जब शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगी मिलिंद नार्वेकर ने एक्स पर बाबरी मस्जिद विध्वंस की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे का 1992 का एक उद्धरण था जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें मस्जिद को गिराने वालों पर गर्व है। इसके बाद अबू आसिम आजमी ने कहा कि वह इसका समर्थन नहीं कर सकते।

ममता बनर्जी के समर्थन में शरद पवार ने भी कहा है कि ममता एक काबिल नेता हैं। सीएम ममता बनर्जी का यह कटाक्ष ऐसे समय में आया है जब सपा और एनसीपी (सपा) जैसी पार्टियों ने संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र के दौरान अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन से खुद को अलग कर लिया है। कुछ अन्य दलों के नेताओं का भी मानना है कि विपक्ष को एक मुद्दे पर अड़े नहीं रहना चाहिए।

दूसरे मुल्कों में छिपने वाले अपराधी अब नहीं बच सकेंगे

नई दिल्ली, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।
देश में पहली जुलाई से लागू हुए तीन परिवर्तनकारी, नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के सख्त प्रावधानों से अब उद्घोषित अपराधी बच नहीं सकेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तत्वावधान में चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा तीनों नए कानूनों के सफल क्रियान्वयन को लेकर आयोजित एक लाइव प्रदर्शनी में डीजीपी एसएस यादव ने बताया, उद्घोषित अपराधी, कानूनी प्रक्रिया में अपनी अनुपस्थिति का फायदा नहीं उठा सकेंगे। आतंकवादी हो, गैंगस्टर हो या कोई आर्थिक अपराध का आरोपी, जो दूसरे मुल्कों में जाकर छिप गए हैं, वे लंबे समय तक कानून के शिकंजे से बच नहीं सकेंगे। उनकी गैर मौजूदगी में ही ट्रायल चलेगा। जब कभी वे भारत आएंगे तो उनके मामले में फैसला सुना दिया जाएगा। दोष सिद्ध होने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई

होगी। संभव है कि कई सारे मामलों में उद्घोषित अपराधी, भारत लौटते ही सीधे सलाखों के पीछे पहुंच जाएं।

चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरजीत कौर ने बताया, पुराने कानूनों में यह व्यवस्था थी कि बिना आरोपी के ट्रायल शुरु नहीं हो पाता था। इससे मामला बहुत लंबा खिंच जाता था। आरोपी के पकड़े जाने पर ही ट्रायल प्रारंभ किए जाने का प्रावधान था। कई आरोपी, इसका भरपूर फायदा उठाते थे। वर्षों तक केस ठंडे बस्ते में पड़ा रहता था। अब ऐसा नहीं होगा। नए कानूनों के तहत जब कभी आरोपी पकड़ा जाएगा, तो उसे केवल सजा सुनाई जाएगी, क्यों उसके केस का ट्रायल तो पहले हो चुका है। हालांकि उसके पास अपील करने का अधिकार रहेगा। एसएसपी कंवरजीत कौर के मुताबिक, चंडीगढ़ में 30 कोर्ट हैं। अभी दो अदालतों को पूर्ण तरीके से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग न्याय श्रुति सुविधा से युक्त बनाया गया है। यानी इन अदालतों में पूरी कार्यवाही डिजिटल तरीके से संपन्न हो रही है।

अदालत के ई प्लेटफार्म पर जांच अधिकारी, वकील, डॉक्टर, फोरेंसिक लैब एक्सपर्ट और गवाह भी जुड़ सकते हैं। केस के निपटारे में ज्यादा समय न लगे, इसके लिए प्रावधान किया गया है कि वकील, एक दिन में दो से ज्यादा एडजर्नमेंट न लें। डीजीपी यादव के मुताबिक, गंभीर अपराधों के फरार आरोपी को उद्घोषित अपराधी बनाया जाएगा। आरोपी की अनुपस्थिति में भी गवाहों व साक्ष्यों का परीक्षण होगा। उसकी गैर मौजूदगी में ही निर्णय की घोषणा कर दी जाएगी। सार्वजनिक नोटिस और अखबारों के माध्यम से सूचना देने का प्रावधान रहेगा। इस प्रक्रिया के जरिए अंतरराष्ट्रीय अपराधियों पर कार्रवाई संभव हो सकेगी। नए कानूनों में गवाहों को शारीरिक और मानसिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी। गवाह की पहचान और व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता रखी जाएगी। स्थान परिवर्तन और पहचान बदलने की व्यवस्था रहेगी। मानसिक तनाव व आघात से बचाने के लिए काउंसलिंग होगी। साक्ष्य की सत्यता सुनिश्चित होगी। नए कानूनों के तहत पहली सुनवाई के 60 दिनों के भीतर आरोप तय होंगे। यह प्रावधान धारा 251 (1) (बी) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में किया गया है।

तर्कों के पूरा होने के 45 दिनों के भीतर निर्णय सुनाना। यह प्रावधान धारा 392 (1) व 258 (1) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में किया गया है। पीड़ित को 90 दिन के भीतर केस की जांच की स्थिति से अवगत कराया जाएगा। इस दौरान अगर संबंधित जज का तबादला हो जाता है तो उसे उक्त मामले में फैसला देना होगा। महिलाओं और बच्चों के मुकदमों का निपटान, 60 दिनों के भीतर हो जाएगा। आरोपी द्वारा, 60 दिन के भीतर आरोप मुक्त करने की याचिका दी जा सकेगी। यह प्रावधान, धारा 290 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में किया गया है।

नए कानूनों में कैदियों के अधिकार भी बताए गए हैं। पहली बार के आरोपी को उसकी अधिकतम सजा का एक तिहायी समय पूरा होने पर जमानत का प्रावधान है। उम्र कैद तथा मृत्युदंड वाले संगीन अपराधों के अतिरिक्त अन्य मामलों में अधिकतम सजा का आधा समय पूरा होने पर जमानत का प्रावधान है। गरीब कैदियों के लिए सरकार द्वारा प्रतिभूति का प्रावधान किया गया है। लंबी अवधि तक हिरासत में रह रहे अंडर ट्रायल की जमानत पर पुनर्विचार का प्रावधान है। जमानत आवेदन की प्रक्रिया को सरल एवं तेज बनाया गया है।

सोनिया गांधी-जॉर्ज सोरोस साठगांठ पर संसद में हंगामा

नई दिल्ली, 09 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर विदेशी ताकतों से जुड़ाव का गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा ने कहा है कि सोनिया गांधी का संबंध फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) से है, जिसे जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्तीय मदद मिलती है। भाजपा का दावा है कि यह संगठन कश्मीर को भारत से अलग करने की वकालत करता रहा है। इस मुद्दे को लेकर संसद में जबर्दस्त हंगामा हुआ और कई बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

सोमवार 9 दिसंबर को संसद के दोनों सदनों में इस मुद्दे पर गर्मागर्म बहस देखने को मिली। जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी दलों ने इसे बेबुनियाद आरोप बताते हुए जोरदार हंगामा किया। स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष को शांत करने की कोशिश की लेकिन बात नहीं बनी। आखिरकार, लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दिया गया। इसी तरह, राज्यसभा में भी भारी हंगामा हुआ और कार्यवाही पहले 12 बजे और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

भाजपा ने दावा किया है कि सोनिया गांधी, एफडीएल-एपी की सह-अध्यक्ष होने के नाते, उस संगठन से जुड़ी रही हैं जो कश्मीर को स्वतंत्र राष्ट्र मानने का समर्थन करता है। भाजपा ने कहा, सोनिया गांधी और जॉर्ज सोरोस के बीच का यह संबंध भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों के हस्तक्षेप को दर्शाता है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि राजीव गांधी फाउंडेशन और सोरोस फाउंडेशन के बीच साझेदारी हुई थी, जो इस विदेशी प्रभाव को और पुष्ट करती है। भाजपा ने दावा किया है कि सोनिया गांधी, एफडीएल-एपी की सह-अध्यक्ष होने के नाते, उस संगठन से जुड़ी रही हैं जो कश्मीर को स्वतंत्र राष्ट्र मानने का समर्थन करता है। पार्टी प्रवक्ता ने कहा, सोनिया गांधी और जॉर्ज सोरोस के बीच का यह संबंध भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों के हस्तक्षेप को दर्शाता है। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि राजीव गांधी फाउंडेशन और सोरोस फाउंडेशन के बीच साझेदारी हुई थी, जो इस विदेशी प्रभाव को और पुष्ट करती है।

भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अडानी समूह के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ओसीसीआरपी (ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट) की रिपोर्ट का हवाला दिया था। ओसीसीआरपी को भी सोरोस फाउंडेशन से फंडिंग मिलती है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, राहुल गांधी और ओसीसीआरपी के बीच यह संबंध दिखाता है कि विपक्ष किस तरह से भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।

निशिकांत दुबे ने संसद में अपनी आवाज दबाने का आरोप लगाया और एक्स पर लिखा, आज लोकसभा में मुझे बोलने का अवसर शून्य काल में था, लेकिन विपक्ष ख़ासकर कॉन्ग्रेस पार्टी ने सोरोस के सम्बन्ध में पोल खुलने के डर से मेरी आवाज़ को दबाया। संसद में नियम के अनुसार यदि आवाज़ उठाने पर हल्ला कर दबाया जाए तो लोकतंत्र ख़तरे में है। संविधान कैसे बचेगा? केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस मामले को भारत की संप्रभुता पर हमला बताया। उन्होंने कहा, अगर कोई भारत-विरोधी ताकतों के साथ काम करता है, तो सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर उसका विरोध करना चाहिए। यह सिर्फ कांग्रेस का मुद्दा नहीं है, यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। रिजिजू ने कांग्रेस नेताओं से अपील की कि अगर उनकी पार्टी का कोई सदस्य देशविरोधी तत्वों से जुड़ा है, तो उसे सामने लाएं।

वहीं, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश करार दिया। कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, जब सरकार को कुछ छिपाना होता है, तो वह ऐसे मुद्दे उछालती है। अगर उनके पास कोई ठोस सबूत है, तो जांच कराएं। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसद मनोज झा ने कहा, सरकार को पहले अपने घर की सफाई करनी चाहिए। विपक्ष को डराने-धमकाने की यह कोशिश अब नहीं चलेगी।

ओसीसीआरपी एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन है, जो अपराध और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों पर रिपोर्टिंग करता है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि यह संगठन भारत की छवि खराब करने और मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए विपक्ष के साथ मिलकर काम कर रहा है। हालांकि, अमेरिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ओसीसीआरपी जैसे संगठन स्वतंत्र रूप से काम करते हैं और उनकी संपादकीय नीति पर किसी का नियंत्रण नहीं होता।

भाजपा के आरोपों पर अमेरिकी दूतावास ने बयान जारी कर कहा, यह निराशाजनक है कि भारत की सत्ताधारी पार्टी इस तरह के आरोप लगा रही है। अमेरिकी सरकार पत्रकारों को पेशेवर प्रशिक्षण और विकास के लिए मदद करती है, लेकिन इसका संपादकीय स्वतंत्रता से कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने इस बयान को आधार बनाते हुए कहा, अमेरिका ने खुद स्वीकार किया है कि ओसीसीआरपी और सोरोस फाउंडेशन को उनके फंड मिलते हैं। यह साफ दिखाता है कि विपक्ष और विदेशी ताकतें भारत के खिलाफ साजिश रच रही हैं।

संसद में सोरोस का मुद्दा सबसे पहले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 6 दिसंबर को उठाया था। उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सोरोस के करीबियों के साथ मुलाकात का जिक्र किया और इसे भारत-विरोधी ताकतों से जोड़ा।

उन्होंने संसद में कहा, कांग्रेस का हाथ जार्ज सोरोस के साथ, राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा का खर्च सोरोस ने दिया या नहीं, सोरोस ने 1000 भारतीय बच्चों को विदेश में पढ़ाई का खर्च दिया, उसमें कितने कांग्रेस नेताओं के बच्चे हैं? मेरा कांग्रेस पार्टी से प्रश्न पूछने का सिलसिला जारी रहेगा।

इसके बाद, यह मुद्दा संसद में हंगामे का कारण बन गया। भाजपा ने यह भी कहा है कि जॉर्ज सोरोस की फंडिंग से चलने वाले खोजी पत्रकारों ने ही अडानी पर हमले को लेकर राहुल गांधी के भाषणों का प्रसारण किया। राहुल गांधी भी इसे अपने सोर्स के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। वह चाहते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो जाए। भाजपा ने यह भी कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर भी जॉर्ज सोरोस को अपना दोस्त बता चुके हैं।

बहरहाल, सोरोस और सोनिया गांधी के बीच कथित संबंधों को लेकर संसद में उठा यह मुद्दा राजनीतिक संघर्ष का नया अध्याय बन गया है। जहां भाजपा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल बता रही है, वहीं विपक्ष इसे ध्यान भटकाने की चाल करार दे रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह विवाद संसद के बाहर जनता के बीच कितना असर डालता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कई दिनों से रुके काम भी पूरे हो सकते हैं. पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे. अपनी इमेज सुधारने का मौका भी आपको मिल सकता है. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके लिए दिन उत्साहवर्धक है और मनोरंजन भी होता रहेगा. परिवार से जुड़े मामलों पर आपको ध्यान देना होगा. कुछ घरेलू उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं. शादीशुदा लोगों को सुख मिल सकता है. प्रेम बढ़ेगा. पुरानी बीमारियों में थोड़ा आराम मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे. और इसी ऊर्जा के चलते जो भी काम आप हाथ में लेंगे वो समय पर जरूर पूरा होगा. और इस बात को लेकर आपकी तारीफ भी होगी. इस राशि के इंजीनीयर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी. आज जीवन में तरक्की के कुछ मौके आपके सामने आएंगे, जिसमें आप अपने जीवनसाथी की सलाह जरूर लें, उनकी सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी.आज शिवलिंग का दही से अभि-षेक करें, आपके सारे काम पूरे होंगे.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ महंगी वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं. भूमि में निवेश भी संभव है. व्यावसायिक रूप से दिन शुभ है. जिस प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर आप वर्तमान में काम कर रहे हैं, वह भविष्य में नई संभावनाओं को खोल सकता है. कार्य स्थल को पुनर्गठित करना या घर पर को पुनः व्यवस्थित करने की योजना पर आप कम कर सकते हैं. कुछ तनाव होने के कारण पारिवारिक माहौल तनावग्रस्त रह सकता है. किसी पारिवारिक सदस्य की अकस्मात बिगडती स्वास्थ्य स्थिति आपको परेशानी में डाल सकती है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको अपने बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिल सकते हैं. आपके बच्चे समाज में आपका नाम रोशन करेंगे. प्यार दरकिनार हो सकता है क्योंकि कुछ छोटे-मोटे मतभेद अचानक उभरेंगे. आज जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. अपने प्रयासों में सफलता पाने के लिए आपको मेहनत के साथ-साथ अपनी बुद्धि से भी काम लेना होगा तभी जाकर सकारात्मक परिणाम मिलने के आसार बनेंगें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार में सुख-शांति बढ़ेगी. कार्यक्षेत्र में नए एग्रीमेंट और समझौते होने की संभावना है. सामाजिक कामकाज में सम्मान मिल सकता है. किसी अच्छे दोस्त से मुलाकात के योग बन रहे हैं. आपका ध्यान किसी दूर स्थान पर ज्यादा रहेगा. ऑफिस में कोई व्यक्ति गुप्त रूप से आपकी मदद कर सकता है. रोमांस के अच्छे अवसर मिलने के योग हैं. पार्टनर आपको आर्थिक मदद कर सकता है. आज आप साथ काम करने वाले की तरफ आकर्षित हो सकते हैं.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा. आज आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया एक्सपेरीमेंट करेंगे जिसमें आपको सफलता भी जरूर हासिल होगी. आपका आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा. वहीं अगर कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी है तो उसनें आपको सुधार नज़र आएगा. आज लवमेट के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच का प्रोग्राम बना सकते हैं जिससे रिश्तों में आपको ताज़गी महसूस होगी. आज के दिन गाय को गुड खिलाए व्यापार में नए मार्ग खुलेंगे.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कुछ नया काम आरंभ हो सकता हैं । महत्वाकांक्षी उपक्रमों में निवेश करके आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाई जाएंगी और यदि बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की इच्छा है तो वह भी आपको प्राप्त हो जायेगा. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप दोस्तों और परिवार के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे. कुछ जातकों के लिए नवीन प्रेम सम्बन्ध नई आशाओं को जन्म दे-गा.दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको बच्चों की तरफ से खुशखबरी मिलने के योग नजर आ रहे हैं. परिजनों के साथ उग्र वाद-विवाद होने की संभावना है. छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से व्यग्रता का अनुभव हो सकता है. जरूरत से ज्यादा काम अपने सिर पर लेने से टेंशन हो सकती है. आपको मेहनत भी ज्यादा करनी होगी. विरोध में आ रही सभी परेशानियां दूर होगी तथा इन्हें नए कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे. आप पैसा बना सकते हैं बस नये तरीकों को आजमाना होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके काम बनते चले जाएंगे. सोच-समझाकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है. पैसों की स्थिति में अच्छे खासे बदलाव के मौके मिल सकते हैं. परिवार, समाज में आपका महत्व बढ़ेगा. प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी. जीवनसाथी के सा-थआपके संबंध और गहरे हो सकते हैं. पार्टनर के साथ आज अच्छा समय बीतेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव आने की संभावना है. आज सादा और हल्काफुलका भोजन ही करना बहतर रहेगा

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको सफलता पाने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी. साथ ही आज आप मानसिक अशांति से भी ग्रस्त हो सकते हैं. जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता हैं आज आपको खुद में एनर्जी की कमी महसूस होगी. जिसके चलते आप बेमन से कार्यों को पूरा करेंगे. आपके स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है. हालांकि आज आपको किसी की मदद भी मिल सकती है आज आप अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित रखना ही फायदेमंद होगा. आज के दिन आपको जरुरतमंद की मदद करनी चाहिए

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है. कुछ महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित यात्रा पर जाना पड़ सकता है. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा. पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए आप कुछ नई बचत योजनाओं को लागू करेंगे. आप राजनीति से जुड़े हुए हैं तो नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपके वैवाहिक जीवन के साथ-साथ अपने करियर को अनदेखा न करें, इन दोनों को आपकी देखभाल की ज़रूरत है. आपको कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है. आज अपना आपा न खोएं, नहीं तो परिवार में कभी न मिटने वाली दरार पड़ सकती है. नुकसान हो सकता है. मेहमानों का आगमन होगा. पारिवारिक सुखों को भोगने का समय आ गया है. अपने हाथों से गौ सेवा करें ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे ।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 10 दिसंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 03:45 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा दोपहर 01:31 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 10:02 तक
करण : तैतिल सायं 04:56 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 05:54 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है
गण्डमूल दोपहर 01:32 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के आर फैक्टर में जुड़ा रिस्पॉन्सिव और रिफॉर्मिस्ट सरकार का नया पहलू : मोदी

जयपुर,09 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज हम ग्लोबल विजन और ग्लोबल इंपैक्ट पर काम करते हुए आत्मनिर्भर भारत के नए सफर पर चल चुके हैं। सरकार औद्योगिक प्रगति के लिए 'होल ऑफ गवर्नमेंट एप्रोच' पर समन्वित रूप से एक साथ काम करते हुए हर सेक्टर, हर फैक्टर को एक साथ बढ़ावा दे रही है। सबके प्रयास की इस भावना से ही हम सब मिलकर विकसित भारत और विकसित राजस्थान बनाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को जयपुर स्थित जेईसीसी में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के भव्य उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत आज रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते हुए हर क्षेत्र में विकास कर रहा है, उसे लेकर दुनियाभर के निवेशकों में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि आजादी के 7 दशक बाद भी भारत दुनिया की 11वीं इकोनोमी था। लेकिन बीते 10 वर्षों में हमने 11वीं से 5वीं सबसे बड़ी इकोनोमी बनने का सफर तय किया है। इस दौरान हमारी अर्थव्यवस्था का आकार, कुल निर्यात और एफडीआई भी करीब दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि हमने बीते दस साल में आधारभूत ढांचे पर खर्च भी करीब 2 ट्रिलियन से बढ़ाकर 11 ट्रिलियन रुपए तक पहुंचा दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सफलता में डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिजिटल डेटा एवं डिलीवरी की पावर की अहम भूमिका है और आने वाले समय में दुनिया इनकी असली ताकत देखने वाली है। भारत जैसे विविधता भरे देश में डेमोक्रेसी का सशक्त होना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। आज देश की जनता लोकतांत्रिक हक का प्रयोग करते हुए स्थायी सरकार के लिए वोट दे रही है।

मोदी ने कहा कि आने वाले अनेक सालों तक भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में रहने वाला है और हमारे पास सबसे बड़ा स्किल्ड युवा वर्ग भी होगा। उन्होंने कहा कि यह सदी तकनीक एवं डेटा की सदी है और युवाशक्ति ने टेक पावर और डेटा पावर के नए आयाम जोड़ कर हमारे सामर्थ्य को बढ़ाने का काम किया है। बीते दशक में सरकार ने जो फैसले लिए हैं, उनकी बदौलत डिजिटिल इकोसिस्टम ने भारत में व्यापार-कारोबार के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। आज डिजिटल ट्रांजेक्शन्स में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं और देश में इंटरनेट यूजर्स की संख्या करीब 4 गुणा बढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि क्षेत्रफल के हिसाब से तो राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है ही, राजस्थान के लोगों का दिल भी उतना ही बड़ा है। जब राजस्थान विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचेगा तो देश को भी नई ऊंचाई मिलेगी। यहां के लोगों का परिश्रम, ईमानदारी, कठिन से कठिन लक्ष्य को पाने की इच्छाशक्ति, राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना राजस्थान की मिट्टी के कण-कण में समाई है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जो सरकारें आई उन्होंने न तो देश के विकास को प्राथमिकता पर रखा और ना ही देश की विरासत का ध्यान रखा। लेकिन आज हमारी सरकार विकास भी, विरासत भी के मंत्र पर चल रही है और इसका बहुत बड़ा लाभ राजस्थान को भी हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान के आर फैक्टर पर फोकस करते हुए कहा कि आज राजस्थान राइजिंग तो है ही, रिलायबल व रिसेप्टिप भी है और समय के साथ खुद को रिफाइन करना भी जानता है। उन्होंने बीते एक साल में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के शानदार काम की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान के इस आर फैक्टर में अब यहां की रिस्पॉन्सिव और रिफॉर्मिस्ट सरकार का नया पहलू भी जुड़ चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जिस कुशलता और प्रतिबद्धता के साथ राजस्थान के तेज विकास में जुटे हैं, वो प्रशंसनीय है। आज राजस्थान में गरीब, किसान, युवाओं के कल्याण, सड़क, बिजली, पानी सहित हर प्रकार के विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। सरकार अपराध और भ्रष्टाचार नियंत्रण में जो तत्परता दिखा रही है, उससे नागरिकों और निवेशकों में नया उत्साह आया है।

आधी आबादी के आर्थिक सशक्तीकरण की तरफ सरकार बढ़ा रही कदम

जयपुर,09 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अगर महिलाएं आगे बढेंगी तो देश आगे बढ़ेगा। राज्य सरकार इस आधी आबादी के उत्थान तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है। शर्मा सोमवार को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के सेशन 'हर स्टोरीजः एडवांसिंग इन्क्लूजिव सोसायटीज' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार इस देश में केवल चार जातियां हैं- महिला, किसान, युवा और मजदूर। उन्हीं की मंशानुसार हम महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। इसीलिए राइजिंग राजस्थान में महिलाओं के लिए हमने यह सत्र आयोजित किया है। इस सत्र में महिला वक्ताओं की सफलता की कहानियों से सभी महिलाएं प्रेरणा लेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 1 लाख 25 हजार छात्राओं को साइकिल वितरित की जाएंगी।

साथ ही, 21 हजार बालिकाओं को स्कूटी वितरण भी किया जाएगा जिससे शिक्षा ग्रहण करने में उन्हें आसानी हो सके। राज्य सरकार द्वारा 13 दिसंबर को किसानों, 14 दिसंबर को महिलाओं तथा 15 दिसंबर को मजदूर कल्याण के लिए विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं की शुरूआत की जाएगी।

जापान और राजस्थान की पार्टनरशिप होगी और अधिक मजबूत

जयपुर,09 दिसंबर (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के पहले दिन हुए कंट्री सेशन (जापान) में 'वर्सेटिलिटी ऑफ इंडस्ट्रीज-मैन्युफैक्चरिंग एंड बियोंड' विषय पर जापान और राजस्थान के जनप्रतिनिधियों, उद्योगपतियों और निवेशकों ने विस्तार से मंथन किया। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि जापान के

साथ राजस्थान के साथ लगभग डेढ़ दशक पुराने रिश्ते रहे हैं। जायका और जेट्रो कई वर्षों से राज्य के साथ जुड़कर बेहतरीन काम कर रहे हैं। नीमराना में जापान की करीब 48 कंपनियों के द्वारा अच्छा निवेश किया है। उन्होंने बताया कि कंपनियों को निवेश का बेहतर माहौल उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार नए डेडीकेटेड फ्रेट कोरिडोर बना रही है। आने वाला वर्षों में दोनों देशों के मध्य निवेश का रिश्ता और अधिक मजबूत होगा। जयपुर विकास प्राधिकरण की आयुक्त एवं जापान की ऑफिसर इंचार्ज आनंदी ने कहा कि राज्य सरकार ने जापानी कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करने के लिए इंडस्ट्रियल पार्क, डेडीकेटेड कोरिडोर बनाने के साथ सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

विकसित राजस्थान बनाना इन्वेस्टमेंट समिट का लक्ष्य : शर्मा

जयपुर,09 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राजस्थान के जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024' का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने 'राइजिंग राजस्थान' में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा, हमारा विकसित राजस्थान, हमारा उत्कृष्ट राजस्थान किस तरीके से बने उसकी कल्पना इस राइजिंग राजस्थान के अंदर की गई है। यहां बड़ी संख्या में निवेशक आए हुए हैं। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि आने वाले समय में राजस्थान में निवेश के क्षेत्र में तमाम संभावनाओं के दरवाजे खुलेंगे। यहां हर क्षेत्र में संभावनाएं हैं। मैं लोगों का धन्यवाद देना चाहता हूं जो राजस्थान को अग्रणी राजस्थान बनाने में हमारे साथ सहयोगी हैं। मुझे उम्मीद है कि हम इसमें सफल होंगे।

सीएम शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार एक साल पूरा कर रही है। सरकार को सभी कैबिनेट सहयोगियों का समर्थन मिला है। राजस्थान की जनता से हमने जो वादे किए थे, उसे पूरा करने के लिए हम लोग काम कर रहे हैं।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में मंत्रियों ने कहा

राजस्थान के लिए यह सुनहरा पल

जयपुर,09 दिसंबर (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का उद्घाटन कुछ ही समय बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। प्रधानमंत्री इन्वेस्टमेंट समिट के मुख्य अतिथि हैं और उद्घाटन के बाद वो कार्यक्रम में मौजूद लोगों को सम्बोधित भी करेंगे। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्-वेस्टमेंट समिट पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा, यहां संभावनाएं बहुत है। सभी निवेशकों में उत्साह है। राजस्थान के लिए यह सुनहरा पल है। पर्यटन में बहुत सारा निवेश आएगा...हर प्रकार का पर्यटन राजस्थान में बढ़ने वाला है।राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट पर राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की जो सोच और विजन है, उसको आगे बढ़ाते हुए हमारी राजस्थान सरकार ने जो पहले ही साल में इन्वेस्टमेंट का कदम उठाया, इसे निश्चित रूप से हम धरातल पर उतार पाएंगे और राजस्थान में अपार संभावनाओं को देखते हुए बहुत सारे निवेशक यहां आ रहे हैं।

हरियाणा में कांग्रेस की हार, क्या फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ला पाएगी बदलाव?

चंडीगढ़,09 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार ने पार्टी के भीतर हलचल मचा दी है। चुनाव नतीजों ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की टेंशन बढ़ा दी है, जिसके चलते अब पार्टी का शीर्ष नेतृत्व हरकत में आ गया है।

चुनाव नतीजों में करारी हार के कारणों का विश्लेषण करने और आगे की रणनीति तय करने के लिए अब से कुछ ही देर में दिल्ली में कांग्रेस फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की अहम बैठक होने जा रही है। इस बैठक में हरियाणा कांग्रेस के प्रमुख नेता भी शामिल होंगे।

इस बैठक का नेतृत्व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल करेंगे। संगठनात्मक दक्षता और गहरी राजनीतिक समझ के लिए जाने जाने वाले बघेल पार्टी की मौजूदा स्थिति पर चर्चा करेंगे और हार के प्रमुख कारणों को जानने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस के लिए यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व पिछले काफी समय से पार्टी के लगातार खराब प्रदर्शन से खफा है। लेकिन इस बैठक के जरिए पार्टी आने वाले समय में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाना चाहती है।

बैठक में भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष उदय भान, कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला के अलावा हरियाणा कांग्रेस से जुड़े सभी वरिष्ठ नेता, सांसद और विधायक बैठक में शामिल होंगे। इस दौरान नेताओं से फीडबैक लिया जाएगा और क्षेत्रीय मुद्दों, संगठनात्मक कमजोरियों और प्रचार में खामियों पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक हार के पीछे गुटबाजी, कमजोर रणनीति और स्थानीय मुद्दों की अनदेखी जैसे कारकों को मुख्य कारण माना जा रहा है।

हरियाणा में पार्टी की लगातार हार ने पार्टी के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों ने एक बार फिर पार्टी के सामने सवालों की झड़ी लगा दी है। इन नतीजों ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कांग्रेस जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ खो रही है। खासकर हरियाणा में, जहां किसान आंदोलन के बाद पार्टी से मजबूत पकड़ बनाने की उम्मीद थी, वहां चुनावी प्रदर्शन ने नेतृत्व को निराश किया है। बैठक में वैसे तो कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है, लेकिन चुनावी रणनीति की समीक्षा के तहत इस बात पर भी चर्चा होगी कि प्रचार अभियान में कहां कमी रह गई? गुटबाजी पर नियंत्रणः पार्टी के भीतर एकजुटता लाने के लिए क्या कदम उठाए जाएं? स्थानीय मुद्दों पर फोकसः मतदाताओं से जुड़ने के लिए क्या नीतियां अपनाई जाएं? पार्टी के युवा चेहरे किस तरह मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं? आगे की राहः बैठक से जो भी निष्कर्ष निकलेगा, वह कांग्रेस की आगामी रणनीतियों को आकार देगा।

भाजपा ने हरियाणा से रेखा शर्मा को दिया राज्यसभा का टिकट

नई दिल्ली, 09 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। भाजपा की लिस्ट सामने आने के बाद सबसे बड़ा झटका हरियाणा के नेताओं को लगा है क्योंकि पार्टी ने तमाम दावेदारों की लिस्ट को नकारते हुए रेखा शर्मा को यहां से उम्मीदवार बनाया है। रेखा शर्मा राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं। रेखा शर्मा हरियाणा के पंचकूला जिले की रहने वाली हैं। भाजपा के इस फैसले से राज्य में पार्टी के कई कार्यकर्ताओं और नेताओं को हैरानी हो रही है।

20 दिसंबर को राज्यसभा की 6 खाली सीटों के लिए उपचुनाव होना है। इनमें से तीन सीटें आंध्र प्रदेश में हैं। ओडिशा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा में एक-एक सीट है। भाजपा किसे अपना उम्मीदवार बनाएगी, इसे लेकर दिल्ली से चंडीगढ़ तक दावेदार कई दिनों से लॉबीइंग कर रहे थे। यह सीट कृष्ण लाल पंवार के कैबिनेट मंत्री बनने के बाद खाली हुई थी।भाजपा के छह बड़े नेता टिकट के दावेदार थे। इन दावेदारों में पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई, प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, करनाल के पूर्व सांसद संजय भाटिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल और सुदेश कटारिया का नाम शामिल था। कुलदीप बिश्नोई ने टिकट हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगाई थी। इस बार के विधानसभा चुनाव में कुलदीप बिश्नोई के बेटे भव्य बिश्नोई को आदमपुर विधानसभा सीट से हार मिली थी। कुलदीप बिश्नोई हरियाणा के कई बार मुख्यमंत्री रहे भजनलाल के बेटे हैं। वह खुद भी सांसद और विधायक रह चुके हैं। कुलदीप बिश्नोई बीते लोकसभा चुनाव में हिसार सीट से टिकट चाहते थे लेकिन पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया था। इसके बाद राज्यसभा के चुनाव में भी पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया था। तब पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की बहू किरण चौधरी को उम्मीदवार बनाया था।राज्यसभा टिकट के एक और बड़े दावेदार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली थे। बड़ौली ब्राह्मण समुदाय से आते हैं और पार्टी ने इस बार उन्हें विधानसभा चुनाव नहीं लड़ाया था। पार्टी ने बड़ौली को चुनाव लड़ाने का काम दिया था।

प्राकृतिक अगरबत्ती की महक से सुगंधित हुआ अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

कुरुक्षेत्र,09 दिसंबर (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में भारत के कोने-कोने से आए शिल्पकारों की शिल्पकला व कलाकारों के लोक नृत्य ने एक अलग ही मुकाम पर पहुंचा दिया है। इन शिल्पकारों व कलाकारों द्वारा अपनी-अपनी शिल्प व नृत्य कला को बड़े ही अनोखे ढंग से पर्यटकों के सामने रखा जा रहा है।

कोई कश्मीर की वादियों से वहां के पारंपरिक वस्त्र लेकर आया है, तो कोई पंजाब की फुलकारी, कहीं राजस्थान की मिठाई सजी है तो कहीं असम का पारम्परिक परिधान खेंजा। इन सभी के बीच हर घर-मंदिर को सुगंधित करने वाली अगरबत्ती भी अपनी महक महोत्सव में बिखेर रही है। अगरबत्ती का लघु कारोबार करने वाले राजेंद्र कुमार ने बातचीत करते हुए कहा कि अगरबत्ती जिसके बिना हमारे भारत देश में पूजा अधूरी समझी जाती है। इसलिए श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह साफ-सफाई, प्राकृतिक समान और बिना किसी केमिकल का इस्तेमाल करके उनके द्वारा सुगंधित अगरबत्ती बनाई जाती है। उनके द्वारा कई प्रकार के फूलों का इस्तेमाल करके अगरबत्ती बनाई जाती है।

इन अगरबत्तियों को बनाने में कस्तूरी का भी इस्तेमाल किया जाता है जो ठंड के मौसम में ज्यादा सुगंध देती है। वह पिछले कई साल से गीता महोत्सव में आ रहे है। इस महोत्सव में आकर उन्हें बहुत अच्छा लगता है। इस महोत्सव के माध्यम से उनकी अगर बत्तियों की काफी अच्छी सेल हो जाती है। इस महोत्सव के साथ-साथ वह देश में विभिन्न स्थानों पर लगने वाले मेलों आदि में भी अपना स्टॉल स्थापित करते है। उनकी द्वारा तैयार की गई अगरबतियों की कीमत 30 रुपए से लेकर 100 रुपए तक है।

15 दिसंबर से 14 जनवरी तक रहेगा खरमास

पौराणिक ग्रंथों के मुताबिक खरमास के दौरान शुभ काम नहीं होते हैं। लेकिन पूजा-पाठ, दान और खरीदारी की जा सकती है। इनमें खरीदारी के लिए शुभ मुहूर्त भी होते हैं और हर दिन अपनी श्रद्धा के हिसाब से जरूरतमंद लोगों को दान दिया जा सकता है। 15 दिसंबर को रात 10:19 बजे सूर्य वृश्चिक से निकलकर गुरु की राशि धनु में प्रवेश करेगा। इसके बाद 14 जनवरी को मकर राशि में सूर्य के आते ही खरमास खत्म हो जाएगा। ऐसे में इस एक महीने के दौरान शुभ काम नहीं किए जा सकेंगे। ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि खरमास में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन आदि मांगलिक कर्मों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं रहते हैं। इन दिनों में मंत्र जप, दान, नदी स्नान और तीर्थ दर्शन करने की परंपरा है। इस परंपरा की वजह से खरमास के दिनों में सभी पवित्र नदियों में स्नान के लिए काफी अधिक लोग पहुंचते हैं। साथ ही पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में भक्तों की संख्या बढ़ जाती है।

साल में दो बार आता है खरमास

एक साल में सूर्य एक-एक बार गुरु ग्रह की धनु और मीन राशि में जाता है। इस तरह साल में दो बार खरमास रहता है। सूर्य साल में दो बार बृहस्पति की राशियों में एक-एक महीने के लिए रहता है। इनमें 15 दिसंबर से 14 जनवरी तक धनु और 15 मार्च से 15 अप्रैल तक मीन राशि में। इसलिए इन 2 महीनों में जब सूर्य और बृहस्पति का संयोग बनता है तो किसी भी तरह के मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं।

सूर्य से होते हैं मौसमी बदलाव

सूर्य के राशि परिवर्तन से ऋतुएं बदलती हैं। खरमास के दौरान हेमंत ऋतु रहती है। सूर्य के धनु राशि में आते ही दिन छोटे और रातें बड़ी होने लगती हैं। साथ ही मौसम में भी बदलाव होने लगता है। गुरु की राशि में सूर्य के आने से मौसम में अचानक अनचाहे बदलाव भी होते हैं। इसलिए कई बार खरमास के दौरान बादल, धुंध, बारिश और बर्फबारी भी होती है।

ज्योतिष ग्रंथ में है खरमास

धनु और मीन राशि का स्वामी बृहस्पति होता है। इनमें राशियों में जब सूर्य आता है तो खरमास दोष लगता है। ज्योतिष तत्व विवेक नाम के ग्रंथ में कहा गया है कि सूर्य की राशि में गुरु हो और गुरु की राशि में सूर्य रहता हो तो उस काल को गुर्वादित्य कहा जाता है। जो कि सभी शुभ कामों के लिए वर्जित माना गया है।

खरमास में करें भागवत कथा का पाठ

खरमास में श्रीराम कथा, भागवत कथा, शिव पुराण का पाठ करें। रोज अपने समय के हिसाब से ग्रंथ पाठ करें। कोशिश करें कि इस महीने में कम से कम एक ग्रंथ का पाठ पूरा हो जाए। ऐसे करने से धर्म लाभ के साथ ही सुखी जीवन जीने से सूत्र भी मिलते हैं। ग्रंथों में बताए गए सूत्रों को जीवन में उतारेंगे तो दिक्कतें दूर हो सकती हैं।

खरमास में दान का महत्व

खरमास में दान करने से तीर्थ स्नान जितना पुण्य फल मिलता है। इस महीने में निष्काम भाव से ईश्वर के नजदीक आने के लिए जो व्रत किए जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है और व्रत करने वाले के सभी दोष खत्म हो जाते हैं। इस दौरान जरूरतमंद सभी लोगों, साधुजनों और दुखियों की सेवा करने का महत्व है। खरमास में दान के साथ ही श्राद्ध और मंत्र जाप का भी विधान है। घर के आसपास किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट करें। पूजन सामग्री जैसे कुमकुम, घी, तेल, अबीर, गुलाल, हार-फूल, दीपक, धूपबत्ती आदि।

खरमास में क्यों नहीं रहते हैं शुभ मुहूर्त

सूर्य एक मात्र प्रत्यक्ष देवता और पंचदेवों में से एक है। किसी भी शुभ काम की शुरुआत में गणेश जी, शिव जी, विष्णु जी, देवी दुर्गा और सूर्यदेव की पूजा की जाती है। जब सूर्य अपने गुरु की सेवा में रहते हैं तो इस ग्रह की शक्ति कम हो जाती है। साथ ही सूर्य की वजह से गुरु ग्रह का बल भी कम होता है। इन दोनों ग्रहों की कमजोर स्थिति की वजह से मांगलिक कर्म न करने की सलाह दी जाती है। विवाह के समय सूर्य और गुरु ग्रह अच्छी स्थिति में होते हैं तो विवाह सफल होने की संभावनाएं काफी अधिक रहती हैं।

करें सूर्य पूजा

खरमास में सूर्य ग्रह की पूजा रोज करनी चाहिए। सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद तांबे के लोटे से सूर्य को जल चढ़ाएं। जल में कुमकुम, फूल और चावल भी डाल लेना चाहिए। सूर्य मंत्र ऊँ सूर्याय नम: मंत्र का जप करें।

मकर संक्रांति पर खत्म होगा खरमास

15 दिसंबर 2024 से शुरू हो रहा खर मास 2025 के पहले महीने में 14 जनवरी को होगा। पंचांग के मुताबिक जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में आ जाएगा तो मकर संक्रांति होगी। इसके शुरू होते ही खर मास खत्म हो जाता है। 14 जनवरी को सूर्य मकर में प्रवेश करेगा। इसके साथ ही खर मास खत्म हो जाएगा।

मान्यता : गधों ने रथ खींचा, इसलिए हुआ खरमास

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान सूर्यदेव सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर लगातार ब्रह्मांड की परिक्रमा करते हैं। सूर्य देव को कहीं भी रुकने की इजाजत नहीं है, लेकिन रथ में जुड़े घोड़े लगातार चलने से थक जाते हैं। घोड़ों की ये हालत देखकर सूर्यदेव का मन द्रवित हो गया और वे घोड़ों को तालाब के किनारे ले गए, लेकिन तभी उन्हें एहसास हुआ कि अगर रथ रुका तो अनर्थ हो जाएगा। तालाब के पास दो खर मौजूद थे। मान्यता के मुताबिक सूर्यदेव ने घोड़ों को पानी पीने और आराम करने के लिए वहां छोड़ दिया और खर यानी गधों को रथ में जोत लिया। गधों को सूर्यदेव का रथ खींचने में जद्दोजहद करने से रथ की गति हल्की हो गई और जैसे-तैसे सूर्यदेव इस एक मास का चक्र पूरा किया। घोड़ों के विश्राम करने के बाद सूर्य का रथ फिर अपनी गति में लौट आया। इस तरह हर साल यह क्रम चलता रहता है। यही वजह है कि हर साल खरमास लगता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
अजमेर

कल तक इन राशियों पर बरसेगी चंद्र देव की कृपा, चमक जाएगी किस्मत

ज्योतिषीय गणना के अनुसार चंद्र देव राशि परिवर्तन करेंगे, जिसका असर विशेष तौर पर दो राशियों पर पड़ेगा। इन पर चंद्र देव की कृपा बरसेगी, जिससे इनके सारे बिगड़े काम बन जाएंगे।

चंद्र देव किस राशि करेंगे गोचर

ज्योतिषियों के अनुसार मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को चंद्र देव गोचर करेंगे। इस दौरान वह 9 दिसंबर को सुबह 9 बजकर 14 मिनट पर कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इसमें चंद्र देव दो दिन रुकेंगे। 11 दिसंबर को मेष राशि में प्रवेश करेंगे।

वृषभ राशि–वृषभ राशि पर इस समय देवगुरु बृहस्पति की विशेष कृपा है। उनके सारे बिगड़े काम पूरे हो रहे हैं। धन की समस्या भी खत्म हो गई है। जीवन में खुशहाली है। इस दौरान चंद्र देव के राशि परिवर्तन से भी उनको लाभ होने वाला है। उनका कोई काम रुका हुआ है, तो वह इस दौरान पूरा हो जाएगा। व्यापार में तरक्की मिलेगी। उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

किसी बात को लेकर हो रही चिंता खत्म होगी। मन पूरी शांत व आनंदित रहेगा। यह समय किसी भी क्षेत्र में निवेश के लिए अच्छा है। आप अपनी मन की इच्छा को पूरा करना चाहते हैं, तो सोमवार और शुक्रवार को शिवजी के नामों के मंत्र का जाप करें।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के जातकों पर राशि के जातकों पर शनि की साढ़ेसाती का दूसरा चरण चल रहा है। आने वाले साल में शनि महाराज राशि परिर्तन करेंगे, जिसके बाद साढ़ेसाती अंतिम चरण में पहुंच जाएगी। इससे कुंभ राशि के जातकों के लिए चंद्र देव खुशखबरी लेकर आए हैं। वह राशि परिवर्तन कर कुंभ राशि के जातकों के जीवन में सराकात्मक बदलाव लाएंगे। उनके सारे बिगड़े काम बन जाएंगे। व्यापार में फायदा होगा। इस दौरान किसी नए कार्य की भी शुरूआत कर सकते हैं।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा से इन 4 राशियों के शुरू होंगे शुभ दिन

मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि को मार्गशीर्ष पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इसी तिथि के समापन के साथ मार्गशीर्ष माह खत्म हो जाएगा और इसके बाद पौष माह की शुरुआत होगी। इस वर्ष पौष माह 16 से दिसंबर से शुरू हो रहा है और इसका समापन 13 जनवरी को होगा। धार्मिक मान्यता है कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन विष्णु जी और मां लक्ष्मी के उपासना करने से जातक को कारोबार में सफलता प्राप्त होती है और रुके हुए धन की प्राप्ति होती है। इसके अलावा गंगा स्नान और दान करने से जीवन में कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होती है। ज्योतिष गणना के अनुसार, मार्गशीर्ष पूर्णिमा से मिथुन, कर्क, कन्या और धनु राशि के जातकों की किस्मत चमकने वाली है। इन राशि जातकों को भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होगा, लेकिन इसके लिए विशेष उपाय जरूर करें।

इन राशियों को मिलेगा लाभ

मिथुन – मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन मिथुन राशि के जातकों को शुभ फल की प्राप्ति होगी। इसके लिए जातक सुबह स्नान करने के बाद शुभ मुहूर्त में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विधिपूर्वक उपासना करें। साथ ही अन्न और धन का दान करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से जातक को श्रीहरि और देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होगा और घर में सुख और शांति का आगमन होगा।

कर्क – कर्क राशि के जातक देवी मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन पूजा थाली में फल, फूल और मिठाई समेत आदि भोग को शामिल करें। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक का जीवन खुशहाल होता है और कुंडली में ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है।

कन्या – धनु राशि के जातकों को धन से जुड़ी समस्या से छुटकारा मिलेगा। इस शुभ प्राप्ति के लिए जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण को वैजयंती माला चढ़ाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से रुके हुए काम पूरे होते हैं और धन की कमी दूर होती है।

धनु – सनातन धर्म में सभी पर्व के दौरान दान करने का विशेष महत्व है। अगर आप अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करना चाहते हैं, तो मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन मंदिर या गरीब लोगों में अन्न, धन और वस्त्र का दान करें। इस उपाय को करने से सुख-समृद्धि और धन में वृद्धि होती है। साथ ही आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

तो इसलिए बैठे-बैठे पैर हिलाने से मना करती हैं दादी-नानी

दादी-नानी आज भी पुरानी मान्यताओं को फॉलो करती हैं और हमें भी इन्हें मानने को कहती हैं। ये मान्यताएं भ्रम या मिथक नहीं होती बल्कि इनसे कई लाभ जुड़े होते हैं। इसलिए बड़े-बुजुर्गों की बातों का पालन करें।

दादी-नानी की बातें हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि बुजुर्गों के पास ज्ञान और अनुभव का ऐसा भंडार होता है, जिससे हर समस्या का समाधान संभव है। दादी-नानी की रोक-टोक भले ही कुछ समय के लिए आपको अटपटी लगती हो, लेकिन इससे धार्मिक महत्व जुड़े होते हैं, जिसका असर घर की सुख-समृद्धि पर पड़ता है।

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे सोफा, कुर्सी, पलंग आदि में ऊंची जगहों पर बैठे होते हैं तो लगातार पैर हिलाते रहते हैं। इस तरह पैर हिलाना उनकी आदत बन जाती है। दादी-नानी जब भी पैर हिलाते हुए देखती हैं तो तुरंत टोककर मना करती हैं। आइये धार्मिक दृष्टिकोण से जानते हैं कि आखिर दादी-नानी ऐसा क्यों कहती है।

बैठकर पैर हिलाने से क्या होता है

ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि, लगातार पैर हिलाने वाले लोग जाने-अनजाने में मुसीबत को निमंत्रण देते हैं। इस आदत से मां लक्ष्मी नाराज होती हैं और धन-संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए इस आदत को धार्मिक दृष्टिकोण से अशुभ माना जाता है।

ज्योतिष में बताया गया है कि जो लोग बैठ या लेटकर पैर हिलाते हैं उनके कुंडली में चंद्रमा की स्थिति कमजोर होती है, जिससे जीवन में तनाव और रोग बढ़ते हैं। खासकर शाम के समय बैठकर पैर हिलाने से बचना चाहिए।

धर्म और ज्योतिष के साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी पैर हिलाने की आदत को सेहत के लिए खरतनाक माना जाता है। मेडिकल साइंस में पैर हिलाने की आदत को रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम का नाम दिया गया है, जोकि एक बीमारी है। इससे हार्ट अटैक, किडनी, पार्किंसंस जैसी समस्याओं के बढ़ने का खतरा रहता है और साथ ही शरीर में आयरन की कमी होती है।

न करें घर की दहलीज से जुड़ी ये गलतियां, वरना बिगड़ते चले जाएंगे आपके काम

वास्तु शास्त्र में घर के हर हिस्से से जुड़े कुछ-न-कुछ नियम मिलते हैं, जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति को सकारात्मक परिणाम मिलने लगते हैं। लेकिन इन नियमों की अनदेखी करने पर कई तरह की समस्याएं भी हो सकती हैं। इसी तरह वास्तु शास्त्र में घर की दहलीज से जुड़े कुछ नियम भी बताए गए हैं, जिनका ध्यान जरूर रखना चाहिए।

न करें ये गलतियां

घर की दहलीज पर बैठकर कभी भी खाना नहीं चाहिए और न ही दहलीज पर बैठकर बाल नहीं बनाने चाहिए। साथ ही दहलीज पर पैर रखकर भी खड़े नहीं होना चाहिए। माना जाता है कि इन कार्यों को करने से मां लक्ष्मी आपसे नाराज हो सकती हैं, जिस कारण आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

कभी न करें ये काम

वास्तु शास्त्र के अनुसार, कभी भी शाम के समय दहलीज पर नहीं बैठना चाहिए। ऐसा माना जाता है यदि आप शाम के समय घर की दहलीज पर बैठते हैं, तो इससे मां लक्ष्मी आपके घर में प्रवेश नहीं करती हैं, जिससे घर में धन की समस्या बनी रहती है।

मिल सकते हैं अशुभ परिणाम

ऐसा माना जाता है कि मेहमान का स्वागत या विदाई कभी भी दहलीज पर खड़े होकर नहीं करना चाहिए। ऐसा करना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता। ऐसे में दहलीज के अंदर रहकर स्वागत और विदाई, दहलीज के बाहर खड़े होकर करना चाहिए।

रखें इन बातों का ध्यान

इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि आपके घर की दहलीज टूटी-फूटी या खंडित नहीं होनी चाहिए। दहलीज पर साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और साधक को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।

अपने पति की किस्मत बदल देती हैं इस तारीख के दिन जन्म लेने वाली लड़कियां

सनातन धर्म में अंक शास्त्र का विशेष महत्व है। इस शास्त्र के माध्यम से करियर, कारोबार, प्यार, पैसा, विवाह समेत सभी प्रकार की जानकारी मिल जाती है। अंक शास्त्र के जानकारों की मानें तो कई लड़कियां किस्मत की बेहद धनी होती हैं। इनका जन्म खास तारीख के दिन होता है। इसके लिए ऐसे जातकों को जीवन भर धन का अभाव नहीं होता है। साथ ही सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। ये अपने पति के लिए भी बेहद भाग्यशाली होती हैं। विवाह के बाद इनके पति का भाग्योदय होता है। साथ ही इनका वैवाहिक जीवन भी बेहद सुखमय बीतता है।

मूलांक 6 – अंक शास्त्र के जानकारों की मानें तो 06, 15 और 24 तारीख के दिन जन्म लेने वाले जातकों का मूलांक 6 होता है। मूलांक 06 धन की देवी मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। इस मूलांक के स्वामी सुखों के कारक शुक्र देव हैं। 06, 15 और 24 तारीख के दिन जन्म लेने वाली लड़कियां बेहद खूबसूरत और शांति प्रिय होती हैं। अतः मूलांक 6 के जातकों पर धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष कृपा बरसती है। उनकी कृपा से जीवन में सभी प्रकार के भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

सुखों के कारक शुक्र देव वृषभ और तुला राशि के स्वामी हैं। इसके लिए वृषभ राशि और तुला राशि के जातकों पर शुक्र देव की असीम कृपा बरसती है। तुला राशि में शनिदेव उच्च के होते हैं। शनिदेव कर्मफल दाता हैं। इसके लिए तुला राशि के जातकों को करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। वहीं, वृषभ राशि में चंद्र देव उच्च के होते हैं। इसके लिए वृषभ राशि की लड़कियां शांत, सुशील एवं सौम्य होती हैं। कुल मिलाकर कहें तो 6 मूलांक के जातकों पर धन की देवी मां लक्ष्मी, सुखों के कारक शुक्र देव, कर्मफल दाता शनिदेव और मन के कारक चंद्र देव की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से 06, 15 और 24 तारीख के दिन जन्म लेने वाली लड़कियां न केवल धनवान होती हैं, बल्कि गुणवान भी होती हैं।

करें ये उपाय

मूलांक 6 के जातक शुक्रवार के दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करें। सफेद या लाल रंग के कपड़े पहनें।

शुक्रवार के दिन सफेद चीजों का दान करें। आप चावल, चीनी, आटा, मैदा, दूध, दही आदि चीजों का दान कर सकते हैं।

सुख और सौभाग्य में वृद्धि के लिए शुक्रवार के दिन लक्ष्मी वैभव व्रत जरूर रखें। इस व्रत को करने से धन और ऐश्वर्य में वृद्धि होती है।

दूध पीकर घर से बाहर निकलना अशुभ

हिंदू धर्म में इन्हें लेकर मान्यता है। दादी-नानी कई चीजों पर मान्यताओं को फॉलो करती हैं। इसलिए वो हमें रोका-टोका भी करती हैं। लेकिन दादी-नानी की ये रोक-टोक बेवजह नहीं होती, बल्कि इससे धार्मिक मान्यताएं और लाभ जुड़े होते हैं। आपने कई बार देखा होगा कि जब दूध पीकर आप घर से निकलते होंगे तो दादी-नानी आपको टोक कर कहती हैं- बेटा अभी-अभी दूध पिया है तुरंत घर से बाहर मत जाओ। आम घरों में तो अक्सर दादी-नानी अपनी ये सलाह घर के सदस्यों को देती है। कई बार हम उनकी बात मान लेते हैं तो कई बार नहीं भी मानते।

दादी-नानी की ये रोक-टोक आपको आने वाले संकटों से बचाती है। इसलिए अगर दादी-नानी दूध पीकर घर से बाहर जाने को मना करे तो उनकी बात जरूर मानें। क्योंकि इसके पीछे धार्मिक और ज्योतिष मान्यता तो है ही, साथ ही इसका संबंध सेहत से भी जुड़ा है। आइये जानते हैं दूध पीकर तुरंत घर से बाहर जाने पर क्या होता है?

दूध पीकर तुरंत घर से बाहर निकलना अशुभ माना जाता है। ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि दूध का संबंध चंद्रमा से होता है। वहीं बाहर जाने से पहले या यात्रा से पहले व्यक्ति मन (चंद्रमा) में यात्रा के बारे में विचार करता है। इसलिए ऐसी मान्यता है कि दूध पीकर तुरंत बाहर निकलने से चंद्र देव नाराज होते हैं।

चौराहे पर राहु बनाता है चांडाल योग

घर से बाहर या यात्रा के दौरान चौराहा भी पड़ता है। ज्योतिष के अनुसार चौराहे का मालिक राहु है तो वहीं दूध का संबंध चंद्रमा से है। ऐसे में जब रास्ते में चौराहा आता है तो राहु और चंद्रमा के मिलने से चांडाल योग बनता है, जिससे खतरा या हानि की संभावना बढ़ जाती है। इन्हीं कारणों से दादी-नानी दूध पीकर घर से तुरंत बाहर निकलने को मना करती है।

धार्मिक मान्यताओं में विज्ञान का आधार

धार्मिक मान्यताओं के साथ ही विज्ञान भी यह मानता है कि दूध पीकर तुरंत घर से बाहर निकलना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। इसका कारण यह है कि दूध में भरपूर प्रोटीन होता है। साथ ही इसमें लैक्टिक एसिड भी पाया जाता है जो शरीर में अपच, गैस और एसिडिटी को बढ़ाता है। अगर आप यात्रा से ठीक पहले दूध का सेवन करेंगे तो इससे सेहत संबंधी परेशानी होनी संभावना बढ़ सकती है।

थलपति विजय की आखिरी फिल्म थलपति 69 में पूजा हेगड़े की एंट्री

थलपति विजय की आखिरी फिल्म से मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट शेयर किया है। विजय की इस फिल्म में साउथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े लीड हीरोइन बनेंगी। हाल ही में मेकर्स ने बॉबी देओल के कास्ट जॉइन करने का अनाउंसमेंट किया था और अब पूजा हेगड़े भी थलपति 69 की कास्ट का हिस्सा होंगी। केवीएन प्रोडक्शन ने कुछ दिन पहले फिल्म का पोस्टर शेयर किया था। जिसमें लिखा था द टॉर्च बैरियर ऑफ डेमोक्रेसी इसके बाद फैंस फिल्म की और ज्यादा अपडेट जानने के लिए बेताब थे। इसीलिए मेकर्स एक एक करके इसकी कास्ट रिवील कर रहे हैं।थलपति 69 के मेकर्स ने बड़ा अपडेट शेयर करते हुए बताया कि फिल्म में बॉबी देओल की एंट्री हो चुकी है। हालांकि उनका रोल क्या होगा अभी इस बारे में खुलासा नहीं हुआ है। केवीएन प्रोडक्शन ने हाल ही में एक धांसू पोस्टर शेयर किया जिसमें बॉबी देओल का फेस रिवील किया गया। पोस्टर के साथ मेकर्स ने कैप्शन लिखा- 100त्न ऑफिशियल, हम बहुत खुश और एक्साइटेड हैं अनाउंस करते हुए कि बॉबी देओल ने थलपति 69 की कास्ट जॉइन कर ली है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, विजय थलपति ने इस फिल्म के लिए 275 करोड़ रुपये बतौर फीस ली है। कहा जा रहा है कि विजय ने फीस लेने के मामले में इंडियन सुपरस्टार शाहरुख खान को भी पीछे छोड़ दिया है। वहीं यह फिल्म विजय की आखिरी फिल्म भी हो सकती है इसके बाद वे पूरी तरह अपने पॉलीटिकल करियर पर ध्यान देंगे।वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय फिलहाल अपनी फिल्म गोट की सफलता का जश्न मना रहे हैं। फिल्म में विजय ने डबल रोल प्ले किया है जिसमें वह बाप-बेटे का रोल प्ले कर रहे हैं। विजय के अलावा फिल्म में प्रभुदेवा, प्रशांत, मोहन, स्नेहा, जयराम, लैला, अजमल अमीर और मीनाक्षी चौधरी समते कई स्टार्स अहम रोल में हैं।

सोनू सूद की फतेह के टीजर रिलीज

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सोनू सूद की आने वाली फिल्म फतेह का टीजर रिलीज। इस खबर की पुष्टि एक जबरदस्त पोस्टर के जरिए की गई है, जो फैंस के बीच काफी चर्चा का विषय बन गया है। पोस्टर में सोनू सूद का दमदार और एक्शन से भरपूर अवतार देखने को मिल रहा है, जिसमें वह एक दुश्मन को पकड़ते हुए नजर आ रहे हैं।वहीं फिल्म 10 जनवरी को रिलीज के लिए तैयार है।फतेह का निर्देशन सोनू सूद ने खुद किया है और यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। फिल्म के प्रोड्यूसर सोनाली सूद और उमेश केआर बंसल हैं। पोस्टर में दिखाई गई झलक ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है।फिल्म के बारे में बात करते हुए दबंग एक्टर ने कहा, फिल्म फतेह सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं है। ये एक ऐसी कहानी है, जो साइबर अपराध के तेजी से बढ़ते मुद्दे पर

प्रकाश डालती है। जिसे एक रोमांचक कहानी के जरिए पर्दे पर उतारा गया है। मेरा ये प्रोजेक्ट मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म से बेहतर तरीके से जुड़ पाएंगे। एक फिल्म निर्माता के रूप में, मेरा उद्देश्य एक ऐसी कहानी पेश करना है, जो आज की दुनिया की कहानी कहती हो।इसमें जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह जैसे कई सितारे नजर आएंगे।फतेह कोविड'9 महामारी के दौरान लोगों को प्रभावित करने वाले साइबर अपराध के वास्तविक जीवन के उदाहरणों से प्रेरित है। फिल्म में सिनेमैटोग्राफी, रिसर्च और एक्शन कोरियोग्राफी के लिए प्रसिद्ध हॉलीवुड पेश-ेवरों सहित एक टीम है।

चमकता हुआ गाउन पहन भूमि पेडनेकर दिखी जबरदस्त

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।बी-टाउन की ग्लैमरस हसीना भूमि पेडनेकर हमएशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो फैंस के बीच छा जाती है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहनकर फोटोशूट करवाया है। इन फोटोज में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।भूमि पेडनेकर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिल्वर कलर का चमकता हुआ रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देते हुए नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में पर्ल इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही उन्होंने अपनी हॉटनेस ने फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।भूमि पेडनेकर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है। ये ही नहीं उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

हरभजन सिंह बड़े पर्दे पर फिर मचाएंगे धमाल, फिल्म सेवियर में आएंगे नजर

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म का ऐलान किया है। जीहां वे फिर से बड़े पर्दे पर फिर धमाका करने वाले हैं, उन्होंने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए फैंस को इसकी जानकारी दी। इससे उनके फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई है। पूर्व ऑफ स्पिनर और कमेंटेटर ने अपने फैंस को एक बार फिर खुशी से झूमने का मौका दिया है। पंजाब के 44 वर्षीय हरभजन अब एक बार फिर से बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं।हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर फिल्म को पोस्टर शेयर किया और लिखा, निर्देशक जॉन और उनकी टीम के साथ एक बार फिर काम करने को लेकर उत्साहित हूं, यह फिल्म सभी के लिए एक बेहतरीन एंटरटेनर होगी तैयार हो जाइए। बता दें फिल्म का नाम है सेवियर और इस फिल्म में हरभजन एक डॉक्टर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म में उनका नाम डॉ। जेम्स मल्होत्रा है। हालांक फिल्म के बारे में और जानकारी सामने नहीं आई है कि यह कब रिलीज होगी, जल्द ही अपडेट मिलने की उम्मीद है।पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह घरेलू टी20 लीग में चेन्नई के लिए खेलते हुए तमिल दर्शकों के बीच एक पसंदीदा स्टार बन गए। हरभजन सिंह ने कई तमिल कविताएं भी लिखीं। इसके बाद हरभजन सिंह को तमिल फिल्मों में काम करने के ऑफर मिले और उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से कॉलीवुड दर्शकों का दिल जीत लिया। ये फिल्म उनके तमिल फैंस के लिए एक तोहफा है बता दें यह एक साइको थ्रिलर फिल्म है।हरभजन सिंह ने हिंदी फिल्मों में कुछ स्पेशल अपीयरेंस के साथ एक्टिंग में अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद हरभजन सिंह ने तमिल फिल्म फ्रेंडशिप में लीड रोल प्ले किया। जिसे जॉन पॉल राज और शाम सूर्या ने निर्देशित किया था। हरभजन सिंह ने तमिल फिल्म डिक्कीलोना में भी स्पेशल रोल प्ले किया था। जिसमें संथानम लीड रोल में थे।हरभजन सिंह ने भारत की ओर से 236 वनडे और 103 टेस्ट और 28 टी20 मैच खेले हैं। उनको टर्बनेटर के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 417 विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा उन्होंने वनडे में 269 विकेट चटकाए हैं। भज्जी टी20 में भी 25 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। टेस्ट में उनके नाम 2 शतक दर्ज हैं। व ा` बल्ले के सा थ 3000 से ज्यादा रन भी बना चुके हैं।

समुंद्र के किनारे मोनालिसा ने दिखाईं कातिल अदाएं

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही छाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस का दिल मचल गया है।एक्ट्रेस मोनालिसा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग और बोल्डनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिल अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा समुंद्र के किनारे बेहद ही किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर पोस्ट होते ही वायरल हो गया है।मोनालिसा समुंद्र ने व्हाइट कलर का कोर्ड सेट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। ये ही नहीं वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो भी करते हैं।

वरुण की बेबी जॉन 25 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

2024 खत्म होने को है और दिसंबर का महीना एक के एक बाद मास एंटरनेटर देकर दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा ही रही है। अब इसी बीच वरुण धवन की बेबी जॉन भी 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। अब हाल ही में इसके ट्रेलर की रिलीज डेट से पर्दा उठाते हुए मेकर्स ने बताया कि आखिर बेबी जॉन का ट्रेलर कब देखने को मिलेगा।वरुण धवन की बेबी जॉन साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है फिल्म क्रिसमस के मौके पर यानि 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस मास एंटरटेनर के ट्रेलर की रिलीज डेट भी अब मेकर्स ने बता दी है। बता दें इसके लिए आपको ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा क्योंकि बेबी जॉन का ट्रेलर 9 दिसंबर को रिलीज हो गया। हाल ही में फिल्म के डायरेक्टर एटली ने सोशल मीडिया पर नया पोस्टर रिलीज करते हुए ट्रेलर की डेट बताई। पोस्टर में वरुण खूंखार लुक में नजर आ रहे हैं। पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, द काउंटडाउन शुरू, बेबी जॉन का एक्शन दिखने के लिए तैयार हो जाइए, ट्रेलर कल रिलीज होगा, बेबी जॉन सिनेमाघरों में 25 दिसंबर को रिलीज होगी।दर्शकों ने बेबी जॉन के टीजर को जबरदस्त रिस्पॉन्स दिया था। टीजर की शुरुआत एक बच्ची से होती है जो अपने पापा जो कि वरुण धवन हैं के बारे में बताती हैं। दूसरी तरफ वरुण एक पुलिस ऑफिसर के रुप में फुल एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। इसमें जैकी श्रॉफ बतौर विलेन नजर आएंगे जिनका लुक भी टीजर में काफी खूंखार था। बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी का भी अहम रोल है उनकी झलक भी टीजर में देखने को मिली। बेबी जॉन से कीर्ति बॉलीवुड में शुरुआत करने जा रही हैं।बता दें बेबी जॉन एटली की फिल्म थेरी का रीमेक है जो 2016 में रिलीज हुई थी।

सशक्त भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ भारत का होना जरूरी : योगी

आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरण समारोह में बोले मुख्यमंत्री

गोरखपुर 09 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सशक्त भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ भारत का होना जरूरी है। स्वस्थ भारत के लिए हर नागरिक की आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में केंद्र और प्रदेश की सरकार हर एक स्तर पर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना हो या फिर मुख्यमंत्री राहत कोष से जरूरतमंदों को भरपूर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के कार्य, यह सभी स्वस्थ भारत के जरिये सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में बढ़ाए गए कदम हैं।

सीएम योगी सोमवार को महंत दिग्विजयनाथ पार्क में 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। 19 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से वय वंदना कार्ड प्रदान किए और उनसे आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना और सुदीर्घ-स्वस्थ जीवन की कामना की। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले आजादी

के बाद 70 सालों में प्रदेश में सिर्फ 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे जबकि आज डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश के 75 में से 65 जिलों में एक-एक मेडिकल कॉलेज की सौगात दे दी है। अकेले इस वर्ष 16 मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए गए। इनमें से 13 सरकारी और 3 पीपीपी मोड पर संचालित होंगे। इसके अतिरिक्त दो नए प्राइवेट मेडिकल कॉलेज भी शुरू हुए हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र में आए बदलाव की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रतिवर्ष इंसेफेलाइटिस से बड़ी संख्या में बच्चों की मौत होती थी। 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार ने प्रभावी नियंत्रण के साथ बीमारी को समाप्त कर दिया है। 2017 के पहले जहां पूर्वी उत्तर प्रदेश में अकेला गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज था, वह भी खुद बीमार रहा करता था। जबकि आज डबल इंजन की सरकार में गोरखपुर में एम्स खुल चुका है, बीआरडी मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी की सेवा शुरू हो चुकी है। पहले देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, गोंडा और बहराइच में मेडिकल कॉलेज नहीं थे वहीं आज इन जिलों में भी मेडिकल कॉलेज बन गए हैं या बन रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार हर जिले में सरकारी अस्पतालों में आईसीयू, डायलिसिस, सीटी स्कैन, कलर डॉपलर, एमआरआई, ब्लड बैंक, ब्लड कंपोनेंट यूनिट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कर रही है और इसका लाभ बड़े पैमानों पर नागरिक ले रहे हैं। इंसेफेलाइटिस पर नियंत्रण पाने के साथ ही सरकार ने कोरोना के संकट काल में प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों को बचाने के लिए सफल प्रयास किया। इंसेफेलाइटिस से मुक्ति दिलाने के बाद कोरोना को भी समाप्त किया गया। यह सुदृढ़ हुई स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते ही संभव हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सितंबर 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई आयुष्मान भारत योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।प्रति साल पांच लाख रुपये की मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने के लिए इसमें लाभार्थी को कुछ भी नहीं देना है, सिर्फ हर साल सिर्फ आयुष्मान हेल्थ कार्ड का नवीनीकरण कराना है।

उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ देश में सर्वाधिक उत्तर प्रदेश के लोगों को मिला है। प्रदेश में 5 करोड़ 25 लाख से अधिक लोगों के आयुष्मान हेल्थ कार्ड बने हैं। इस योजना के तहत 9 करोड़ से अधिक लाभार्थी सूचीबद्ध हैं। इस योजना से आच्छादित लोगों के इलाज हेतु सरकार ने व्यापक प्रबंधन किए हैं। अस्पतालों में इसके लिए अलग कर्मचारी और काउंटर की व्यवस्था है ताकि लाभार्थियों को कोई असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि किन्हीं भी कारणों से जो जरूरतमंद प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से वंचित रह गए हैं, उन्हें उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लाभान्वित किया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि आयुष्मान योजना का लाभ गोरखपुर के लोगों को भी भरपूर मिल रहा है। गोरखपुर में 91 सरकारी और 189 निजी अस्पतालों यानी कुल 280 अस्पतालों को इस योजना के तहत आच्छादित किया गया है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान योजना में लाभार्थियों के इलाज के लिए सरकार ने अस्पतालों को 320 करोड रुपये उपलब्ध कराए हैं। सीएम योगी ने कहा कि हर जरूरतमंद नागरिक को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने के लिए सरकार की चलाई योजनाओं के बावजूद भी यदि कोई व्यक्ति वंचित रह जाता है तो उसे मुख्यमंत्री राहत को से बड़े पैमाने पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बताया कि अकेले गोरखपुर में 7437 लोगों को 123.16 करोड रुपये की आर्थिक सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति आयुष्मान भारत योजना या दीनदयाल कैशलेस योजना में भी नहीं है तो उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में देर नहीं लगाई जाती है।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरण समारोह में सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को बीमारू प्रदेश की छवि से निकाल कर उत्तम प्रदेश बना दिया है। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश और गोरखपुर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी स्थान हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच है कि हर गरीब को मुफ्त इलाज की सुविधा मिले। महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी की सरकार ने जन स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है। सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनवाने के लिए लगाए गए कैंप का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने निर्देशित किया कि किसी भी बुजुर्ग को कार्ड बनवाने में कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग की तरफ से लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी का निरीक्षण करने के दौरान मुख्यमंत्री ने छोटे बच्चों का अन्नप्राशन और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की।

नोएडा एयरपोर्ट पर हुई पहली सफल लैंडिंग

इंडिगो के विमान से हुई शुरुआत

ग्रेटर नोएडा, 09 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा एयरपोर्ट के लिए सोमवार को बड़ा दिन रहा। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर विमान की सफल लैंडिंग हुई। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर सोमवार दोपहर 1.31 बजे पहली बार विमान ने सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। दिल्ली से उड़ान भरकर पहला व्यावसायिक 10 मिनट में नोएडा एयरपोर्ट के फ्लाइंग जोन में पहुंच गया था और उपकरणों सहित अन्य संसाधनों की जांच के लिए डेढ़ घंटे तक एयरपोर्ट के आसपास मंडराता रहा।

इस सफल लैंडिंग के साथ ही एयरपोर्ट के इतिहास में ढाई दशक की कवायद के बाद एक और सफलता जुड़ गई। इस बड़ी उपलब्धि से पहले रनवे को वाटर कैनन से सलामी दी गई। इंडिगो के ए-320 विमान ने रनवे पर सफल लैंडिंग के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के साथ प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे के ट्रायल के लिए डीजीसीए से 15 दिसंबर तक की समयसीमा तय की गई है। पहले 30 नवंबर को ट्रायल रन की तारीख नियत की गई थी। मगर, डीजीसीए टीम के निरीक्षण के चलते यह आगे बढ़ गई। कैलिब्रेशन ट्रायल के बाद रनवे का ट्रायल 9 दिसंबर को हुआ। अबतक एयरपोर्ट पर कैट-1 और कैट-3 उपकरण स्थापित हो चुके हैं, जो कोहरे में विमान की ऊंचाई और दृश्यता की जानकारी देते हैं। एयरपोर्ट पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) को स्थापित किया जा चुका है, जिसकी एयरक्राफ्ट बीच किंग एयर 360 ईआर के जरिए 10 से 14 अक्टूबर तक जांच की जा चुकी है।

एयरपोर्ट पर 3900 मीटर लंबा और 60 मीटर चौड़ा पहला रनवे बनकर पूरी तरह से तैयार है। रनवे पर मार्किंग और लाइटिंग का कार्य पूरा हो चुका है। इसके अलावा कैट-1 और कैट-3 उपकरण स्थापित हो चुके हैं, जो कोहरे में विमान की ऊंचाई और दृश्यता की जानकारी देते हैं। एयरपोर्ट पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) को स्थापित किया जा चुका है। नोएडा एयरपोर्ट का पहला चरण 1334 हेक्टेयर में तैयार हो रहा है, इसकी यात्री क्षमता प्रति वर्ष 1.2 करोड़ होगी। लेकिन चार चरणों में इसका विस्तार किया जाएगा। 2050 तक एयरपोर्ट पूरी तरह संचालित होने पर हर साल सात करोड़ यात्रियों की आवाजाही क्षमता को पूरा करेगा।

निकाह के निमंत्रण पत्र पर नाम नौशाद अहमद दुबे

अलग तरीके से घर वापसी कर रहे मुसलमान

अपने पुरखों का उपनाम क्यों न लगाएं?

जौनपुर, 09 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के मुस्लिम अब पहले की अपेक्षा अधिक जागरूक नजर आ रहे हैं और वे अपनी जड़ें अरब-तुर्की या अफगानिस्तान-ईरान में खोजने के बजाय भारत में खोज रहे हैं और इस पर गर्व भी कर रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के कुंदरकी उपचुनाव में इसकी झलक भी मिली। यहां के हिंदू और भारतीय जड़ों वाले लोगों ने भाजपा के ठाकुर रामवीर सिंह को मत देकर चुनाव जीताया, जबकि इस पर अब तक प्रभावी रहे तुर्क मुस्लिमों को हरा दिया।

ये भारत में बदले माहौल का उदाहरण भर है। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं, इस देश में जहां हिंदू से मुस्लिम बने लोग अपनी जड़ों से आज भी जुड़े हुए हैं। पहले क्षत्रिय समाज के मुस्लिम लोग खुलकर अपने नाम में राणा, चौहान, तोमर आदि लगाते रहे हैं। अब ब्राह्मण समाज के धर्मांतरित मुस्लिम भी इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वे भी अपने पूर्वजों के उपनाम और गोत्र को अपने नाम में जोड़ रहे हैं। इसका उदाहरण यूपी का डेहरी गांव है।

जौनपुर शहर से करीब 30 से 35 किलोमीटर की दूरी पर केराकत तहसील में एक छोटा सा गांव है डेहरी। डेहरी गांव के लोग अपने नाम में मिश्रा, दुबे, शुक्ला जैसे अपने पुरखों के

उपनाम जोड़ रहे हैं। यहां के रहने वाले 60 साल के नौशाद अहमद ने अपने घर की शादी के कार्ड पर नौशाद अहमद दुबे लिखा तो लोग चौंक गए। इसके बाद यह गांव सुर्खियों में आ गया। नौशाद अहमद का कहना है कि उनके पूर्वज हिंदू थे, इसलिए अब वे अपने नाम के साथ अपने पूर्वजों के उपनाम और गोत्र लिख रहे हैं। नौशाद अहमद दुबे ने बताया कि लगभग सात पीढ़ी पहले उनके पूर्वजों में से एक लाल बहादुर दुबे मुस्लिम बन गए थे। वो अपना नाम लाल मोहम्मद शेख लिखने लगे थे। उनका कहना है कि उनके पूर्वज आजमगढ़ के रानी की सराय से आए थे। नौशाद दुबे ने यह भी बताया कि आजमगढ़ के मार्टिनगंज तहसील में एक गांव है बीसवाँ। वहां के रहने वाले सुभाष मिश्रा के करीब 14 पीढ़ी पहले मिश्रा से शेख हो गए थे। वहां के मिश्रा और शेख को लोग जानते हैं कि वे पहले हिंदू ब्राह्मण थे। नौशाद दुबे भी खुद को गर्व से मुस्लिम ब्राह्मण कहते हैं। वहीं, इसी गांव के अशरफ अपने नाम में दुबे और शिराज अपने नाम में शुक्ला लगाते हैं। डेहरी के ही रहने वाले इसरार अहमद दुबे का कहना है कि वे सभी लोगों से अपील करेंगे कि वे अपनी जड़ों से जुड़े। इसरार दुबे ने कहा, शेख, पठान, सैय्यद ये सब हमारा टाइटल नहीं है। विदेशों से आए शासकों ने ये टाइटल दिया है। इसलिए अपने टाइटिल को खोजकर अपने जड़ों से जुड़ें। इससे हमारा देश मजबूत होगा और हम आपस में सौहार्द्रपूर्वक रह सकेंगे।

नौशाद दुबे ने बताया कि लोग उनसे पूछते हैं कि वे अपने नाम में दुबे क्यों लगाते हैं। इस पर नौशाद कहते हैं, अपने नाम में दुबे नहीं लिखें तो क्या लिखें। लोगों के पास इस बात का जवाब नहीं होता। अरबी का टाइटल शेख है, तुर्कों का टाइटल मिर्जा है, मंगोल या मुगलों का टाइटल खान है। ऐसे में हम उनका टाइटल क्यों अपनाएं? मेरे पास अपना टाइटल है और मैं उसे अपनाऊंगा।

गौसेवा करने वाले नौशाद कहते हैं कि वे अपनी जड़ों से अपनी चीजें ले रहे हैं और उधार की चीजें छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म को मानने वालों के अंदर मानवता होनी चाहिए। नौशाद का मानना है कि तिलक लगाने से उन्हें कोई एतराज नहीं है। पूजा में उनकी आस्था एक ईश्वर की आस्था है। नौशाद का कहना है कि उनके खिलाफ बार फतवे भी जारी हुए। हालांकि, उन्होंने उसकी परवाह नहीं की। नौशाद दुबे कहते हैं, पैगंबर साहब का नाम गलत तरीके से लेने पर लोग सिर तन से जुदा की बात करते हैं। उन्हीं मोहम्मद साहब को उनके अनुयायियों के सामने गाली दी जाती थी और कीचड़ फेंका जाता था, लेकिन वो गुस्सा नहीं करते थे। वो कहते हैं, अपने आपको मैं मुस्लिम ब्राह्मण कहलाने में खुशी महसूस करता हूं। मुझे नौशाद अहमद नहीं, नौशाद दुबे ही कहा जाए।

नौशाद दुबे के यहां 10 नवंबर को निकाह था। उन्होंने निकाह का कार्ड हिंदी में छपवाया था और उस पर नाम लिखा था नौशाद अहमद दुबे। उनका कहना है, मुसलमान कार्ड या तो अंग्रेजी में छपवाते हैं या उर्दू में, चाहे उर्दू कोई पढ़ ना पाए। उन्होंने पूछा कि हिंदी से इतनी नफरत क्यों? हम भारतीय हैं और हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा और मातृभाषा है। वे बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार के भी गलत मानते हैं। मुस्लिमों में अपनी जड़ों की ओर लौटने को लेकर नौशाद अहमद दुबे कहते हैं कि उत्तर प्रदेश के आजमगढ़, जौनपुर और मऊ मिलाकर लगभग 100 से अधिक ऐसे लोग हो हैं, जिन्होंने अपनी जड़ें खोजीं। ये बताते हैं कि उनके पूर्वज दुबे, तिवारी, पांडे, शुक्ला या यादव हैं। नौशाद दुबे की तरह न जाने कितने और लोग होंगे, जो अपनी जड़ें तलाश रहे होंगे और वे संभवत: आगे चलकर इससे जुड़ जाएंगे।

संभल कोर्ट में जमा नहीं हुई जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट

कोर्ट कमिश्नर ने सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए मांगा 15 दिन का समय

संभल, 09 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए कोर्ट कमिश्नर ने कुछ और समय की मांग की है। इसे अदालत ने मंजूर कर लिया है। उधर, मस्जिद पक्ष के वकील ने इस पर आपत्ति जताई है।

संभल की जामा मस्जिद मामले में सोमवार को कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने अदालत में सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए पंद्रह दिन का समय मांगा है। कोर्ट कमिश्नर का कहना है कि उनकी तबियत खराब होने के कारण वह सर्वे रिपोर्ट पूरी तरह तैयार नहीं कर सके हैं। इस पर विपक्षी अधिवक्ता शकील वारसी ने आपत्ति जताते हुए सर्वे रिपोर्ट पेश करने की बात कही। न्यायालय ने उन्हें लिखित में आपत्ति दाखिल करने को कहा है। 19 नवंबर को सिविल जज सीनियर डिवीजन चंदौसी की अदालत में शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी और हरिशंकर जैन समेत आठ वादकारियों ने वाद दायर किया था।

न्यायालय ने उसी दिन अधिवक्ता रमेश सिंह राघव को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर सर्वे करने के आदेश दिए थे। कोर्ट कमिश्नर ने कड़ी सुरक्षा व जिले के आला अधिकारियों की मौजूदगी में सर्वे किया। 24 नवंबर को वह डीएम व एसपी की सुरक्षा में दोबारा सर्वे करने पहुंचे तो बवाल हो गया था। इसमें पांच लोगों की जान चली गई। कई पुलिस कर्मी भी घायल हो गए थे। इसके बाद 29 नवंबर को कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश की जानी थी। जिसमें न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर को सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए दस दिन का समय दे दिया। दस दिन का समय पूरा होने के बाद सोमवार को सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य सिंह की अदालत में सर्वे रिपोर्ट पेश की जानी थी। सुबह 11 बजे करीब कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव न्यायालय में पहुंचे। उन्होंने प्रार्थना पत्र देकर पंद्रह दिन का और समय मांगा। जिस पर विपक्ष के अधिवक्ता शकील वारसी ने आपत्ति जताई। इस पर न्यायालय ने लिखित में आपत्ति दाखिल करने को कहा।

उधर, संभल पुलिस ने हिंसा में शामिल 4 अन्य उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। फरार चल रहे लगभग 400 अन्य पत्थरबाजों के पोस्टर प्रशासन ने जारी कर दिए हैं। सैकड़ों हमलावर घर छोड़ कर अन्य प्रदेशों में छिपे हुए हैं, जिनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। 23 नवंबर की हिंसा में गिरफ्तार हुए 4 अन्य आरोपितों में से 2 को कोतवाली नगर और 2 को नखासा थाना पुलिस ने दबोचा है। कोतवाली पुलिस ने तनवीर और शारिक को पकड़ा है। ये दोनों संभल के कोट गर्बी क्षेत्र के रहने वाले हैं। हिंसा के दौरान पुलिस द्वारा जुटाई गई सीसीटीवी से दोनों आरोपी चिन्हित किए गए थे। हमले में शामिल 2 अन्य आरोपियों को नखासा थानाक्षेत्र की टीम ने पकड़ा है। इनके नाम अनस और सूफियान हैं। दोनों ही संभल जिले के निवासी हैं। ये दोनों हिंदूपुरा क्षेत्र में जमा उसी भीड़ का हिस्सा था, जिसने पुलिस अधीक्षक के जनसम्पर्क अधिकारी की हत्या करने के लिए गोली चलाई गई थी। पुलिस ने इन दोनों को चिन्हित कर रखा था और गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही थी। पूछताछ में अनस और सूफियान ने खुद को हिंसा में शामिल बताया है।

अबू धाबी ग्रांड प्रिक्स : भारतीय रेसिंग सनसनी कुश मैनी ने ऐतिहासिक फॉर्मूला 2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीती

अबू धाबी, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

कुश मैनी ने इस एफ2 सीज़न में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने इनविक्टा रेसिंग टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए एफ2 कंस्ट्रक्टर चैंपियनशिप जीत ली है। इसके साथ ही कुश जूनियर फॉर्मूला के शिखर पर एफआई कंस्ट्रक्टर्स वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय बन गए।

इससे पहले कुश ने एफ2 पोल पोजीशन का दावा करने वाले पहले भारतीय बने थे। सीज़न के उतार-चढ़ाव के बावजूद, कुश ने इनविक्टा की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, हंगरी में रेस जीत सहित पांच पोडियम हासिल किए। जेद्दा में उनकी पोल पोजीशन ने टीम के प्रभावी अभियान की नींव रखी, जिसका समापन कुश की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से उनकी जीत के रूप में हुआ।

अंतिम दौड़ के लिए, मैनी ने अबू धाबी क्वालीफाइंग पी6 में एक ठोस क्वालीफाइंग दौर में प्रवेश किया और दोनों दौड़ में और भी बेहतर शुरुआत की। उन्होंने अपनी पहली लैप में स्प्रिंट में 6 स्थान और पहली लैप में फीचर में 3 स्थान प्राप्त किए। हालाँकि, उनके फर्श पर कुछ क्षति ने उन्हें स्प्रिंट के लिए बैकफुट पर डाल दिया, जबकि रुके हुए पिटस्टॉप ने रविवार को फीचर रेस में सीज़न को उच्च स्तर पर खत्म करने की उनकी योजना में बाधा डाली।

मैनी ने शानदार उपलब्धि के बाद कहा, यह वह वर्ष नहीं है जब मैं चाहता था कि यह बताया जाए कि हमने कैसे शुरुआत की, लेकिन अभी भी कंस्ट्रक्टर्स चैम्पियनशिप में सहित बहुत सारी सकारात्मकताएं अपने साथ ले जाना बाकी है। अच्छी रेस के लिए इनविक्टा में सभी को धन्यवाद और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं। मेरे लिए आगे क्या होगा, इसका इंतजार कर रहा हूं और अगले साल के लिए उत्सुक हूं।

यह ऐतिहासिक जीत न केवल भारतीय मोटरस्पोर्ट इतिहास में कुश मैनी की जगह को मजबूत करती है, बल्कि एक चुनौतीपूर्ण लेकिन पुरस्कृत सीज़न के दौरान उनके लचीलेपन और दृढ़ संकल्प को भी रेखांकित करती है।

न्यूज ब्रीफ

हर खिलाड़ी को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए : ललित उपाध्याय

वाराणसी। ओलंपियन ललित उपाध्याय ने युवा खिलाड़ियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए सोमवार को टिप्स दिया। परमानंदपुर शिवपुर स्थित विकास इंटर कॉलेज में हॉकी संघ वाराणसी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ओलंपियन ललित उपाधयाय ने युवा खिलाड़ियों में हॉकी किट वितरित कर कहा कि जीवन में आप तभी आगे बढ़ सकते हैं, जब आप में आगे बढ़ने की भूख होगी। समस्या तो जीवन में आती जाती हैं। उससे घबराना नहीं चाहिए। अभाव का भी रोना नहीं चाहिए। दुनिया में वही आगे जाता है, जो समस्या का हल निकालना जानते हैं।ललित उपाध्याय ने कहा कि मैं भी सामान्य आय वर्ग से आगे आया हूं। साथ ही कभी भी माता पिता और गुरु की बात को टालना नहीं चाहिए। ये जीवन में बार-बार नहीं मिलते हैं। ओलंपिक में दो बार हॉकी में कांस्य पदक जीतने वाले ललित अब तक 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उपाध्याय का मानना हे कि हर खिलाड़ी को अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। उसी के अनुसार अपना कार्यक्रम बनाना चाहिए। कार्यक्रम में हॉकी के अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ी ललित ने 100 से अधिक खिलाड़ियों में हॉकी किट वितरित किया। इसके अलावा हॉकी वाराणसी के अध्यक्ष डॉ. एके सिंह को अंतरराष्ट्रीय स्तर की हॉकी भेट की। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश हॉकी संघ के उपाध्यक्ष केबी रावत, जिला ओलंपिक संघ के सचिव शम्स तबरेज, प्रेम शंकर तिवारी आदि भी मौजूद रहे।

आसियान चैम्पियनशिप 2024: कंबोडिया और मलेशिया के बीच पहला मैच 2-2 से ड्रा

नोम पेन्ह। कंबोडिया ने रविवार रात नोम पेन्ह के ओलंपिक स्टेडियम में 2024 आसियान चैम्पियनशिप ग्रुप ए के उद्घाटन फुटबॉल मैच में मलेशिया के साथ 2-2 से ड्रा खेला। मलेशिया ने 35वें मिनट में मिडफील्डर स्टुअर्ट विल्किन के गोल से बढ़त हासिल की, लेकिन कंबोडिया ने दूसरे हाफ में अब्देल कादर कूलिबली के गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद टाई सा ने कंबोडिया को एक घंटे के अंदर दूसरा गोल कर बढ़त दिला दी। हालांकि, 74वें मिनट में फर्गस टियरनी ने बराबरी का गोल करके मलेशिया को हार से बचाया। फीफा रैंकिंग में कंबोडिया 180वें स्थान पर है, जबकि मलेशिया 132वें स्थान पर है। 2024 आसियान चैंपियनशिप 5 जनवरी, 2025 तक चलेगी। कंबोडिया को मलेशिया, सिंगापुर, ईस्ट तिमोर और थाईलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के कोच बेन सॉयर का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा

वेलिंगटन। बेन सॉयर ने न्यूजीलैंड महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में दो साल के विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। नए सौदे के तहत सॉयर दिसंबर 2026 तक टीम के प्रभारी होंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने सोमवार को उक्त पुष्टि की। सॉयर को पहली बार जून 2022 में नियुक्त किया गया था और उनके नेतृत्व में टीम ने इस साल अक्टूबर में पहली बार टी20 विश्व कप जीता। अब उनके पास 2026 में इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बरकरार रखने का मौका होगा। सॉयर तब भी टीम की कमान संभालेंगे जब न्यूजीलैंड अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने का प्रयास करेगा। एनजेडसी की महिला हाई परफॉरमेंस हेड लिज़ ग्रीन ने कहा, बेन के अगले दो साल के लिए टीम में शामिल होने से हम बहुत खुश हैं। उन्होंने इस समूह में बहुत अधिक विश्वास और भरोसा जगाया है और उन्हें अभी टीम में बनाए रखना बहुत बड़ी बात है, मौजूदा टीम और व्हाइट फ़र्न्स की दीर्घकालिक योजना दोनों के लिए। हमारे कई युवा खिलाड़ी जिन्होंने दो साल पहले बेन के पहले दौरे पर अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, वे अब बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जैसा कि हमने हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में देखा। उस टूर्नामेंट के दौरान बहुत अधिक विकास हुआ, जो पिछले दो वर्षों में बेन और कोचों द्वारा किए गए प्रयासों का परिणाम है। न्यूज़ीलैंड की अगली श्रृंखला इस महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली जाएगी, जिसमें 19, 21 और 23 तारीख को तीन एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे।

अगले महीने होने वाले खो खो विश्वकप के लिए मंगलवार से शुरु होगा प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली, 09 दिसंबर(एजेंसियां)।

भारत की मेजबानी में अगले महीने होने वाले खो खो विश्वकप के लिए भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर 10 दिसंबर मंगलवार से प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शुरु होगा। शिविर में देश भर से चुने गए 60 लड़कियों और 60 लड़कों को टीम भावना विकसित करने, कौशल बढ़ाने, मानसिक मजबूती, अनुशासन और टीम बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

इसके अलावा इस शिविर में अनुभवी और नए युवा प्रतिभाशाली खिलाडियों को खेल विशेषज्ञों की ओर से पोल डाइविंग, टैपिंग, ज़िग ज़ैग रनिंग, डाजिंग टैपिंग आदि खो खो खेल की बारीकियां सिखाई जाएँगी।

भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने आज यहां बताया कि खो खो विश्वकप से पहले राष्ट्रीय टीम की तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है तथा इस प्रशिक्षण शिविर के प्रदर्शन के आधार पर खो खो विश्व कप में भाग लेने के लिए 15 लड़कों और 15 लड़कियों की राष्ट्रीय टीम का चयन किया जाएगा जोकि विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह शिविर 13 से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाले खो खो विश्व कप के लिए उनकी अंतिम तैयारियों की शुरुआत है।

भारतीय राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच अश्विनी शर्मा की देखरेख में एक महीने तक यह फिटनेस और प्रशिक्षण शिविर चलेगा। इसमें खिलाड़ियों की चपलता और तकनिकी पर फोकस होगा। इस प्रशिक्षण शिविर में देशभर के पुरुष और महिला वर्ग दोनों के साठ साठ प्रतिभाशाली खिलाड़ी, अनुभवी और नए प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। जहाँ खिलाड़ी बिजली की तरह तेज रिफक्स, सटीक मूवमेंट और सहज समन्वय की तकनीक सीखेंगे।

यह शिविर खिलाड़ियों को एक टीम के रूप में एक-दूसरे के साथ मिलकर कैसे मुकाबला जीता जाता है यह सीखने का अवसर प्रदान करेगा।

कोच ने बताया कि विश्व कप के लिए अंतिम टीमों का चयन प्रशिक्षण शिविर के दौरान उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। लगभग 16 कोच और सहायक कर्मचारी खिलाड़ियों को इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारी में सहायता करेंगे।

प्रशिक्षण शिविर में समन्वय, खेल अभ्यास, तकनीक, पोल डाइविंग और टैपिंग जैसे पीछा करने के कौशल, डोजिंग और जिग जैग रनिंग जैसे रनिंग कौशल आदि में विशेष प्रशिक्षण के साथ फिटनेस के स्तर को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों के लिए केकेएफआई ने खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए एक खेल मनोवैज्ञानिक को भी नियुक्त किया है। वह खिलाड़ियों को चुनौतियों का सामना करने, दबाव को रोकने और मानसिक थकान से निपटने में मदद करेंगे।

सुधांशु मित्तल ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर की औपचारिक शुरुआत से पहले दो दिनों के दौरान खिलाड़ियों की शारीरिक स्थिति के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा परीक्षण किए जाएंगे। खिलाड़ियों के रहने और खाने की व्यवस्था जवाहर लाल नेहरू साई छात्रावास में की जाएगी जो प्रशिक्षण शिविर स्थल से 100 मीटर की दूरी पर है। सभी खिलाड़ियों को नि:शुल्क आवास सुविधा तथा 20,000/-(बीस हजार रुपये) मूल्य की खेल किट उपलब्ध कराई जाएगी।

खिलाड़ियों के पोषण का विशेष प्रबंध किया गया है तथा प्रशिक्षण शिविर में उन्हें आहार, सूखे मेवे, जूस, शाकाहारी तथा मांसाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

बीबीएल : मेलबर्न स्टार्स ने एडम मिल्ने के साथ किया करार

मेलबर्न, 09 दिसंबर(एजेंसियां)।

मेलबर्न स्टार्स ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को क्रिसमस से पहले बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलने के लिए अनुबंधित किया है। वे पाकिस्तान के लेग स्पिनर उसामा मीर की जगह लेंगे, जो इस सीजन के पहले तीन मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

पिछले सीजन के अंत में ग्लेन मैक्सवेल के कप्तान बनने के बाद स्टार्स इस सप्ताह नए कप्तान की घोषणा करने वाले हैं। मैक्सवेल के 15 दिसंबर को पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ होने वाले पहले मैच के लिए फिट होने की संभावना नहीं है, क्योंकि वे अपनी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं और यह देखना बाकी है कि वे क्रिसमस से पहले होने वाले पहले तीन मैचों में से किसी में भी खेल पाएंगे या नहीं।

मीर स्कॉर्चर्स, ब्रिसबेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ पहले तीन मैचों के लिए भी उपलब्ध नहीं हैं, जो पांच दिनों के अंतराल में तीन शहरों में खेले जाएंगे। स्टार्स ने उन तीन मैचों के लिए मिल्ने को टीम में शामिल किया है। वह इससे पहले 2020-21 में सिडनी थंडर के लिए बीबीएल में खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 12 मैचों में 7.56 की इकॉनमी रेट से सिर्फ पांच विकेट लिए थे।

मेलबर्न स्टार्स के महाप्रबंधक ब्लेयर क्राउच ने कहा, एडम जैसी प्रतिभा और अनुभव वाले किसी खिलाड़ी को टीम में शामिल करना पहले तीन मैचों के लिए टीम के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। एडम ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानता है, हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह क्या कर सकता है।

मिल्ने टेस्ट ड्यूटी पर मौजूद स्कॉट बोलैंड की अनुपस्थिति को भी कवर करेंगे। स्टार्स को कम से कम पर्थ में शुरुआती गेम के लिए ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर की कमी खल सकती है, क्योंकि वह 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे मैच के लिए टेस्ट टीम में बने रहने के लिए तैयार हैं।

हीट के खिलाफ स्टार्स का दूसरा बीबीएल मैच तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन है, जिसका मतलब है कि वेबस्टर संभावित रूप से उपलब्ध हो सकते हैं यदि उन्हें मिशेल मार्श की फिटनेस के लिए टेस्ट टीम से रिलीज़ किया जाता है।

स्टार्स को बीबीएल सीज़न के शुरुआती तीन मैचों के लिए इंग्लैंड के टेस्ट ओपनर बेन डकेट की भी कमी खल रही है, क्योंकि वह न्यूजीलैंड में अपने टेस्ट कर्तव्यों को पूरा करेंगे, जो क्लार्क 2021-23 से दो सीज़न खेलने के बाद स्टार्स में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए प्रतिस्थापन के रूप में तैयार हैं। क्लार्क ने पिछले सीज़न में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए छह गेम और 2020 में स्कॉर्चर्स के लिए तीन गेम भी खेले। उन्होंने हाल ही में गुयाना में ग्लोबल सुपर लीग में विक्टोरिया के लिए खेला।

पैरा-एथलेटिक चैंपियनों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से रुनवाल रियल्टी करेगा ठाणे हाफ मैराथन की मेजबानी

मुंबई, 10 दिसंबर(एजेंसियां)।

मुंबई के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक, रुनवाल रियल्टी, प्ले फ्री स्पोर्ट्स के सहयोग से, 15 दिसंबर, 2024 को ठाणे हाफ मैराथन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। यह दौड़ रुनवाल 25 आवर लाइफ, मानपाड़ा, ठाणे पश्चिम से शुरू होगी। आयोजन से प्राप्त आय सीधे तौर पर भारत के पैरा-एथलीट चैंपियनों को कृत्रिम पैर प्रदान करके, उन्हें बाधाओं को तोड़ने और चमकने के लिए सशक्त बनाकर सहायता करेगी।

दौड़ का आयोजन चार श्रेणियों 21 किमी, 10 किमी, 5 किमी और 1 मील में किया जाएगा।

प्रतिभागियों को कई उपहार दिए जाएंगे, जिनमें ड्राई फिट टी-शर्ट, फिनिशर मेडल, नाश्ता और शीर्ष ब्रांडों के 1,000 से अधिक मूल्य के वाउचर शामिल हैं।

बोटाफोगो ने तीसरी बार जीता ब्राजीलियन सेरी ए खिताब

रियो डी जेनेरियो, 09 दिसंबर(एजेंसियां)।

ग्रेगोर के अंतिम क्षणों में किये गये गोल की मदद से बोटाफोगो ने रविवार को साओ पाउलो को 2-1 से हराकर तीसरी बार ब्राजीलियन सेरी ए खिताब जीतकर 29 साल का इंतजार खत्म किया। बोटाफोगो के लिए मैच के 37वें मिनट में जेफर्सन सावारिनो ने पहला गोल किया, इसके बाद विलियम गोम्स ने 63वें मिनट में साओ पाउलो को लिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

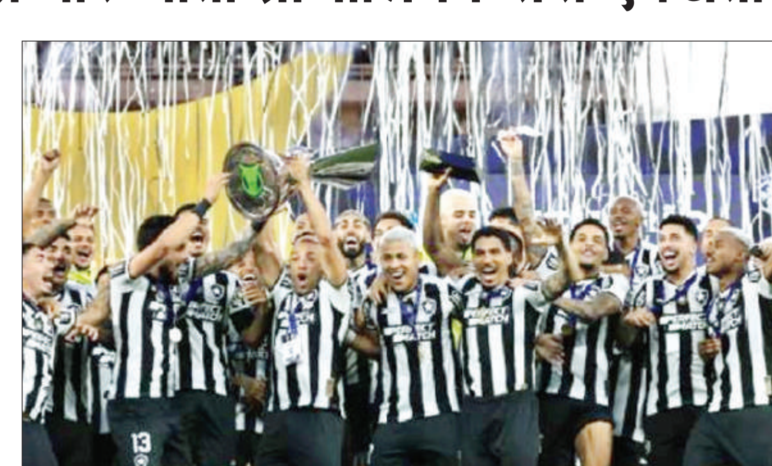

ग्रेगोर ने 92वें मिनट में एक गलत डिफेंसिव पास का फायदा उठाते हुए गोल किया।

रियो डी जेनेरियो के ओलंपिक स्टेडियम में हुए इस परिणाम का मतलब था कि बोटाफोगो ने 79 अंकों के साथ सीजन का समापन किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद पाल्मेरास से छह अंक आगे था।

यह आठ दिनों में बोटाफोगो के लिए दूसरी बड़ी ट्रॉफी थी, इससे पहले रियो की टीम ने ब्यूनस आयर्स में कोपा लिबर्टाडोरेस फाइनल में एटलेटिको मिनेरो को 3-1 से हराया था।

बोटाफोगो के मैनेजर आर्टुर जॉर्ज ने कहा कि पिछले सीजन में मिली निराशा के बाद यह खिताब जीतना शानदार है। पिछली बार टीम ने पाल्मेरास से सीरी ए खिताब हारने के लिए 13 अंकों की बढ़त गंवा दी थी।

पुर्तगाल के ब्रागा से अप्रैल में क्लब में शामिल हुए जॉर्ज ने स्पोर्टव से कहा, मैं बहुत खुश हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि हमने इस सीजन में अपने लक्ष्य हासिल किए हैं, बल्कि इसलिए भी कि खिलाड़ियों ने पिछले साल बहुत कुछ झेला। हमारा सीजन असाधारण रहा और प्रशंसक किसी से भी ज्यादा इसके हकदार हैं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें बहुत कुछ सहना पड़ा है।

बोटाफोगो, जिसने पिछले शीर्ष-स्तरीय खिताब 1968 और 1995 में जीते थे, एक ही साल में ब्राजीलियन सीरी ए और कोपा लिबर्टाडोरेस खिताब हासिल करने वाला केवल तीसरा क्लब है। यह उपलब्धि पेले के सैंटोस ने 1962 और 1963 में और फ्लेमेंगो ने 2019 में भी हासिल की थी।

बोटाफोगो की टीम अब अपना ध्यान कतर में होने वाले फीफा इंटरकांटिनेंटल कप के उद्घाटन संस्करण पर लगाएगी, जहां बुधवार को क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मैक्सिको के पचुका से होगा।

महिला एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा : नेहा

नई दिल्ली , 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में ओडिशा वॉरियर्स की कप्तानी कर रहीं नेहा ने अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए उद्घाटन एचआईएल को एक बड़ा मंच करार दिया।

हाल ही में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के साथ जीत हासिल करने के बाद, नेहा अब भारतीय हॉकी में इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए नई ऊर्जा और फोकस के साथ कप्तानी की भूमिका में कदम रख रही हैं।

नेहा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हम वर्षों से इस तरह के मंच की प्रतीक्षा कर रहे थे, और अब जब यह अंतत: यहाँ है, तो यह अवास्तविक लगता है। यह युवा लड़कियों के लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर है। यह लीग उन लोगों को भी प्रेरित करेगी जो इस सीज़न में आगे नहीं बढ़ पाए और उन्हें कड़ी मेहनत करने और अगले संस्करण के लिए लक्ष्य बनाने की

प्रेरणा मिलेगी। मुझे विश्वास है कि एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा।

ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नियुक्त की गईं नेहा नई जिम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा,एक कप्तान के रूप में यह मेरा पहला बड़ा टूर्नामेंट है, और दबाव की भावना होने के बावजूद, मैं चुनौती को लेकर उत्साहित हूं। मैं कुछ समय तक भारतीय सेटअप का हिस्सा रही हूं, इसलिए मुझे पता है कि जरूरत पड़ने पर कैसे आगे बढ़ना है। मैंने हमेशा नेतृत्व की भूमिकाएँ स्वीकार की हैं, चाहे वह अपने साथियों का मार्गदर्शन करना हो या मैदान पर महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो। हमारी टीम अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से भरी है, इसलिए मुझे उन्हें ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेरा लक्ष्य उदाहरण के साथ नेतृत्व करना और अपनी टीम में सर्वश्रेष्ठ लाना है।

अपनी शादी सहित हालिया व्यक्तिगत मील के पत्थर के बावजूद, नेहा अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने पर केंद्रित है।

उन्होंने कहा, मैं अपने जीवन के दोनों पहलुओं का प्रबंधन वर्षों से करती आ रही हूँ। मेरी शादी से खेल के प्रति मेरा दृष्टिकोण नहीं बदलेगा। मेरे पति अविश्वसनीय रूप से सहायक हैं और समझते हैं कि हॉकी मेरे लिए कितना मायने रखती है। इसलिए, अभी मेरा एकमात्र ध्यान एचआईएल पर है, और मैं इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। एचआईएल नीलामी में, नेहा को 10 लाख रुपये में खरीदा गया, जो खेल में उनके बहुमूल्य योगदान का प्रमाण है। हालाँकि उन्होंने यह तय नहीं किया है कि पैसे का उपयोग कैसे किया जाए, वह युवा एथलीटों के विकास में योगदान देने की उम्मीद करती हैं।

उन्होंने कहा, मैं किसी तरह से वापसी करना चाहती हूं, शायद हॉकी अकादमियों में उन लड़कियों का समर्थन करके, जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

बिहार के राजगीर में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी जीत से ताज़ा, नेहा एचआईएल में वही आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प ला रही हैं।

उन्होंने कहा, घरेलू दर्शकों के सामने खेलना हमेशा विशेष होता है। प्रशंसकों की ऊर्जा और समर्थन ने राजगीर में हमारी सफलता में एक बड़ी भूमिका निभाई और मैं एचआईएल में भी इसी तरह के माहौल की उम्मीद कर रही हूं। एक केंद्रीय मिडफील्डर के रूप में, मेरा उद्देश्य आक्रमण और रक्षा दोनों का समर्थन करना और हर पहलू में अपनी टीम की मदद करना है।

संपादकीय

डल झील से डलहौजी

अपने संघर्ष अपनी ही नीतियों से हों, तो वक्त में खोया अवसर बहुत पीछे रह जाता है। हिमाचल की राजनीतिक दृष्टि के कारण राज्य स्तरीय अहमियत के टुकड़े बंटकर कई ऐसे अवसरों को बर्बाद कर चुके, वरना जो हमारी समृद्धि, गौरव व आर्थिकी के चिराग होते। कई ऐसे शिलालेख, शिलान्यासों की पट्टिकाएं, अधूरी इमारतों के खंडहर, योजनाओं के दस्तावेज और घोषणाओं के पन्ने मिल जाएंगे, जहां हिमाचल आज भी अपनी बेचारगी का मातम मनाता है। यही आश्चर्यबोध उस समय होता है जब किसी शहर की प्यास में हमारी जलापूर्ति सूख जाती है और यह वर्तमान परिस्थितियों में शिमला से लेकर धर्मशाला या किसी अन्य शहर की वास्तविकता में दर्ज हो रहा है। हम विद्युत उत्पादक राज्य होने के बावजूद अगर आपूर्ति में सक्षम नहीं हैं, तो यह विकास मॉडल का कसूर है। बेशक हर सरकार ने तराने बदले, लेकिन सुशासन का संगीत हमारी कार्यसंस्कृति की गवाही नहीं दे पाया। अस्पताल बढ़ गए और उनके दर्जे मेडिकल कालेजों तक पहुंच गए, लेकिन मरीज को यह विश्वास नहीं कि जीवन बचाने के लिए कहां पांव रखे। दरअसल आधारभूत मेडिकल चेकअप या तो इमरजेंसी सेवाओं में भ्रमित है या विशेषज्ञों की जमात के विश्लेषण कसूरवार हैं, नतीजतन हमारी स्वास्थ्य सेवाएं रोजाना पीजीआई, दिल्ली के एम्स, या चंडीगढ़-लुधियाना के अस्पतालों के पास पहुंच कर असफल घोषित हो रही हैं। अस्पतालों में मरने वाले मरीज सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि मुकाबला है कि कौन प्रदेश में मरा और कौन प्रदेश से बाहर निकल कर बच गया। उसे बढिया अस्पताल नहीं बचाते, बल्कि बढिया निरीक्षण-परीक्षण और चिकित्सकीय सरोकार बचाते हैं। खैर यह विवाद का विषय है कि हिमाचल का एम्स बिलासपुर में किस आधार का परिचायक है या चंबा मेडिकल कालेज को चलाने के लिए टीएमसी का कितना उधार है। हिमाचल की व्यापकता में हर विभाग को राज्य का मानचित्र बनाना होगा ताकि स्थानीयवाद के चक्करों में धन व अवसर बर्बाद न हो। सरकारी होटलों पर छाई मंदी और मायूसी प्रमाणित करती है कि हमने धन और अवसर गंवाए। सरकारी बसों से आगे निकलती निजी बसों की कहानी बताती है कि धन और अवसर का सदुपयोग क्या होता है। धन और अवसर के सदुपयोग के चिंतन-मनन पर अगर तर्कशील मार्ग प्रशस्त किया जाए, तो प्रदेश के बजट की महक अलग होगी, प्राथमिकताएं अलग होंगी। विकास को अब विरासत के रूप में लेना होगा यानी अतीत के स्तंभों की रक्षा तथा उनको समयानुसार सुदृढ़ करने की अभिलाषा पैदा करनी होगी। तात्पर्य यह कि हिमाचल के पहले मुख्यमंत्री वाईएस परमार और उसके बाद वीरभद्र सिंह, शांता कुमार, प्रेम कुमार धूमल व जयराम ठाकुर के विकास मानचित्र को फिर से रेखांकित करना होगा। मसलन वाईएस परमार ने वानिकी विश्वविद्यालय के नींव पत्थर खोजे तो हम बागबानी राज्य बनने से कहां चूक गए। वीरभद्र सिंह ने नए व पुराने हिमाचल को जोडऩे के लिए शीतकालीन प्रवास का पुल बनाया, तो राजनीति पुलकित क्यों नहीं हुई। प्रेम कुमार धूमल ने सडक़ों के जरिए आर्थिकी का अलाव जलाया या पोलिथीन मुक्त राज्य का सफर शुरू किया, तो आज इन रास्तों से धूल कौन हटाएगा। जयराम ने निजी निवेश के परचम तले जमीन खोजी या डबल इंजन सरकार के पैगाम दिए, तो आज केंद्र से हिमाचली अधिकारों की बात पर भाजपा खामोश क्यों है। क्यों पर्यटन परियोजनाओं की अंतरराष्ट्रीय फंडिंग से हिमाचल को बाहर रहना पड़ रहा है। मुख्यमंत्रियों की पांत से अलग अपनी कडक़ सुशासन शैली के प्रतीक शांता कुमार से क्यों अलग राजनीतिक पोषण में सरकारें अब गारंटियां बांटने लगी हैं। मुकाबले बदल गए, सिंहासन बदल गए, लेकिन आर्थिक विषयों की पड़ताल नहीं बदली। कमोबेश मुख्यमंत्री सुक्खू के लहजे में कई मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री मोदी के अक्स निकलते हैं, फिर भी हिमाचल के संदर्भ में कड़े फैसलों के कारण वह शांता कुमार के युग की याद दिलाते हैं।

> हिमाचल की राजनीतिक दृष्टि के कारण राज्य स्तरीय अहमियत के टुकड़े बंटकर कई ऐसे अवसरों को बर्बाद कर चुके, वरना जो हमारी समृद्धि, गौरव व आर्थिकी के चिराग होते। कई ऐसे शिलालेख, शिलान्यासों की पट्टिकाएं, अधूरी इमारतों के खंडहर, योजनाओं के दस्तावेज और घोषणाओं के पन्ने मिल जाएंगे, जहां हिमाचल आज भी अपनी बेचारगी का मातम मनाता है। यही आश्चर्यबोध उस समय होता है जब किसी शहर की प्यास में हमारी जलापूर्ति सूख जाती है और यह वर्तमान परिस्थितियों में शिमला से लेकर धर्मशाला या किसी अन्य शहर की वास्तविकता में दर्ज हो रहा है। हम विद्युत उत्पादक राज्य होने के बावजूद अगर आपूर्ति में सक्षम नहीं हैं, तो यह विकास मॉडल का कसूर है। बेशक हर सरकार ने तराने बदले, लेकिन सुशासन का संगीत हमारी कार्यसंस्कृति की गवाही नहीं दे पाया।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित औसत मुद्रा स्फीति के अनुमान को 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया

ब्याज दरों में अब कमी होनी ही चाहिए

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकांत दास ने अपने वर्तमान कार्यकाल का अंतिम मुद्रा नीति वक्तव्य (मोनेटरी पॉलिसी स्टेट्मेंट) दिनांक 06 दिसम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे जारी किया है। इस मुद्रा नीति वक्तव्य में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं करते हुए इसे पिछले 22 माह से (अर्थात 11 मुद्रा नीति वक्तव्यों से) 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। यह संभवतः भारतीय रिजर्व बैंक के इतिहास में सबसे अधिक समय तक स्थिर रहने वाली रेपो दर है। इस बढ़ी हुई रेपो दर का भारत के आर्थिक विकास पर अब विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर घटकर 5.4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रत्येक दो माह के अंतराल पर मुद्रा नीति वक्तव्य जारी किया जाता है, परंतु पिछले 11 मुद्रा नीति वक्तव्यों में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है। जबकि, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर कुछ समय तक तो लगातार 6 प्रतिशत के सहनीय स्तर से नीचे बनी रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित औसत मुद्रा स्फीति के अनुमान को 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया है। इसका आश्य यह है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर संभवतः वित्तीय वर्ष 2024-25 की तृतीय तिमाही में भी अधिक बनी रह सकती है। इसके पीछे खाद्य पदार्थों (विशेष रूप से फल एवं सब्जियों) की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि, एक मुख्य कारण जिम्मेदार हो सकता है। परंतु, क्या ब्याज दरों में वृद्धि कर खाद्य पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित किया जा सकता है? उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर को आंकने में खाद्य पदार्थों का भार लगभग 40 प्रतिशत है। यदि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति में से खाद्य पदार्थों के भार को अलग कर दिया जाय तो यह आंकलन बनता है कि कोर पदार्थों की मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में बनी हुई है। खाद्य पदार्थों की कीमतों को बाजार में फलों एवं सब्जियों की आपूर्ति बढ़ाकर ही नियंत्रित किया जा सकता है, न कि ब्याज दरों में वृद्धि कर। इस वर्ष मानसून का पूरे देश में विस्तार ठीक तरह से नहीं रहा है, कुछ क्षेत्रों में बारिश की मात्रा अत्यधिक रही है एवं कुछ क्षेत्रों बारिश की मात्रा बहुत कम रही है, जिसका प्रभाव खाद्य पदार्थों की उत्पादकता पर भी विपरीत रूप से पड़ा है, जिससे अंततः खाद्य पदार्थों की कीमतों में उच्छाल देखा गया है। बाद के समय में, अच्छे मानसून के पश्चात भारत में आने वाली रबी मौसम की फसल बहुत अच्छी मात्रा में आने की सम्भावना है क्योंकि न केवल फसल के कुल रकबे में वृद्धि दर्ज हुई है बल्कि पानी की पर्याप्त उपलब्धता के चलते फसल की उत्पादकता में भी वृद्धि होने की पर्याप्त सम्भावना है। इन कारकों के चलते आगे आने वाले समय में खाद्य पदार्थों की एवं उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर निश्चित ही नियंत्रण के रहने की सम्भावना है। इससे, निश्चित ही रेपो दर को कम करने की स्थिति निर्मित होती हुई दिखाई दे रही है। साथ ही, अमेरिका सहित यूरोप के विभिन्न देशों में भी ब्याज दरों को लगातार कम करने का चक्र प्रारम्भ हो चुका है, जिसका प्रभाव विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। दूसरी ओर, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। क्योंकि, यह वृद्धि दर द्वितीय तिमाही में घटकर 5.4 प्रतिशत की रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के कम रहने के कई विशेष कारण रहे हैं। देश में लोकसभा चुनाव के चलते केंद्र सरकार को अपने पूंजीगत खर्चों एवं सामान्य खर्चों में भारी कमी करना पड़ी थी। इसके बाद विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनावों के चलते इन राज्यों द्वारा किए जाने वाले सामान्य खर्चों में अतुलनीय कमी की गई थी। जिससे अंततः नागरिकों के हाथों में खर्च करने लायक राशि में भारी कमी हो गई। दूसरे, इस वर्ष भारत में मानसून भी अनियंत्रित सा रहा है जिससे कृषि क्षेत्र में उत्पादन प्रभावित हुआ एवं ग्रामीण इलाकों में नागरिकों की आय में कमी हो गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों में अस्थिरता बनी रही, जिसके कारण भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात प्रभावित हुए। इस अवधि में विनिर्माण के क्षेत्र एवं माइनिंग के क्षेत्र में उत्पादन भी तुलनात्मक रूप से कम रहा। उक्त कारकों के चलते भारत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बहुत कम रही है। इस द्वितीय तिमाही में विभिन्न कम्पनियों के वित्तीय परिणाम भी बहुत उत्साहजनक नहीं रहे हैं। इनकी लाभप्रदता में आच्छानुरूप वृद्धि दर्ज नहीं हुई है। कम्पनियों के वित्तीय परिणाम उत्साहजनक नहीं रहने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से सितम्बर, अक्टोबर एवं नवम्बर माह में 1.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि निकाली है। जिससे भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी सूचकांक में 3000 से अधिक अंकों की गिरावट दर्ज हुई है, निफ्टी सूचकांक अपने उच्चत्तम स्तर 26,400 से गिरकर 23,200 अंकों तक नीचे आ गया था। हालांकि अब यह पुनः बढ़कर 24,700 अंकों पर आ गया है और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक बार पुनः भारतीय शेयर बाजार पर अपना भरोसा जताते हुए अपने निवेश में वृद्धि करना शुरू कर दिया है। अब देश में कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में विधान सभा चुनावों एवं लोक सभा चुनाव के सम्पन्न होने के बाद केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा अपने पूंजीगत खर्चों एवं सामान्य खर्चों में वृद्धि की जाएगी। साथ ही, भारत में त्यौहारी मौसम एवं शादियों के मौसम में भारतीय नागरिकों के खर्चों में अपार वृद्धि होने की सम्भावना है। त्यौहारी एवं शादियों का मौसम भी नवम्बर एवं दिसम्बर 2024 माह में प्रारम्भ हो चुका है। एक अनुमान के अनुसार नवम्बर माह में मनाए गए दीपावली एवं अन्य त्यौहारों पर भारतीय नागरिकों ने लगभग 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का व्यय किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के जनवरी 2025 माह (13 जनवरी) में प्रयागराज में कुंभ मेला भी प्रारम्भ होने जा रहा है जो फरवरी 2025 माह (26 फरवरी) तक चलेगा। यह कुम्भ मेला प्रत्येक 12 वर्षों में एक बार प्रयागराज में लगता है। एक अनुमान के अनुसार इस कुम्भ मेले में प्रतिदिन एक करोड़ नागरिक पहुंच सकते हैं। इससे देश में धार्मिक पर्यटन में भी अपार वृद्धि होगी।

> भारतीय रिजर्व बैंक के इतिहास में सबसे अधिक समय तक स्थिर रहने वाली रेपो दर है। इस बढ़ी हुई रेपो दर का भारत के आर्थिक विकास पर अब विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर घटकर 5 .4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रत्येक दो माह के अंतराल पर मुद्रा नीति वक्तव्य जारी किया जाता है, परंतु पिछले 11 मुद्रा नीति वक्तव्यों में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया

दृष्टि कोण

दुनिया में भारत की बढ़ती अहमियत

यकीनन दुनिया में भारत की आर्थिक अहमियत बढऩे के एक के बाद एक नए-नए परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहे हैं। पिछले माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 से 21 नवंबर तक ब्राजील, नाइजीरिया और गुयाना के पांच दिवसीय दौरे के दौरान जहां जी-20 शिखर सम्मेलन में भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता विषय पर प्रभावी संबोधन दिया, वहीं नाइजीरिया और गुयाना पहुंचकर इन देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की सार्थक वार्ताएं की। यह भी महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, ब्राजील, सिंगापुर, इंडोनेशिया, पुर्तगाल, नॉर्वे और स्पेन समेत कई देशों के नेताओं के साथ की गई 31 द्विपक्षीय और अनौचारिक वार्ताओं में भारत का रणनीतिक महत्व उभरकर दिखाई दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के वैश्विक व्यापार और निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर विदेश दौरों में द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की रणनीति लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। खास तौर से पिछले छह महीनों में इस रणनीति से द्विपक्षीय व्यापार के अच्छे अध्याय दिखाई दिए हैं। गत 13 से 15 जून को इटली में विकसित देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में विशेष आमंत्रित देश के रूप में भारत की अहमियत दिखाई दी है। इस मौके पर सम्मेलन में शामिल प्रमुख देशों के राष्ट्र प्रमुखों के साथ भारत की द्विपक्षीय वार्ताएं लाभप्रद रही हैं। रत के लिए सबसे ठोस लाभ जी-7 की उस प्रतिबद्धता से उपजा, जिसमें कहा गया कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को बढ़ावा दिया जाएगा। इस गलियारे के निर्माण की घोषणा गत वर्ष 2023 में भारत में जी-20 शिखर बैठक के समय की गई थी। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि गत 9 जुलाई को 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में मास्को में भारत और रूस के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण श्रृंखला की समीक्षा के बाद भारत और रूस ने द्विपक्षीय कारोबार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने, व्यापार में संतुलन लाने, गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं को दूर करने और यूरेशियन आर्थिक संघ (ईएईयू)-भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र की संभावनाएं तलाशने का लक्ष्य रखा है। दोनों देशों ने राष्ट्रीय मुद्रा का इस्तेमाल कर एक द्विपक्षीय निपटान प्रणाली स्थापित करने और पारस्परिक निपटान प्रक्रिया में डिजिटल वित्तीय उपकरणों को लाने की योजना बनाने की बात कही है। यह बात महत्वपूर्ण है कि मोदी ने जहां 21 सितंबर को अमेरिका में आयोजित क्वाड लीडर्स सम्मेलन में भाग लेकर इस संगठन की भारत के लिए उपयोगिता बढ़ाई, वहीं 22 सितंबर को न्यूयार्क में मोदी और जो बाइडेन के बीच हुई बातचीत में कोलकाता में एक सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने का करार हुआ है। इसी प्रकार 10 अक्टूबर को लाओस के वियनतियाने में आयोजित आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रमकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी व सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे। उल्लेखनीय है कि रूस के कजान में 22 से 24 अक्टूबर तक आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का भारत ने रणनीतिक लाभ लिया। भारत और चीन के बीच पांच साल बाद अहम द्विपक्षीय वार्ता हुई। मोदी ने इस वार्ता के बाद कहा कि भारत और चीन के बीच संबंध महत्वपूर्ण हैं। निःसंदेह दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा और भारत का रणनीतिक महत्व लगातार बढ़ रहा है। 22 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मनी के स्टटगार्ट में आयोजित 'न्यूज-9 ग्लोबल समिट' को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा कि पूरी दुनिया भारत के रणनीतिक महत्व को स्वीकार कर रही है और यह पिछले 10 वर्षों में अपनाए गए 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' मंत्र के कारण संभव हुआ है। 21वीं सदी में तीव्र विकास के लिए भारत में प्रगतिशील और स्थिर नीति-निर्माण की व्यवस्था लाई गई, लालफीताशाही हटाई गई।

कुछ अलग

बेघरों का बसेरा

कोई भी ऋतु हो, जब भी मौसम का चरम नजर आता है गरीब को इससे मार खानी पड़ती है। जब ठंड आती है तो शीतलहर से गरीब मरता है। बारिश होती है तो निचले इलाके में रहने वाले गरीब बाढ़ का शिकार होते हैं। गर्मी होती है तो वे लू से मारे जाते हैं। साधनविहीन लोग ही मौसम के चरम का शिकार होते हैं। कायदे से मौसम नहीं, गरीबी मारती है। लेकिन सवाल उठता है कि जनकल्याण के सिद्धांतों पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्या सत्ताधीशों का दायित्व नहीं बनता कि वे राजनीतिक तमाशों से इतर अपनी जनता का ध्यान रखें? एक समय था कि राजा-महाराजा अपनी प्रजा का खुद ख्याल रखते थे। चौराहों पर अलाव जलाने की व्यवस्था होती थी। संवेदनशील राजा बाकायदा वेष बदलकर प्रजा के दुख-दर्द जानने निकलते थे। लेकिन ज्यों-ज्यों लोकतंत्र शिक्षित-विकसित होता गया, सत्ताधीशों की संवदेनशीलता कुंद होती चली गई। तभी शीत ऋतु की दस्तक के साथ ही अदालतों को सरकारों को अपना मूलभूत दायित्व याद दिलाना पड़ता है। बीते वीरवार को भी देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली के शहरी आश्रय बोर्ड यानी डीएएसआईबी को तलब किया कि दिल्ली में फिलहाल कितने आश्रयगृह हैं और वहां कितने लोगों को ठहराया जा सकता है। साथ ही आंकड़ा देने को कहा कि कितने लोग ऐसे हैं जिन्हें आश्रय की जरूरत है। निश्चित रूप से कड़ाके की ठंड में बीमार, लावारिस और मानसिक रूप से परेशान लोगों को संरक्षण देना प्रथम मानवीय कर्तव्य है। वैसे, अदालत की यह बात तो दिल्ली को लेकर है, लेकिन ऐसे प्रयास पूरे देश में होने चाहिए। कहने को तो राज्यों में स्थानीय निकाय भी रैन बसेरे तैयार करते हैं। लेकिन वे न तो पर्याप्त होते हैं और न ही उनमें पूरी सुविधाएं होती है। रैन बसेरे बना भी लिए जाएं तो वहां सफाई का खास ध्यान नहीं रखा जाता। नशेड़ियों और अपराधियों की सक्रियता से बेसहारा लोग यहां आने से कतराते हैं। निश्चित रूप से रेन बसेरे बनाया जाना सार्थक कदम है, लेकिन उनमें सुविधाओं, सुरक्षा और सफाई को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाना चाहिए। इन्हें गंदगी, अराजकता व असुरक्षा से बचाने के लिये स्वयं सेवी संगठनों की सक्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कायदे से ये दायित्व सरकारी एजेंसियों का होना चाहिए, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आता। दरअसल, केंद्र व राज्य सरकारों को निराश्रित लोगों के लिए मौसम के चरम आने पर एक स्थायी ढांचा उपलब्ध कराना चाहिए। जिसे तुरत-फुरत तैयार करके बेसहारा लोगों के लिये उपलब्ध कराया जाए। यूं तो देश में सामाजिक, व धार्मिक संगठन भी रेन बसेरा बनाते हैं,लेकिन यह सिर्फ खबरों की सुर्खियों में आने का जरिया मात्र नहीं होना चाहिए। यह सही मायनों में बेघरों का आश्रय होना चाहिए। साथ ही इनकी सुविधाओं की निगरानी निरंतर होनी चाहिए। दरअसल, इनके उद्‌घाटन समारोहों का जिस जोर-शोर से प्रचार किया जाता है, वैसा ध्यान इनके निरंतर सुचारु रूप से संचालन में नहीं होता। आज हर घर में ठंड से बचाव का अतिरिक्त सामान होता है। ऐसे ही हर व्यक्ति को मानवता के नाते जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

देश दुनिया से

बहुभाषी समाज से भारतीय एकता होगी सुदृढ़

वैश्वीकरण और प्रतियोगी दौर में विश्व के हर नागरिक को बहुभाषी होना जरूरी है। बहुभाषायी समाज केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि एक ऐसा ढांचा है जो मानवता को विविधता, समरसता और प्रगति के रास्ते पर ले जाता है। इसे बनाए रखना और बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है। समय-समय पर बहुत से देशों ने विविधता के कारण भाषा उत्सव मनाए हैं। एक भाषा उत्सव दुनिया भर के विभिन्न देशों के संगठनों द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाषाओं और संस्कृतियों में रुचि रखने वाले लोगों को दुनिया की भाषाओं के बारे में पढ़ाना और जानकारी प्रदान करना और भाषा की समृद्धि और विविधता को दिखाना है। भाषा उत्सवों का उद्देश्य यह भी है कि दुनिया की सभी भाषाएं समान रूप से महत्वपूर्ण और मूल्यवान हैं, और कोई छोटी और बड़ी भाषाएं नहीं होनी चाहिए। सबका अपनी जगह औचित्य है। एक भारत श्रेष्ठ भारत, आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत भारतीय भाषा उत्सव की शुरुआत की गई। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भाषा सीखने को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष 'भाषा के माध्यम से एकता' थीम के साथ 4 दिसंबर से 11 दिसंबर, 2024 तक भारतीय भाषा उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान, भारतीय भाषा उत्सव के भव्य समापन के लिए गति तैयार करने के लिए गतिविधियों को सभी स्तरों पर आयोजित किया जाना है, यानी स्कूल, बीआरसी/सीआरसी/पंचायत, जिले (डीआईईटी सहित) राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर। 11 दिसंबर को महान राष्ट्रवादी तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती की जन्म जयंती है, जो तमिलनाडु में स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक 'महाकवि भारती' के नाम से लोकप्रिय थे। भारतवर्ष में अनेकों पंथ और अनेकों भाषा के लोग निवास करते हैं। भारत में विविधता में एकता है। हिंदी, मराठी, गुजराती, पंजाबी, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, गुजराती इत्यादि भाषाएं भारत में बोली जाती हैं। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए तथा उनका विकास करने के लिए सार्थक वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से भारतीय भाषा महोत्सव मनाया जा रहा है। भारतीय भाषा महोत्सव को मनाने का सुझाव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिया गया। भारतीय भाषाओं को सद्भावनापूर्वक बढ़ावा देना इसका मुख्य उद्देश्य है। शिक्षण संस्थानों को 11 दिसंबर को भारतीय भाषा दिवस मनाने का सुझाव तथा इससे संबंधित निर्देश दिए गए हैं। भारतीय भाषा दिवस महान तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती पर मनाया जाता है। सुब्रमण्यम भारती बहुभाषायी थे। उन्हें कई भाषाओं का ज्ञान था। भारत के एक महान कवि तथा स्वतंत्र सेनानी थे। सुब्रमण्यम भारती को तमिल भाषा का अग्रदूत कहा जाता है। हालांकि संविधान की आठवीं अनुसूची में भारत की 22 भाषाएं शामिल हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार हिंदी हमारे देश की राजभाषा है। इस अनुच्छेद में यह व्यवस्था है कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। इस तरह यह द्वंद्व हमेशा रहता था कि भारत में बड़ी मात्रा में हिंदी बोली जाती है, बल्कि दक्षिण भारत लोग इससे परहेज रखते थे। इसी दूरी को पाटने का काम तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती जी ने किया और यह संदेश दिया कि इनसानियत और आत्मीय गठजोड़ को और प्रगाढ़ करने के लिए बहुभाषीय होना अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षण संस्थान में भाषा सद्भावना को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों को विविध भाषा के महत्व तथा उनके बीच में जागरूकता निर्माण करना है। बहुभाषीय होने से एक अच्छी साहित्यिक समझ भी उत्पन्न हुई है। साहित्यिक बहुभाषावाद एक अच्छा माध्यम है जिससे विभिन्न ऐतिहासिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक संदर्भों में विभिन्न भाषाओं या भाषा विविधताओं द्वारा उत्पन्न मूल्य निर्णयों को देखा जा सकता है। बहुभाषिक समाज में जिस तरह अन्य क्षेत्रों में संवाद अनुवाद के माध्यम से होता है, उसी तरह साहित्य के क्षेत्र में भी विभिन्न भाषाएं अनुवाद के माध्यम से एक-दूसरे के निकट आती हैं। पंजाबी, बांग्ला, कन्नड़, उडिया, तमिल, तेलुगु, मराठी आदि कवियों और लेखकों की रचनाएं हम अक्सर अपनी भाषा में पढ़ते हैं, उनका आस्वाद अपनी भाषा के माध्यम से लेते हैं। विशाल विविधता वाला हमारा देश हमेशा भाषा के रंग में एकता के सूत्र में पिरोने का काम भी करता है। बहुभाषीय होने के कारण मनुष्य हमेशा अधिगमकर्ता बना रहता है। हमेशा दूसरी संस्कृति को जानना, उसके साथ संवेगात्मक रिश्ता भी निभाता है। आज बहुभाषीय होने से विश्व पटल पर साहित्य की समझ और परख भी होती है। भारतीय भाषा महोत्सव के अंतर्गत उच्च शिक्षण संस्थानों में विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के द्वारा छात्रों को विविध भाषा का ज्ञान मिल सके और अन्य भाषाओं में छात्रों की रुचि बढ़ाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। अपनी मातृभाषा में महारत हासिल करने के अलावा अन्य भाषा का ज्ञान प्राप्त करने के लिए यह कार्यक्रम प्रेरित करता है। अपनी मातृभाषा के अलावा अन्य भाषा का सम्मान करना, उसमें रुचि पैदा करना, उसे सीखना, प्यार करना, समझना, यह इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। इस तरह के कार्यक्रम के तहत हम पड़ोसी राज्य की भाषाएं लिखकर उसका लुत्फ उठा सकते हैं। भारतीय भाषा को महत्व देने का एक योग्य मार्ग है। आने वाले समय में शिक्षण संस्थानों में इस तरह के कार्यक्रम से भारत में विविधता में एकता बनाए रखने के लिए तथा बहुभाषी समाज की स्थापना करने के लिए यह कार्यक्रम अति उत्तम है। सभी नागरिकों को एक से ज्यादा भाषाएं सीखनी चाहिए, ताकि समाज में संवाद मजबूत हो।

> बहुभाषायी समाज केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि एक ऐसा ढांचा है जो मानवता को विविधता, समरसता और प्रगति के रास्ते पर ले जाता है। इसे बनाए रखना और बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है। समय-समय पर बहुत से देशों ने विविधता के कारण भाषा उत्सव मनाए हैं। एक भाषा उत्सव दुनिया भर के विभिन्न देशों के संगठनों द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाषाओं और संस्कृतियों में रुचि रखने वाले लोगों को दुनिया की भाषाओं के बारे में पढ़ाना और जानकारी प्रदान करना और भाषा की समृद्धि और विविधता को दिखाना है।

आप का नजरिया

राज्यसभा में 500 के नोट

संसद में यह क्या हो रहा है? हमें 2008 का वह दौर याद आता है, जब भारत-अमरीका परमाणु करार के कारण वामदलों ने यूपीए सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार अल्पमत में आ गई थी, लिहाजा नए सिरे से विश्वास-मत हासिल करना था। तभी एक दिन लंच के बाद लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई थी कि भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने एक बैग खोला और नोटों की गड्डियां बिखेर दीं। सदन एकदम स्तब्ध हो गया। हम प्रेस-दीर्घा में बैठे हैरान हो गए, क्योंकि उससे पहले कभी भी ऐसी घटना नहीं देखी थी। भाजपा के तीन सांसदों ने आरोप लगाए थे कि सरकार के पक्ष में वोट देने के लिए उन्हें एक करोड़ रुपए की घूस दी गई है। किसने वह घूस दी? उस खेल का रणनीतिकार कौन था? घूस की बात किसने की और नकदी किसने दिया? बेशक ऐसे सवाल आज प्रासंगिक नहीं हैं, लेकिन तब सपा नेता अमर सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल सहित कुछ नाम उछले थे। बहरहाल सपा के तत्कालीन 39 सांसदों और अन्य छोटे दलों के सांसदों के समर्थन से मनमोहन सरकार ने विश्वास मत तो हासिल कर लिया था, लेकिन कथित नकदी घूसकांड के सूत्रधारों का क्या हुआ, उन्हें अदालत ने क्या दंड दिया, वह आज तक स्पष्ट नहीं है। मुख्य आरोपित सांसद दिवंगत हो चुके हैं। आज संसद में उस कांड की न तो किसी को चिंता है और न ही वह प्रासंगिक है। वह संदर्भ दोबारा ताजा होकर सामने है, क्योंकि राज्यसभा में सीट 222 पर 500 रुपए के नोट की गड्डी मिली है। यह सीट कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है। उन्होंने साफ किया है कि इस गड्डी का उनसे कोई लेना-देना नहीं है। वह तो सिर्फ 500 रुपए का एक नोट जेब में रखकर सदन आते हैं और उस दिन वह मात्र तीन मिनट के लिए ही संसद में आए थे। चूंकि नोटों की यह गड्डी सुरक्षा कर्मियों की नियमित, रोजाना जांच के दौरान मिली थी, लिहाजा सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सदन को खुलासा किया। यह जानकारी देने को वह बाध्य भी थे। नोट असली थे या नकली थे अथवा उन पर कोई रसायन लगाया गया था, ये स्पष्टीकरण संपूर्ण जांच के बाद ही सार्वजनिक हो सकते हैं। अलबत्ता उचित, नियमानुसार जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। सवाल यह है कि वे 50,000 रुपए सदन के भीतर कहां से आए? संसद परिसर में बैंक शाखा भी है और सांसद, संसदकर्मी वहां जाकर लेन-देन करते रहे हैं। सांसद कितनी नकद राशि लेकर सदन के भीतर जा सकते हैं, इस पर कोई तय नियम-कानून नहीं है। कोई भी सांसद कितनी भी करेंसी अपने साथ लेकर सदन में प्रवेश कर सकता है। बहरहाल 500 रुपए वाले प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच हो रही है। सदन में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को निकाला जा रहा है। उनसे यह स्पष्ट हो सकेगा कि नोटों की गड्डी राज्यसभा में किस तरह आई? इस मुद्दे पर सदन के भीतर सियासी उबाल की स्थिति है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली,09 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये से लेकर 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये से लेकर 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है।

चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

अदाणी समूह राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ का करेगा निवेश, कंपनी पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी

जयपुर। अदाणी समूह ने राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि वह पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी। यह निवेश विभिन्न क्षेत्रों में किया जाएगा जैसे ऊर्जा, हाइड्रोजन और जलविद्युत परियोजनाएं आदि। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस निवेश से राजस्थान में हरित रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी की योजना दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत ऊर्जा परिवेश बनाने की है। यहां हुए राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन में अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों में इस विशाल निवेश की योजना बनाई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि अदाणी समूह की दृष्टि में राजस्थान में उद्यमिता और विकास के लिए अच्छी ख़बरें हैं। इस निवेश से समृद्धि की कविता और विकास की कहानी में नया अध्याय शुरू होने का इन्तजार है। आगामी समय में इस निवेश से राजस्थान को एक नया रूप मिलने के उम्मीद है।

भारत में एफडीआई ने एक नया कीर्तिमान बनाया, 1 ट्रिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली। बढ़ते चीनी टेंशन के मद्देनजर भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 के दौरान एफडीआई प्रवाह ने 1000 अरब डॉलर को पार करके 1033.40 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा भारत को एक वैश्विक निवेशकों के लिए मुख्य निवेश स्थल के रूप में स्थिर रखता है। इस अवधि के दौरान एफडीआई से मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, ब्रिटेन, यूएई, और कई अन्य देशों से निवेश आया। इन निवेशों का मुख्य धारा वाणिज्य, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, आयात-निर्यात, औद्योगिक विकास, ऑटोमोबाइल, रसायनिक उत्पादन, और दवा क्षेत्र में था। इस उच्च वृद्धि के साथ भारत में एफडीआई आगे बढ़ने की उम्मीद है। दुनिया भर में कई बड़ी कंपनियां अपने व्यापार की राह देख भारत को पसंद कर रही हैं। आगे बढ़ते भारत को धीरे-धीरे एफडीआई में सक्रिय होने के संकेत हैं, जिनके पीछे चीन के राजनीतिक सीने में उठाए गए उत्पीड़न का भय का। यह वाणिज्यिक सेवाओं में सुधार, उत्पादक सेक्टर में वृद्धि, और व्यवसायिक पर राष्ट्रीय कारोबार में व्यापारिक आकार में हो सकता है। यह उम्मीद की जा रही है कि दुनिया भर में कंपनियां चीन से हटकर, भारत को अपनी गतिशीलता का लाभ उठाएंगी, जिससे दोनों देशों के बीच एक नए एकांकी निकलेगा। इस तरह के उत्पीड़न से अनुमानित है कि भारत में एफडीआई में और भी प्रगति होगी।

भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ी, 10 साल में संपत्ति तीन गुना बढ़ी, अमेरिका और चीन के बाद भारत का तीसरा स्थान

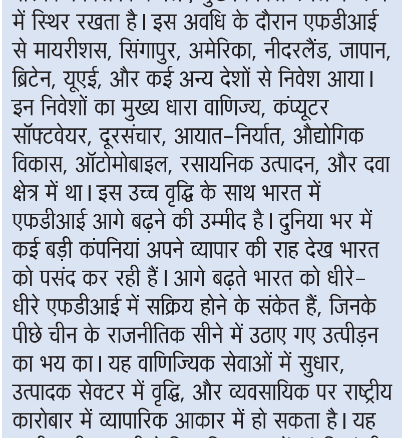

नई दिल्ली । भारत में अरबपतियों की संख्या ने एक और बड़ी ऊंचाई पर छू ली है, जैसे अमेरिका और चीन के बाद यहां अरबपतियों की सबसे अधिक संख्या है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि सालभर में इन धनवानों की दौलत में 42 फीसदी की वृद्धि भी हुई है। अमेरिका स्थित एक रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 32 नए अरबपति इस साल जुड़े हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में नए सफलता के संकेत दर्शाते हैं, दिखाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से उभार की दिशा में अग्रसर हो रही है। टेक सेक्टर में भी अरबपतियों की संपत्ति में भयानक वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे जुड़ी उछाल के पीछे जनरेटिव एआई, साइबर सुरक्षा, फिनटेक और रोबोटिक्स में ग्रोथ और निवेश के माध्यम से दौलत की वृद्धि हुई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नरीमन...

आलोचना करते हुए कहा कि भारत का संविधान न्यायपालिका से स्वतंत्रता और निष्पक्षता की उम्मीद करता है। ओवैसी ने रोहिंटन नरीमन के पागल प्रलाप पर एक शब्द भी नहीं कहा था, जबकि जस्टिस शेखर यादव के वक्तव्य पर ढेर सारे शब्द इस्तेमाल कर डाले। ओवैसी ही नहीं, बल्कि द हिंदू और द कारवां जैसे भारत विरोधी मीडिया संस्थानों ने भी जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ एक्शन की मांग कर डाली। जबकि इन दोगले लोगों ने जस्टिस नरीमन के बेजा और असंवैधानिक वक्तव्य पर शातिराना चुप्पी साधे रखी थी।

कांग्रेस सरकार में देश के सॉलिसिटर जनरल रहे और बाद में सुप्रीम कोर्ट में जज बने रोहिंटन नरीमन ने पिछले दिनों एक लेक्चर के दौरान राम मंदिर पर दिए गए फैसले की कड़ी आलोचना की। यह जानते हुए कि उनकी टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की अवमानना का गंभीर अपराध है। नरीमन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को न्याय का मजाक कहा और उसे सेकुलरिज्म का उल्लंघन करने वाला फैसला करार दिया। नरीमन ने पागल प्रलाप की तरह हिंदुओं को कानून के खिलाफ रहने वाला समुदाय बता दिया और मस्जिदों के खिलाफ याचिका डालने वालों को दैत्य का सिर कह दिया।

रोहिंटन नरीमन ने अपनी यह बेजा और गंदी टिप्पणियां जस्टिस एएम अहमदी मेमोरियल लेक्चर में उजागर कीं। रोहिंटन नरीमन ने कहा कि राम मंदिर का पूरा मसला 1984 में विश्व हिंदू परिषद की राम मंदिर बनाने की तानाशाही और अत्याचारी मांग से चालू हुआ था। नरीमन ने अपने आराध्य देव के पूजास्थल की मांग करने वालों को तानाशाही और अत्याचारी कहा। नरीमन यह भूल गए कि पूजा स्थल की मांग करना अत्याचार था या मंदिर का विध्वंस कर वहां मस्जिद बनाना अत्याचार था? नरीमन को यह भी याद नहीं रहा कि उनके पुरखे पर्शिया से क्यों भागे थे? पर्शिया में इस्लाम का कानून लागू हो गया था, इसलिए पारसी भारत आ गए थे और सैकड़ों साल से अपने धर्म को स्वतंत्रतापूर्वक मान रहे हैं। उन्हें शरण भी इन्हीं तथाकथित अत्याचारी और तानाशाही हिंदुओं ने दी थी। उसी नरीमन ने राम मंदिर के मामले में हिंदुओं को हमेशा कानून के खिलाफ रहने वाला करार दिया। जबकि असल बात यह है कि यदि हिंदू पक्ष कानून के खिलाफ रहता तो बाबरी मस्जिद का ढांचा 6 दिसंबर 1992 तक खड़ा नहीं रह पाता और मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 की प्रतीक्षा नहीं करती। हिंदू पक्ष ने तो इस मामले में अंग्रेज न्यायाधीशों से लेकर जिला अदालत, हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी। हिंदू कानून से मंदिर मांगते रहे और इसी कानून के अनुसार मंदिर बनाया। इस बीच उनके आराध्य को काल्पनिक तक बताया गया।

अगर हिंदू कानून के खिलाफ होते तो आज देश में बहुसंख्यक होने के बाद भी वह कश्मीर से भाग नहीं रहे होते। अगर हिंदू कानून के खिलाफ होते तो काशी मथुरा का मामला कोर्ट में अटका नहीं होता। खैर पीढ़ी दर पीढ़ी वकालत का पेशा अपनाने वाले नरीमन को यह सब कैसे पता होगा। वह तो जन्म से लेकर अब तक उस छद्मी बुलबुले में रहते रहे जिसे अंग्रेजी स्टाइल में लिबरल कहते हैं। नरीमन का कहना है कि फैसले में सेकुलरिज्म का ध्यान नहीं रखा गया। यानी सेकुलरिज्म का ध्यान तब होता जब हिंदू अपना दावा छोड़ कर चुप बैठ जाते। ऐसा कहते समय नरीमन ने अपनी आत्मा में झांक कर यह नहीं पूछा कि उनसे कोई उनके धार्मिक स्थल को छोड़ने को कहे तो उन्हें कैसे लगेगा? तब वे सेकुलरिज्म की दुहाई देंगे या नहीं देंगे?

नरीमन ने बाबरी ढांचा विध्वंस मामले में लालकृष्ण आडवाणी, उमा भारती, साध्वी ऋतम्भरा समेत भाजपा और वीएचपी के नेताओं को बरी किए जाने पर भी दुख जताया और उस जज को लानतें भेजीं, जिसने यह फैसला सुनाया था। उन्होंने कहा कि उस जज को यूपी में एक पद दिया गया, जिसने इन नेताओं को बरी किया था। नरीमन में इतना आत्मबल नहीं कि वह कांग्रेस से पूछे कि बहरुल इस्लाम पहले राज्यसभा का सदस्य बना फिर उसे गुवाहाटी हाईकोर्ट में कैसे जज बना दिया गया? वही आदमी कुछ ही महीने में गुवाहाटी हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस कैसे बना दिया गया?

गरीबी मिटाने...

सैनी की नई सरकार को बने हुए अभी कुछ हफ्ते ही हुए हैं और उनकी प्रशंसा पूरे देश में हो रही है। सरकार बनने के तुरंत बाद जिस तरह यहां बिना पर्ची बिना खर्ची के हजारों युवाओं को पक्की नौकरियां मिली हैं, वह देश ने देखा है। अब यहां डबल इंजन की सरकार डबल रफ्तार से काम कर रही है। चुनाव के दौरान आप सभी माताओं बहनों ने नारा दिया था म्हारा हरियाणा नान स्टॉप हरियाणा। उस नारे को हम सभी ने अपना संकल्प बना दिया है। उसी संकल्प के साथ आज सब के दर्शन के लिए आया हूं।पीएम ने कहा, कुछ साल पहले मुझे यहां पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू करने का सौभाग्य मिला था। इसका सकारात्मक परिणाम हरियाणा के साथ पूरे देश में हुआ। अकेले हरियाणा में इस योजना के तहत हजारों बेटियों का जीवन बचा है। इसी धरती से बीमा सखी योजना का शुभारंभ हुआ है। यानी पानीपत एक प्रकार से नारी शक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है। आज भारत 2047 तक विकसित होने की दिशा में चल रहा है। हमें इसके लिए ऊर्जा के स्रोत चाहिए। इसके लिए हमारा उत्तर भारत ऊर्जा का स्रोत है। ऐसी ही हमारी ऊर्जा की स्रोत नारी शक्ति भी है। वही हमारी प्रेरणा की स्रोत रहने वाली हैं। ये विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार बनेंगी।उन्होंने कहा कि जब नारी को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है तो वह देश के सामने अवसरों के नए द्वार खोल देती है। लंबे समय तक हमारे देश में अनेक ऐसे काम हुए जो महिलाओं के लिए वर्जित हैं। भाजपा ने बेटियों के सामने से हर बाधा को हटाने का काम किया। इसका परिणाम यही है कि सेना में बेटियों की भर्तियां हो रही हैं। फाइटर बन रही हैं। पुलिस में भी महिलाओं की भर्तियां हो रही हैं। कंपनियों को बेटियां संभाल रही हैं। 1200 ऐसे दुग्ध उत्पादक संघ हैं, जिनका नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं।पीएम ने कहा कि आजादी के बाद भी अधिकतर महिलाओं के बैंक खाते नहीं थे, इसलिए हमारी सरकार ने सबसे पहले माताओं-बहनों के जनधन बैंक खाते खुलवाए। आज गर्व है कि तीस करोड़ महिलाओं के बैंक खाते खुल गए। आज जनधन बैंक खाते न होते तो गैस सब्सिडी के पैसे आपके खाते में न आते। उन्होंने कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ नहीं मिल पाता। रेहड़ी लगाने वाली महिलाओं के लिए बैंक के दरवाजे हमेशा बंद रहते हैं। गांव-गांव में बैंकिंग सुविधा पहुंचाने में हमारी बहनों ने भूमिका निभाई है। जिनके बैंक खाते नहीं थे, वह अब बैंक सखी बनने जा रही हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसी लाखों बैंक सखियां आज बैंकों में अपनी सेवाएं दे रही हैं। बीमा सखी योजना के तहत दो लाख महिलाओं को रोजगार देने का लक्ष्य है। दसवीं पास बहनों बेटियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। तीन साल तक आर्थिक मदद की जाएगी। बीमा से जुड़े सेक्टर का डाटा बताता है, हर महीने बीमा एजेंट पंद्रह हजार रुपए कमाता है। इस तरह से देखें तो बीमा सखी साल में पौने दो लाख रुपए कमाएंगी। पीएम ने कहा कि सोशल सिक्योरिटी के लिए, गरीबी को जड़ से मिटाने के लिए बीमा सखी अहम भूमिका निभाएगी। सरकार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना चला रही है। बहुत कम प्रीमियम में दो-दो लाख तक का बीमा कराया जाता है। आज जो लोग बीमा कराने की सोच नहीं सकते थे उनका बीमा हो रहा है। इन योजनाओं के तहत अब तक देश में 20 हजार करोड़ रुपए क्लेम किया जा चुका है।प्रधानमंत्री ने कहा, हमने महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप के जरिए ग्रामीण महिलाओं को जोड़ा है। आज देश की दस करोड़ बहनें ग्रुप में जुड़ी हैं। वह इस ग्रुप के जरिए कमाई कर रही हैं। सरकार ने महिलाओं को आठ लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मदद दी है। आपकी भूमिका असाधारण है, आपका योगदान बहुत बड़ा है। आप ही देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का काम कर रही हैं। मैंने लाल किले से तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने की घोषणा की है। अभी तक एक करोड़ पंद्रह लाख लखपति दीदी बन चुकी हैं। हरियाणा में नमो ड्रोन दीदी की बहुत चर्चा है। हरियाणा चुनाव के दौरान मैंने कुछ इंटरव्यू पढ़े थे, उनमें महिलाओं ने बताया था कि कैसे उन्हें ड्रोन दीदी बनने का अवसर मिला। इससे उनको तीन लाख रुपए की कमाई हुई। यानी एक सीजन में लाखों की कमाई हो रही है। खेती और बहनों का जीवन दोनों बदल रहा है।

यूनुस सरकार...

यानी पंजाबी और टोपी पहनने की वजह से हमला किया गया, जिसके चलते उनके दाहिने हाथ और सिर में गंभीर चोटें आईं। बांग्लादेशी अस्पताल में उनका इलाज किया गया, लेकिन उनकी हालत पर भी चिंता जताई जा रही है।भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी का यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। वह ढाका पहुंच चुके हैं और हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे पर भारत की चिंताओं को उठा सकते हैं। उनके दौरे के दौरान बांग्लादेश के कार्यवाहक विदेश मंत्री मोहम्मद तौहीद हुसैन और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत करने की संभावना है। इसके अलावा, उनके दौरे के दौरान बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात हो सकती है। बांग्लादेश में हिंसा और कट्टरपंथ के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत का यह दौरा एक संकेत है कि भारत किसी भी प्रकार की हिंसा और धर्म के आधार पर अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की घटनाओं पर गंभीर है। वहीं, विक्रम मिसरी का यह दौरा बांग्लादेश सरकार को एक मौका देगा कि वह इन गंभीर मुद्दों पर कार्रवाई करें और हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करें।

सभापति के ...

इसका सह-अध्यक्ष इस सदन का सदस्य है। नड्डा का इशारा सोनिया गांधी की तरफ था। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि एफडीएल-एपी जम्मू कश्मीर को एक अलग इकाई के रूप में देखता है।जब जगदीप धनखड़ ने जानना चाहा कि सत्ता पक्ष के नेता विरोध क्यों कर रहे हैं, तब भाजपा सांसदों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं का जॉर्ज सोरोस से संबंध है। उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा था। भाजपा और एनडीए गठबंधन के सांसदों ने इस मुद्दे पर तुरंत चर्चा की मांग की, जबकि कांग्रेस सदस्यों ने दावा किया कि अडाणी मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए ऐसा किया गया। भाजपा के लक्ष्मीकांत बाजपेयी को शून्यकाल में अपना मुद्दा उठाने का मौका दिया गया और उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर बोलना शुरू किया। जयराम रमेश ने उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जब सभापति के नियम 267 के तहत नोटिस खारिज कर दिया है तो उसमें उल्लिखित मुद्दों को उठाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सांसद दिग्विजय सिंह ने भी धनखड़ पर पक्षपात करने का आरोप लगाया।

पाकिस्तान के...

इसे शत्रु सम्पत्ति घोषित करने का प्रार्थना पत्र आने के बाद जांच कराई गई और रिपोर्ट को दिल्ली स्थित शत्रु सम्पत्ति न्यायाधिकरण को भेज दी गई। इसके बाद न्यायाधीकरण की टीम जांच जाकर जांच की और दोनों पक्षों को सुना। जांच में यह भी पाया गया कि इस जमीन पर हाल ही में एक होटल बनाया गया था। बाद में उस होटल को मस्जिद और दुकानों में तब्दील कर दिया गया। तमाम सबूतों की जांच एवं सभी पक्षों की गवाही के आधार पर न्यायाधिकरण पाया कि यह जमीन 1947 से शत्रु सम्पत्ति है। इसके बाद इसे शत्रु सम्पत्ति घोषित कर दिया गया है।ऐसे लोग जो देश के विभाजन के समय या फिर 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के बाद चीन या पाकिस्तान जाकर बस गए और वहां की नागरिकता ले ली। ऐसे लोगों की सम्पत्ति को भारत सरकार भारत के रक्षा अधिनियम 1962 के तहत उनकी सम्पत्ति को ज़ब्त कर सकती है। ऐसी सम्पत्ति के लिए अभिरक्षक या संरक्षक (कस्टोडियन) नियुक्त कर सकती है। देश छोड़कर जाने वाले ऐसे लोगों की भारत में मौजूद सम्पत्ति शत्रु सम्पत्ति कहलाती है। 10 जनवरी 1966 के ताशकंद घोषणा में एक खंड को शामिल किया गया, जिसमें कहा गया था कि भारत और पाकिस्तान युद्ध के बाद दोनों ओर से कब्ज़े में ली गई सम्पत्ति और उसकी वापसी पर चर्चा की जाएगी। पाकिस्तान सरकार द्वारा साल 1971 में ही अपने देश में मौजूद सभी सम्पत्तियों का निपटारा किया जा चुका है। ताशकंद घोषणा के बाद भारत सरकार ने शत्रु सम्पत्ति अधिनियम 1968 बनाया। इस अधिनियम के अनुसार कोई भी व्यक्ति जो भारत में शत्रु सम्पत्ति के कस्टोडियन के रूप में नियुक्त है, केंद्र सरकार उस कस्टोडियन/संरक्षक के माध्यम से देश के राज्यों में फैली दुश्मन की सम्पत्तियों को अपने कब्जे में ले लेगी। यह शत्रु सम्पत्ति संरक्षक (कस्टोडियन ऑफ एनिमी प्रोपर्टी फॉर इंडिया - सीईपीआई) के पास रहेगी। सीईपीआई गृह मंत्रालय के अधीन एक विभाग है, जिसका गठन वर्ष 1965 के भारत-पाक युद्ध और 1962 और 1967 में हुए दो भारत-चीन युद्धों के बाद हुआ था। सीईपीआई के माध्यम से केंद्र सरकार देश के राज्यों में फैली शत्रु सम्पत्तियों पर निगरानी एवं कब्जा रखती है। इनमें अधिकांश सम्पत्तियां पाकिस्तान जाने वाले नवाबों की एवं अन्य लोगों की हैं।साल 2017 में मोदी सरकार ने शत्रु सम्पत्ति कानून को और कठोर करने के उद्देश्य से शत्रु सम्पत्ति (संशोधन और सत्यापन) विधेयक 2016 पारित किया। इसमें शत्रु सम्पत्ति अधिनियम 1968 और सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत व्यवसायियों का निष्कासन) अधिनियम 1971 में संशोधन किया गया। यह कानून सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ लाया गया था। साल 2005 में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में कहा था कि शत्रु सम्पत्ति का संरक्षक ट्रस्टी के रूप में सम्पत्ति का प्रबंधन कर रहा है और शत्रु उसका कानूनी मालिक बना हुआ है। इसलिए, शत्रु की मृत्यु के बाद शत्रु सम्पत्ति उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को विरासत में मिलनी चाहिए। साल 2017 के संशोधन में शत्रु आश्रित और शत्रु फर्म का विस्तार करते हुए इसमें शत्रु के उत्तराधिकारियों को भी शामिल किया गया है, चाहे वह भारत का हो या ऐसे देश का नागरिक होना चाहिए, जो भारत का शत्रु नहीं है।नए संशोधन विधेयक में कस्टोडियन (भारत सरकार की सीईपीआई) को शत्रु सम्पत्ति का मालिक बना दिया गया। इसे 1968 से ही प्रभावी भी माना गया। इसके अलावा, शत्रु सम्पत्ति की अब तक हुई बिक्री ग़ैर-क़ानूनी घोषित कर दी गई। भारतीय नागरिक विरासत में शत्रु सम्पत्ति दूसरे को नहीं दे सकते। इसके साथ ही दीवानी अदालतों को कई मामलों में शत्रु सम्पत्ति से जुड़े मुकदमे पर सुनवाई से रोक दिया। सीईपीआई के मुताबिक, देश भर में कुल 13,252 शत्रु सम्पत्तियां हैं। इसमें 12,485 सम्पत्तियां पाकिस्तान के नागरिकों की हैं, जबकि 126 चीनी नागरिकों की हैं। अगर राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा 6255 एनिमी प्रॉपर्टी उत्तर प्रदेश में हैं। वहीं, बंगाल में ऐसी 4088 प्रॉपर्टी हैं। इनकी कीमत 1,04,339 करोड़ रुपए से अधिक है।

सुप्रीम कोर्ट ने...

बिना कारण बताए छीनने का पश्चिम बंगाल सरकार को कोई अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अपनाई गई प्रक्रिया पर भी प्रश्न खड़े किए हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि पीड़ित व्यक्ति को बिना कोई मौका दिए ही मात्र एक पुलिसिया रिपोर्ट के आधार पर उसकी नौकरी छीन ली गई, जो कि कानूनन ठीक नहीं हैं। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आर महादेवन और जस्टिस जेके माहेश्वरी की बेंच ने दिया है।यह मामला हरिनंद दत्ता की तरफ से दायर किया गया था। दत्ता ने बताया कि 1969 में वह अपने पिता के साथ पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से भारत आए थे। उस दौरान पूर्वी पाकिस्तान में फ़ौज बंगालियों और विशेषकर हिंदुओं पर अत्याचार कर रही थी। दत्ता ने बताया कि भारत आने पर उनके पिता को एक प्रवासी प्रमाण पत्र मिला था, जिसमें उनका भी नाम था। इसके बाद उनका वोटर आईडी कार्ड, राशन कार्ड और बाकी कागज भी बने। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता में अपनी मेडिकल की पढ़ाई पूरी की और 1985 में उन्हें स्वास्थ्य विभाग में नौकरी मिल गई। वह यह नौकरी लगातार करते रहे। उनको इस नौकरी के साथ ही वेतन भत्ते और बाकी सुविधाएं भी मिलती रहीं। हालांकि, 2010 में उनके रिटायरमेंट से मात्र 2 महीने पहले ही उनके विभाग को भेजी गई एक पुलिसिया रिपोर्ट के आधार पर उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। पुलिस की रिपोर्ट में उन्हें नौकरी के लिए अनुपयुक्त करार दिया गया था। यह पुलिस रिपोर्ट उनकी नागरिकता सम्बन्धी जांच के बाद दी गई थी।हरिनंद दत्ता को न ही यह पुलिस रिपोर्ट दी गई और न ही उन्हें उनके अपने स्वास्थ्य विभाग ने अपनी सफाई पेश करने का मौका दिया। इस फैसले के खिलाफ वह सेवा ट्रिब्यूनल चले गए जहां उन्हें राहत मिली लेकिन कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए उनको नौकरी से निकाले जाने को सही ठहराया। वह इसके बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए जहां उन्होंने अपने नागरिकता संबधी कागज रखे और विभाग का फैसला पलटने की मांग की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट ने यह भी बताया उनके दादा भी भारत के ही निवासी थे, ऐसे में वह भारत के नागरिक हुए।सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल की सरकार ने कहा कि भले ही हरिनंद दत्ता ने पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड और बाकी कागज रखे हैं लेकिन इससे उनकी नागरिकता प्रमाणित नहीं होती। पश्चिम बंगाल सरकार ने कहा कि उनका पुलिस सत्यापन करने में 25 वर्ष की देरी उनकी नौकरी ना खत्म करने का आधार नहीं मानी जा सकती। पश्चिम बंगाल सरकार ने यह सब कारण देते हुए कहा कि उनकी नौकरी का पुलिस की रिपोर्ट के बाद खत्म किया जाना सही था।सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में याचिकाकर्ता हरिनंद दत्ता की दलीलों को सही पाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दत्ता के दादाजी भी भारत के नागरिक थे। ऐसे में उसके पिता भी नागरिक माने जाएंगे। इसके अलावा वह भारत में नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले 7 वर्ष तक रह चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके अलावा 2020 से लागू हुआ सीएए कानून भी उनका पक्ष लेता है और वह अवैध प्रवासी नहीं माने जा सकते। कोर्ट ने कहा कि दत्ता ने आवेदन दे दिया था लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं हुआ, ऐसे में पूरा मामला दत्ता के पक्ष में है।सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर भी प्रश्न उठाए कि आखिर उनको भेजी गई नोटिस में कोई कारण क्यों नहीं बताया गया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं दिया गया जिससे पता नहीं चलता कि आखिर किस आधार पर उन्हें नौकरी से निकालने का फैसला लिया गया। कोर्ट ने कहा कि हरिनंद दत्ता को नौकरी से निकालने का आदेश अवैध, कानून के खिलाफ और न्याय के खिलाफ है, ऐसे में इसे लागू नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने आदेश दिया है कि सरकार उन्हें नियमानुसार अब पेंशन समेत बाकी फायदे उपलब्ध कराए।

250 संरक्षित ...

इस रिपोर्ट में भारत में वक्फ सम्पत्तियों को एएसआई के अनधिकृत कब्जे के रूप में बताया गया है। ये सभी 172 स्थल राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारक नहीं हैं, लेकिन दिल्ली के कुछ प्रमुख स्थलों में फिरोजशाह कोटला में जामा मस्जिद, आरके पुरम में छोटी गुमटी मकबरा, हौज खास मस्जिद और ईदगाह शामिल हैं। ये स्मारक देश के अधिकांश हिस्सों में फैले हुए हैं।सितंबर में हुई जेपीसी की चौथी बैठक में एएसआई की ओर से यह संख्या 120 बताई गई थी। इसके बाद एएसआई ने इंटरनल सर्वे कराया। इसमें यह संख्या बढ़कर 250 पहुंच गई। एएसआई अब जेपीसी को बताएगी कि प्रबंधन और संरक्षण के कार्य में टकराव देखने को मिलता है। कई स्मारकें ऐसी हैं जिन्हें वक्फ बोर्ड ने एकतरफा तरीके से अपनी सम्पत्ति के रूप में पंजीकृत किया है। एएसआई और वक्फ बोर्ड के बीच विवाद का एक और कारण इन विवादों की एकतरफा प्रकृति है, ऐसा पता चला है। वक्फ अधिनियम 1995 बोर्ड को दान के नाम पर किसी भी सम्पत्ति या इमारत को वक्फ सम्पत्ति घोषित करने का अधिकार देता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना तल्ली प्रतिमा का अनावरण किया

हैदराबाद, 9 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार शाम एक भव्य समारोह में तेलंगाना सचिवालय में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा का अनावरण किया।

इस अवसर पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार, परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुकेंदर रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री, सांसद, विधायक, एमएलसी, सरकारी सलाहकार, निगम अध्यक्ष, सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी, डीजीपी जितेंद्र और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इस कार्यक्रम में विपक्ष के नेता पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और अन्य बीआरएस सदस्य आमंत्रित होने के बावजूद अनुपस्थित रहे।

इस अवसर के लिए सचिवालय परिसर को खूबसूरती से सजाया गया था, जिसमें एक नया फव्वारा लगाया गया था और जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और अपने उत्साह का प्रदर्शन किया।

समारोह के दौरान तेलंगाना राज्य के आधिकारिक गीत ..जया जयाहे तेलंगाना.. के लेखक कवि एंडेसरी और तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के निर्माता प्रोफेसर गंगाधर और रमना रेड्डी को सम्मानित किया गया। तेलंगाना के कई अन्य कवियों को भी सम्मानित किया गया।

इस बीच, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने नई तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के अनावरण का विरोध किया। पार्टी नेताओं ने मौजूदा प्रतिमा को बदलने की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए इस कदम की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि नई प्रतिमा कांग्रेस तल्ली जैसी दिखती है और सरकार पर चुनावों के दौरान लोगों से किए गए वादों को पूरा करने की बजाय प्रतिमाओं और राष्ट्रगानों में बदलाव को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का जयपुर और दिल्ली दौरा कल से

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी बुधवार से तीन दिवसीय दौरे पर जयपुर और नई दिल्ली जा सकते हैं। बुधवार को उनके ज्ञनिजीफ काम से जयपुर जाने की संभावना है। जयपुर के बाद मुख्यमंत्री गुरुवार और शुक्रवार को नई दिल्ली जा सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी के दो दौरों के दौरान उनके कुछ केंद्रीय मंत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलने की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी में चर्चा है कि टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और अन्य वरिष्ठ नेता भी नई दिल्ली जाएंगे। दिल्ली दौरे के दौरान मुख्यमंत्री हाईकमान के साथ मंत्रिमंडल विस्तार और मनोनीत पदों को भरने पर चर्चा कर सकते हैं।

प्रमुख कवियों, कलाकारों को 300 गज जमीन और एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना तल्ली का अनावरण करने के बाद दावा किया कि कई कवियों, बुद्धिजीवियों, कैबिनेट मंत्रियों और अन्य लोगों ने तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के नए डिजाइन को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कई कवियों और कलाकारों ने तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके योगदान को मान्यता देते हुए, राज्य सरकार गुडे अंजैया, बल्लादीर गद्दर, बंडी यादगिरी, अंडेसरी, गोरेटी वेंकन्ना, सुड्डाला अशोकतेजा, जयराज, पाशम यादगिरी और येक्का यादगिरी सहित प्रमुख कवियों और कलाकारों को 300 गज के आवास स्थल और 1 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता आवंटित करेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा उनकी माताओं की प्रतिकृति है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर सकते हैं और कहा है कि उनकी बातों पर ध्यान न दें। रेवंत रेड्डी ने कहा कि भविष्य में अगर कोई भी डिजाइन बदलने या इस कार्यक्रम को नीचा दिखाने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

तेलंगाना तल्ली प्रतिमा में बदलाव को रोकने के लिए जल्द ही कानून बनाया जाएगा

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को दावा किया कि तेलंगाना तल्ली की नई प्रतिमा तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत और स्वाभिमान को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सरकार एक ऐसा कानून लाएगी, जो भविष्य में किसी को भी प्रतिमा के डिजाइन में बदलाव करने की अनुमति नहीं देगा। सचिवालय परिसर में तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा की स्थापना पर राज्य विधान परिषद में एक बयान देते हुए भट्टी ने कहा कि हालांकि राज्य में तेलंगाना तल्ली की विभिन्न प्रतिमाएं हैं, लेकिन किसी को भी आधिकारिक प्रतिमा घोषित नहीं किया गया है। इसलिए राज्य सरकार ने तेलंगाना की भावना, संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाली प्रतिमा स्थापित करने का फैसला किया है। उन्होंने दावा किया, तेलंगाना तल्ली की नई प्रतिमा को तेलंगाना की संस्कृति और विरासत के अनुसार डिजाइन किया गया है। प्रतिमा को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि तेलंगाना का कोई भी नागरिक खुद को इससे जोड़ सकता है। यह तेलंगाना के चार करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करती है।

नई प्रतिमा पर बोलते हुए कांग्रेस सदस्य टी जीवन रेड्डी ने विपक्षी दलों से प्रतिमा मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने का आग्रह किया क्योंकि इससे तेलंगाना के लोगों की आस्था प्रभावित होगी। विपक्षी दलों द्वारा मूर्ति पर अभयहस्तम (कांग्रेस का हाथ का चिह्न) रखने की आलोचना करने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए, उन्होंने कहा कि हाथ कांग्रेस पार्टी का चुनाव चिह्न नहीं है, बल्कि आशीर्वाद चिह्न है। देश में आशीर्वाद देने वाले हाथों वाली मूर्तियाँ बनाना एक आम बात है। यहाँ तक कि हुसैन सागर झील के बीच में बुद्ध की मूर्ति में भी आशीर्वाद देने वाले हाथ हैं।

मदनगोपाल लोया ने महबूबाबाद मार्केट कमेटी के उपाध्यक्ष के रूप में शपथ ली। जिसमें राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, पंचायत राज और आरडब्ल्यूएस मंत्री सीताक्का, सांसद बलराम नायक, सचेतक और विधायक रामचंद्रू नायक, विधायक मुरली नायक, वरिष्ठ विधायक मुरली नायक, ओमनारायण लोया शामिल हुए।

दमरे जीएम ने सभी डीआरएम को समय पर ट्रेनें चलाने के लिए कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 09 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को सभी डीआरएम को तीसरी लाइन के काम और सर्दियों के मौसम में कोहरे से संबंधित मुद्दों की परवाह किए बिना ट्रेनों को समय पर चलाने के लिए कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया।अरुण कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी छह डिवीजनों - सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) के साथ ट्रेनों की सुरक्षा और समय की पाबंदी पर विस्तृत समीक्षा बैठक की, संबंधित अधिकारियों को सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग और सुरक्षा से संबंधित स्टेशन संपत्तियों से संबंधित सुरक्षा-संबंधित परिसंपत्तियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए फील्ड निरीक्षण तेज करने का निर्देश दिया। जीएम ने चल रहे तीसरी लाइन के काम और निजी साइडिंग के रखरखाव से संबंधित कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा की।उन्होंने अधिकारियों को निजी साइडिंग में लगातार निरीक्षण करने का निर्देश दिया, हालांकि ट्रैक का रखरखाव निजी फर्मों द्वारा किया जाता है, क्योंकि ट्रेन संचालन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने रेलवे संपत्तियों को सुरक्षित बनाए रखने के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि रेलवे संपत्ति की सुरक्षा की नैतिक जिम्मेदारी प्रत्येक रेलवे कर्मचारी की होनी चाहिए तथा सुरक्षा को खतरे में डालने वाली किसी भी घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को देनी चाहिए।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट ने सौंपे मेधावी छात्र-छात्राओं को चेक

हैदराबाद, 09 सिंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मासाब टैंक स्थित ख्वाजा मेंशन में मेधावी छात्र-छात्राओं के चेक सौंपे गये।अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर ने विद्यार्थियों को जीवन में बात करने का हुनर सीखने को कहा। मंत्री ने पित्ती ट्रस्ट द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना करते हुए जीवन में सेवा भाव करने की प्रेरणा दी।अवसर पर पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी.पित्ती ने सभी का स्वागत करते हुए पित्ती ट्रस्ट द्वारा की जा रही सेवाओं का उल्लेख किया। ट्रस्ट द्वारा अनाथालय, वृद्धाश्रम, सरकारी स्कूल में दी जा रही सेवाओं की जानकारी दी।

शरद बी.पित्ती ने कहा कि ट्रस्ट के बड़े प्रोजेक्ट के अंतर्गत मेधावी छात्रों व जरूरतमंद को जिन्होंने 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं उन डिग्री एवं पीजी पढने वालों को दी जाती है हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 600 से अधिक विद्यार्थियों को औसतन 70 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की।

उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी यहां छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं जब वह सक्षम हो तो एक बच्चे की पढाई के लिए सहयोग कर इस सेवा की चैन को और बढायें।अवसर पर अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी अभिभावक एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना की।

अवसर पर मंत्री पोनम प्रभाकर ने 97 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सुमेधा करवा, बी.गांधीगी, एस.अलूमोलू, वरुण नादिकुड़ा, प्रवीण. साक्षी अग्रवाल, भावना ककूनूरी, डिम्पल, ज्ञानेश्वर बालमूरी, राधिका अवस्थी, राधिका शर्मा, श्रावणी, अनमोल सिंह, प्रणवी साइ कुर्नाला, विरिष्ठा गुडनेई, तेजस्वी जैन, सुमित कुमार गुप्ता, आदर्श चेरी बेजगम, नंदिनी उपाध्याय एवं असद मोहम्मद को चेक प्रदान किये।

ट्रस्टी विजय कुमार ने सभी का आभार प्रकट किया।अवसर पर चेक वितरण में पित्ती ट्रस्ट के ट्रस्टी विजय कुमार, अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, सुरेन्द्र गोयल, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल, विनय सी. अग्रवाल, कैलाश केडिया. टी.गोपाल सिंह, शंकर यादव आदि मौजूद थे।

राज्यपाल द्वारा राजभवन में राजस्थानी मारवाड़ी समाज रत्न सम्मान समारोह जनवरी में

हैदराबाद, 09 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी एवं पदाधिकारिओं ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से भेंट की। समिति के अध्यक्ष ने राज्यपाल श्री वर्मा का शाल, राजस्थानी पगड़ी, मोतिओं की माला से अभिवादन किया एवं सभी पदाधिकारिओं का परिचय कराया।समिति अध्यक्ष ने राजस्थानी जागृति समिति के जनकल्याण एवं अभी तक किये हुए कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी, जिसे जानकर राज्यपाल ने समिति के सभी सदस्यों की भूरि-भूरि प्रसंशा की। इस अवसर पर अध्यक्ष ने महामहिम राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें राजस्थानी मारवाड़ी समाज में 50 वर्षों से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे वयोवृद्ध, महानुभावों को राजभवन स्थित राजदरबार हॉल में राजस्थानी मारवाड़ी समाज रत्न से सम्मानित करने का आग्रह किया गया। जिसे राज्यपाल ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर जनवरी के प्रथम सप्ताह में कार्यक्रम के लिए स्वीकृति प्रदान की। कार्यक्रम के पश्चात नगर के प्रतिष्ठित हिंदी कविओं द्वारा कवि सम्मलेन कराने का आग्रह किया। इसे भी राज्यपाल ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। उक्त बैठक में समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी, मानदमंत्री महेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रेमचंद मुणोत, कोषाध्यक्ष संजय राठी, संघटन मंत्री रमेश मोदानी एवं सहमंत्री मनीष सोमाणी आदि उपस्थित थे।

मां बनभोरी परिवार की निशान यात्रा 23 फरवरी को

हैदराबाद, 09 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ बनभोरी परिवार की निशान यात्रा 26 फरवरी के बजाय 23 फरवारी को निकाली जाएगी।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में परिवार के सुशील मित्तल ने बताया कि 26 फरवरी, को महाशिवरात्रि के कारण उक्त निशान यात्रा की तारीख में बदलाव कर अब दि. 23 फरवरी, 2023 को आयोजित की जाएगी।

विज्ञप्ति के अनुसार 23 फरवरी को प्रातः 7.00 बजे ऊचानामंदी हरियाणा से बनभोरी धाम तक 15 किमि की होगी। जो भक्त निशान यात्रा में शामिल होना चाहिए हैं वह परिवार के सदस्यों से सम्पर्क कर सकते हैं।

दाहिमा समाज द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 22 से

हैदराबादा, 09 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दाहिमा समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद, दाहिमा-महिला मण्डल एवं दाहिमा-युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन आगामी 22 से 29 दिसंबर, 2024 तक मध्याह्न 3:00 से सायं 7:00 बजे तक द्रौपदी गार्डन, वृन्दावन धाम, सीतारामबाग हैदराबाद में किया जा रहा है। श्रीमद्भागवत कथा के मुख्य यजमान बाबूलाल ताराचंद खटोड़ परिवार हैं।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में दाहिमा समाज के मंत्री सत्य प्रकाश डोबा ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन के संदर्भ में एक विशेष बैठक समाज के कार्यालय अग्रवाल चैंबर, किंग कोठी में समाज के अध्यक्ष सुरेश गांधी के अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। समाज के अध्यक्ष सुरेश गांधी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए समाज द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में समस्त समाज की सक्रियता से सहभागिता का आह्वान किया। उन्होंने सभी समाज बंधुओं से इस वृहद कार्य में तन-मन-धन से सहयोग करने का आग्रह किया। बैठक में कथा को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया एवं कार्यों का उत्तरदायित्व विभिन्न सदस्यों को सौंपा गया।

बैठक में कथा के निमंत्रण पत्र का विमोचन मुख्य यजमान बाबूलाल खटोड़ के साथ अध्यक्ष सुरेश गांधी, मंत्री सत्यप्रकाश डोबा, महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती किरण डोबा, युवा मंच के अध्यक्ष सीए आशीष जोशी, मंत्री विशाल खटोड़ द्वारा किया गया। दाहिमा महिला मंडल की अध्यक्षा किरण डोबा ने समाज की सभी महिलाओं से बढ़ चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया और इस कार्यक्रम को भरपुर सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा युवा मंच के अध्यक्ष सीए आशीष जोशी ने भी पुरी युवा टीम के साथ कार्यक्रम को भरपुर सहयोग देने का आश्वासन दिया। मुख्य अजमान बाबूलाल जी ने समस्त समाज के बंधुओं को श्रीमद्भागवत कथा में बढ़ चढ़ कर भाग लेने का निमंत्रण दिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाने का अग्राह किया। कलश यात्रा 22 तारीख को सीताराम बाग मंदिर से द्रोपदी गार्डन जाएगी। बैठक मैं सुरेश गांधी, खेमचंद करैशिया, सत्य प्रकाश डोबा, नंदकिशोर काकड़ा, रूपेश काकड़ा, सुरेश खटोड़, मूलचंद पाटोदिया, राजेश दायमा, राधेश्याम डोबा, पवन जोपट, व्यास गणेश जोपट, व्यास रमाकांत जोशी, मनोज जोपट, रमेश तिवारी, अशोक तिवारी, डीजे पूनमचंद सुठंवाल, मनीष सुठंवाल, संजय तिवारी, पवन जोपट, मुरली तिवारी, राधेश्याम गोटडींवाल, सुभाष करेसिया, श्रीमती किरण डोबा, सीए आशीष जोशी, विशाल खटोड़ आदि उपस्थित थे।

एच2एच ने किया द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग का आयोजन

हैदराबाद, 09 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू 2 हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग ने फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग का आयोजन किया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संस्थापक गीतेश काटे ने कहा कि इस प्रकार की फिल्में विचारोत्तेजक होती हैं और प्रत्येक सनातनी को अवश्य देखनी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाज सेवी गोपाल बल्दवा ने भाग लिया। कार्यक्रम को अध्यक्ष एच2एच रागिनी रविकिरण, महेश कुमार, किरण वेमुला, कमल सोनी, डॉ. पूनम ने समर्थन दिया। फिल्म को सभी ने सराहा।

गीता जयन्ती महोत्सव कल

हैदराबाद, 09 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सुल्तान बाजार, दिलशाद प्लाजा स्थित ङ्गगीता प्रेस गोरखपुर पुस्तक दुकानफ में मिंगसर एकादशी (वैकुण्ठा/मोक्षदा एकादशी) के उपलक्ष्य में गीता जयन्ती बुधवार 11 दिसम्बर को हर्षोल्लास के साथ मनायी जायेगी । उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में गीता प्रेस कार्यालय द्वारा दी गई ।

विज्ञप्ति अनुसार गीता जयन्ती के अवसर पर 11 दिसम्बर को प्रातः 10:31 बजे से श्री जगन्नाथ वेदविद्यालय, सीतारामबाग के आचार्य एवं विद्यार्थियों द्वारा गीता पाठ तत्पश्चात मध्याह्न 2:01 बजे से तुलसीकृत रामचरित मानस के सुन्दरकाण्ड का संगीतमय पारायण, श्री बजरंग राम सेवा मंडल, हैदराबाद के सदस्यों द्वारा किया जायेगा। विज्ञप्ति में गीता प्रेस पुस्तक की दुकान की प्रबंधन समिति ने सभी धर्मानुरागी बन्धुओं से इस अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पधारकर श्रवण एवं प्रसाद लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है ।

श्री श्याम मन्दिर काचीगुडा में मोक्षदा एकादशी के उपलक्ष्य में ग्यारस की रात - बाबा श्याम के साथ

हैदराबाद, 09 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री काँची कामकोटि पीठम् श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के तत्वावधान में श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा, वीरन्नागुट्टा में मोक्षदा (वैकुण्ठ) एकादशी के उपलक्ष्य में बुधवार 11 दिसम्बर को रात्रि 8 बजे से ङ्गग्यारस की रात - बाबा श्याम के साथफ भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा । उक्त जानकारी यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के मंत्री इन्दरकरण अग्रवाल के द्वारा दी गई ।विज्ञप्ति अनुसार बुधवार 11 दिसम्बर को ङ्गग्यारस की रात - बाबा श्याम के साथफ के अन्तर्गत ॐ जय श्री श्याम समिति, हैदराबाद के द्वारा भजन प्रस्तुत किए जायेंगे । सुप्रसिद्ध भजन गायक रवि बेरीवाल, कोलकाता एवं संदीप चाण्डक, हैदराबाद द्वारा बाबा श्यामजी के सुमधुर भजन प्रस्तुत किए जायेंगे । मोक्षदा एकादशी के उपलक्ष्य में भक्तों के दर्शनार्थ मंदिर प्रातः 6 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक खुला रहेगा । श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति ने सभी भक्तों से इस अवसर पर पधारकर दर्शन एवं भजन श्रवण का लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है ।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने वेमुलावाड़ा के पूर्व विधायक पर 30 लाख का जुर्माना लगाया

हैदराबाद, 09 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

न्यायमूर्ति बी. विजयसेन रेड्डी ने सोमवार को वेमुलावाड़ा के पूर्व विधायक डॉ. चेन्नामनेनी रमेश पर अदालत के समक्ष अपनी जर्मन नागरिकता को छिपाने के आरोप में 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि डॉ. रमेश को वेमुलावाड़ा के वर्तमान विधायक आदि श्रीनिवास को 25 लाख रुपये का भुगतान करना चाहिए, जिन्होंने डॉ. रमेश की भारतीय नागरिकता को चुनौती दी थी, अदालत में केस लड़ने के दौरान उन्हें हुए नुकसान के लिए।

शेष 5 लाख रुपये तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण को दिए जाने थे। न्यायाधीश ने आदेश सुनाने के बाद कहा कि डॉ. रमेश जर्मन दूतावास से ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, जिससे यह साबित हो सके कि वह जर्मनी के नागरिक नहीं हैं। न्यायाधीश ने इस बात की ओर इशारा करते हुए कि डॉ. रमेश जर्मन नागरिकता रखने के बावजूद वेमुलावाड़ा के विधायक हैं, डॉ. रमेश द्वारा केंद्रीय गृह सचिव के आदेश को चुनौती देने वाली रिट याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि वह भारतीय नागरिक नहीं हैं।

DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र
में
दुःखद समाचार जैसे
स्वर्गवास, उठावना,
पगड़ी रस्म, श्रद्धांजलि,
पुण्यतिथि का विज्ञापन
अब मात्र रु.500/- में
साईज : 12 x10 cm
विज्ञापन एवं अधिक जानकारी के लिए
सम्पर्क करें
77991 44471, 8688868345

एक शाम श्री सोनाणा खेतलाजी के नाम के तत्वावधान में

9वें अखंड जागरण पर शोभा यात्रा आयोजित

हैदराबाद, 9 दिसंबर (एजेंसियां)।

श्री सोनाणा खेतलाजी युवा मंडल हैदराबाद, श्री सोनाणा खेतलाजी महिला मंडल हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में मएक शाम श्री सोनाणा खेतलाजी के नामफ 9वें अखंड जागरण के तहत भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया।श्री सोनाणा खेतलाजी के परम उपासक स्व. शांतिलाल लादा भंडारी, श्री सोनाणा खेतलाजी के परम भक्तराज बचन सिद्ध राज राजेन्द्र भंडारी, श्री सोनाणा खेतलाजी के परम भक्त हैदराबाद किशोर संघवी के

सानिध्य में भव्य शोभायात्रा गौलीगुडा स्थित जगंल विठोबा मंदिर से विभित्र झांकियों और मोड़े रथ के साथ निकाली गई जिसमें भारी संख्या में भक्तों ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साह के साथ भाग लिया। लाभार्थी परिवार द्वारा माताजी खेतलाजी की प्रतिमा को रथ में विराजित करने के पश्चात जयघोष के साथ निकाली गई शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए नुमाईश मैदान पहुंच कर संपन्न हुई। मार्ग में पंचमेवा प्रसादी का वितरण किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में पत्रिका के लाभार्थी सुरेश कुमार सुशीलादेवी, राहुल-भावना, आनंद पायल, श्वेता आरवी, कनव, यवी, दिशान चाणोदिया परिवार, भोजन के लाभार्थी गेंदालाल नरेन्द्र कुमार सहलोत परिवार, वरघोडे के लाभार्थी रथ में माताजी खेतलाजी के प्रतिमा को लेकर बैठने के लाभार्थी रमेश कुमार पद्मादेवी, पीयूष कुमार, प्रफुलकुमार श्रीश्रीश्रीमाल झोटा परिवार, खेतल भक्त किशोर संघवी परिवार, घोडे पर माताजी के ध्वज के लाभार्थी राजेन्द्र कुमार मयूर कुमार गुलेच्छा, घोडे पर खेतलाजी के ध्वज के लाभार्थी मंगल सिंह जोगसिंह राजपुरोहित, वरघोडे में साफा पहनाने के लाभार्थी गोकुलचंद जयेश कुमार ऋषभ कुमार भूरट परिवार, वरघोडे में गुलाल एवं पुष्पवर्षा के लाभार्थी सोहनलाल बोहरा, जागरण के चढ़ावे के मुनीमजी के लाभार्थी कुलदीप सिंह, देवी सिंह मोड़ सिंह राजपुरोहित, वरघोडे में अखंड ज्योत के लाभार्थी पानीदेवी पुखराज जुगराज रायसोनी परिवार, वरघोड़े में पंचमेवा प्रसादी के लाभार्थी भरत कुमार विमल कुमार चेतन कुमार, भक्तों में नेहंदी वितरण के लाभार्थी शांतिलाल रिखबचंद अनदानी परिवार, माताजी खेतलाजी के डम डम डमरू बजाने के लाभार्थी भंवरलाल जितेंद्र कुमार लक्ष कुमार कलड मेहता परिवार भजन संध्या के लाभार्थी जागरण में स्वागत द्वार के लाभार्थी शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, माताजी खेतलाजी के वधामने के लाभार्थी शांतिदेवी मोहनलाल तातेड परिवार, माताजी खेतलाजी के रंगमंडप दरबार के लाभार्थी कमलादेवी अरुण कुमार बबितादेवी तोयस, हेमाक्षी जोधावत परिवार, रोमा विक्रम विर्धि वेदमुथा परिवार, माताजी के रंगमंडप में विराजमान व तिलक के लाभार्थी पारसमल सुनील कुमार अनिल कुमार कवाड परिवार, खेतलाजी के रंगमंडप में विराजमान व तिलक का लाभार्थी खेतलाजी का दिवाना, माताजी को चुनरी अर्पण करने के लाभार्थी खेतल भक्त, माताजी खेतलाजी को फूलों का हार अर्पण करने के लाभार्थी गणपतलाल कल्पेश कुमार प्रियांस कुमार झारमुभा परिवार, माताजी खेतलाजी को इत्र अर्पित करने के लाभार्थी रमेश कुमार सांकलचंद कटारिया सिंघवी परिवार, मिश्रीमल थानमल वरंगल, माताजी को मेंहदी अर्पण करने के लाभार्थी शांतिदेवी जुगराज कुंदनमल, दिनेश कुमार सालेचा परिवार, माताजी खेतलाजी की अखंड ज्योत के लाभार्थी यश कुमार, रौनक कुमार, दिनेश कुमार, काननल भंडारी परिवार, माताजी खेतलाजी के बाल भोग के लाभार्थी मोगीदेवी गौतम पालगीता चौहान परिवार, माताजी खेतलाजी के 56 भोग के लाभार्थी राजपुरोहित गौतम कुमार, जिगर कुमार स्वरूप कुमार परिवार, भक्ति संध्या में अखंड धूप दीप के लाभार्थी जबरचंद सुभाष कांसा, मूलबंद अभिषेक श्रीश्रीमाल, भक्ति संध्या आरती के चंवर डोलाने के लाभार्थी नथमल, जगदीशचंद श्रीपाल, महिपाल भंडारी परिवार ने सहयोग प्रदान किया।इसके अलावा तिलक द्वारा बहुमान के लाभार्थी जुगराज पारसमल कोठारी परिवार, नाला द्वारा बहुमान के लाभार्थी श्री सोनाणा खेतलाजी महिला मंडल हैदराबाद, शाल द्वारा बहुमान के लाभार्थी मिलापबंद कपूरचंद प्रसनचंद प्रदीप रांका परिवार, श्रीफल द्वारा बहुमान के लाभार्थी पुष्यादेवी जयंतीलाल दुग्गड परिवार,मोमेटो द्वारा बहुमान के लाभार्थी रमेश कुमार पदनादेवी, पीयुष कुमार, प्रफुल कुमार श्रीश्रीमाल लोटा परिवार, माताजी खेतलाजी के रक्षक स्वरूप तलवार के लाभार्थी नरपत सिंह राजपूत, माताजी खेतलाजी के प्रसाद (बूंदी सेव) वित्तरण के लाभार्थी खेतलाजी का दीवाना किशोर सिंघवी, भजन संध्या में मुख्य बैनर के लाभार्थी सुशीलादेवी हुक्मीचंद संतोष कुमार-वर्षादेवी, खुशी हिमांश कुमार मरलेचा परिवार, लक्की ड्रा के लाभार्थी प्रवीण कुमार पूनमचंद चिराग संयम बागरेचा परिवार, जय माता दी उद्घोष के लाभार्थी कमलादेवी, अरुण कुमार वचिता देवी तोयस, हेमाक्षी जोधावत परिवार, रोमा विक्रम, विधिं वैदमुथा परिवार, जय खेतलाजी उद्घोष के लाभार्थी पुष्पादेवी मोहनलाल मुणोत, जितेन्द्र मीना, अमिषा, छनक मान्य मुणोत परिवार ने कार्यक्रम में सहयोग प्रदान कर सफल बनाया। अवसर पर श्री सोनाणा खेतलाजी युवा मंडल हैदरावाद, श्री सोनाणा खेतलाजी महिला मंडल हैदरावाद ने सभी का आभार जताया।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...
A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

केटीआर ने अडाणी-रेवंत की अनूठी टी-शर्ट पहनकर विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 09 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस विधायकों ने सोमवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और व्यवसायी गौतम अडाणी के बीच गुप्त दोस्ती का आरोप लगाते हुए एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। विधायकों ने इस कथित गठबंधन को निशाना बनाने वाले नारे लिखी टी-शर्ट पहनकर तेलंगाना विधानसभा में पहुंचकर हलचल मचा दी। टी-शर्ट पर दिल्ली लो कुश्ती, गली लो दोस्ती जैसे नारे लिखे थे, जिसका उद्देश्य रेवंत रेड्डी के राजनीतिक कार्यों की आल-ोचना करना था। विधायकों ने राज्य के गौरव और स्वायत्तता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए तेलंगाना तल्ली माडी जैसे नारे भी लगाए।

मीडिया को संबोधित करते हुए, बीआर-एस नेताओं ने रेवंत रेड्डी पर व्यक्तिगत लाभ और व्यावसायिक संबंधों के लिए तेलंगाना के हितों से समझौता करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि

विपक्ष दिल्ली में आक्रामक रुख दिखाता है, लेकिन स्थानीय स्तर पर उनके संबंध संदिग्ध हैं। विधानसभा सत्र में तीखी बहस हुई क्योंकि बीआरएस नेताओं ने तेलंगाना के कल्याण की रक्षा के लिए अपने रुख को दोहराने के लिए विरोध का इस्तेमाल किया। इस असामान्य प्रदर्शन पर राजनीतिक हलकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ सामने आईं, कई लोगों ने राज्य की राजनीति पर इसके प्रभाव पर सवाल उठाए।रेवंत रेड्डी ने अभी तक आरोपों का जवाब नहीं दिया है, जबकि राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि इससे चुनावों से पहले बीआरएस और कांग्रेस के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ सकती है।

सीमा पार आतंकी फिर जुटे लांचिंग पैड पर

जम्मू 09 दिसंबर (ब्यूरो)।

सुरक्षाधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है कि सीमा पार लांचिंग पैडों पर आतंकी एक बार फिर घुसपैठ के लिए जुटने लगे हैं। उनका कहना है कि आतंकी अब फिर से सीमा पार लांचिंग पैड पर एकत्रित होने लगे हैं। खबरों के मुताबिक सीमा पार आतंकी संगठनों के प्रमुख और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने मिलकर भारी तादाद में आतंकी घुसपैठियों को सीमा पर करवाने की तैयारी कर ली है।

उल्लेखनीय है कि बर्फबारी के समय में आतंकी घुसपैठ की वारदात बढ़ जाती है। इसी के मद्देनजर अब बिलों में दुबके आतंकी एक बार फिर से लांचिंग पैडों पर जमा होने लगे हैं। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद आतंकियों को लांचिंग पैडों से हटाकर कराकर टेरर कैंपों में भेजा गया था। अब सीमा पार लांन्चिंग पैड पर आतंकियों की हलचल फिर बढ़ी है। मालूम हो कि एलओसी से 4.5 किलोमीटर दूर ये लांचिंग पैड हैं। खबरों के मुताबिक, एलओसी के पार करीब 42 लांचिंग पैड पर ये आतंकी देखे गए हैं।

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,508.46
-200.66 -0.25%↓
एनएसई :24,619.00
-58.80 (-0.24%)↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,330/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 95,660/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29⁰
न्यूनतम : 20⁰

श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर आईईडी से दहशत

जम्मू, 09 दिसंबर (ब्यूरो)।

कश्मीर में आज एक बड़ा हादसा टल गया, जब बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) ने बारामुला जिले के पट्टन के पलहालन में श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर मिले एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और एसएसबी बटालियन के संयुक्त बलों ने श्रीनगर-बारामुला राजमार्ग पर पट्टन के पास डिवाइस का पता लगाने के बाद तुरंत कार्रवाई की। आईईडी को नष्ट करने के तुरंत बाद यातायात को तुरंत बहाल कर दिया गया।

बीडीएस ने बिना किसी नुकसान के आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। समय पर किए गए आप्रेशन ने एक बड़ी आपदा को टाल दिया और व्यस्त राजमार्ग पर जल्द ही यातायात बहाल कर दिया गया। अधिकारियों ने पुलिस स्टेशन पट्टन में मामला दर्ज कर लिया है और डिवाइस को लगाने वाले आतंकवादियों के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। इससे पहले मिले समाचारों में कहा गया था कि उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के पट्टन में राष्ट्रीय राजमार्ग के पलहालन खंड पर आज एक संदिग्ध बैग मिलने के बाद सुरक्षा अभियान चलाया गया।

इस घटना के कारण व्यस्त राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह से रुक गया था, क्योंकि सुरक्षा बल किसी भी संभावित खतरे का आकलन करने और उसे बेअसर करने के लिए तेजी से काम कर रहे थे। सेना, पुलिस और बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) ने तुरंत कार्रवाई की है और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी।

कल दिल्ली की तरफ कूच नहीं करेंगे किसान

पटियाला, 09 दिसंबर (एजेंसियां)।

शंभू बॉर्डर पर बैठे किसान मंगलवार को दिल्ली कूच नहीं करेंगे। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने बताया कि कल आंदोलन को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। किसान शुक्रवार और रविवार को आगे बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन दोनों ही बार हरियाणा पुलिस ने उन्हें रोक दिया। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़ी याचिका खारिज कर दी। जस्टिस सूर्यकांत

सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज

और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने कहा कि मामला पहले ही विचाराधीन है। एक ही मुद्दे पर बार-बार याचिकाओं पर विचार नहीं किया जा सकता। याचिका में पंजाब में उन राजमार्गों से अवरोधकों को हटाने के लिए केंद्र और अन्य प्राधिकारों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने याचिकाकर्ता गौरव लूथरा से कहा कि बार-बार याचिकाएं दायर मत कीजिए। अदालत ने याचिका को लंबित मामले के साथ जोड़ने के लूथरा के अनुरोध को भी खारिज कर दिया।किसान आंदोलन पर पंजाब में राजनीति भी तेज हो गई है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि किसान बस यही मांग रहे हैं कि एमएसपी पर कानूनी गारंटी दी जाए। लेकिन केंद्र का व्यवहार ठीक नहीं है। किसानों पर लाठीचार्ज हो रहा है और उन्हें दिल्ली नहीं जाने दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने भी एमएसपी पर कानूनी गारंटी का मामला उठाया है। अगर हमें मौका मिला तो हम संसद में शून्यकाल या प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाएंगे। कांग्रेस विधायक प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां कॉरपोरेट समर्थक और किसान विरोधी हैं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, POONAM NAYAK is legally Wedded Wife of Service No.14683804Y, Rank: HAV/RECOVERY MECH, Name: AMAR NAYAK, Unit: MCEME E COY (CTW), SECUNDERABAD, residing at Vill: FATTEPUR PUROWA, PO: NARIYAON, TEH: ALUPUR, Dist: AMBEDKARNAGAR, State: UTTAR PRADESH, Pin 224147, I have Changed my name from **POONAM NAYAK** to **POONAM** my date of birth is 08-08-1986, Affidavit Singed By advocate and Notary G. Samuel, Bsc, LLB

CHANGE OF NAME

I,Service No. 14683804Y, Rank: HAV/RECOVERY MECH, Name: AMAR NAYAK, Unit: MCEME E COY (CTW), SECUNDERABAD, S/O. RAJENDRA PRASAD residing at Vill: FATTEPUR PUROWA, PO:NARIYAON, TEH: ALUPUR, Dist: AMBEDKARNAGAR, State: UTTAR PRADESH, Pin:224147, I have Changed my Son Name from **P ARUL NAYAK** to **ARUL NAYAK** my Son date of birth is 09-11-2017, Affidavit Singed By advocate and Notary G. Samuel, Bsc, LLB

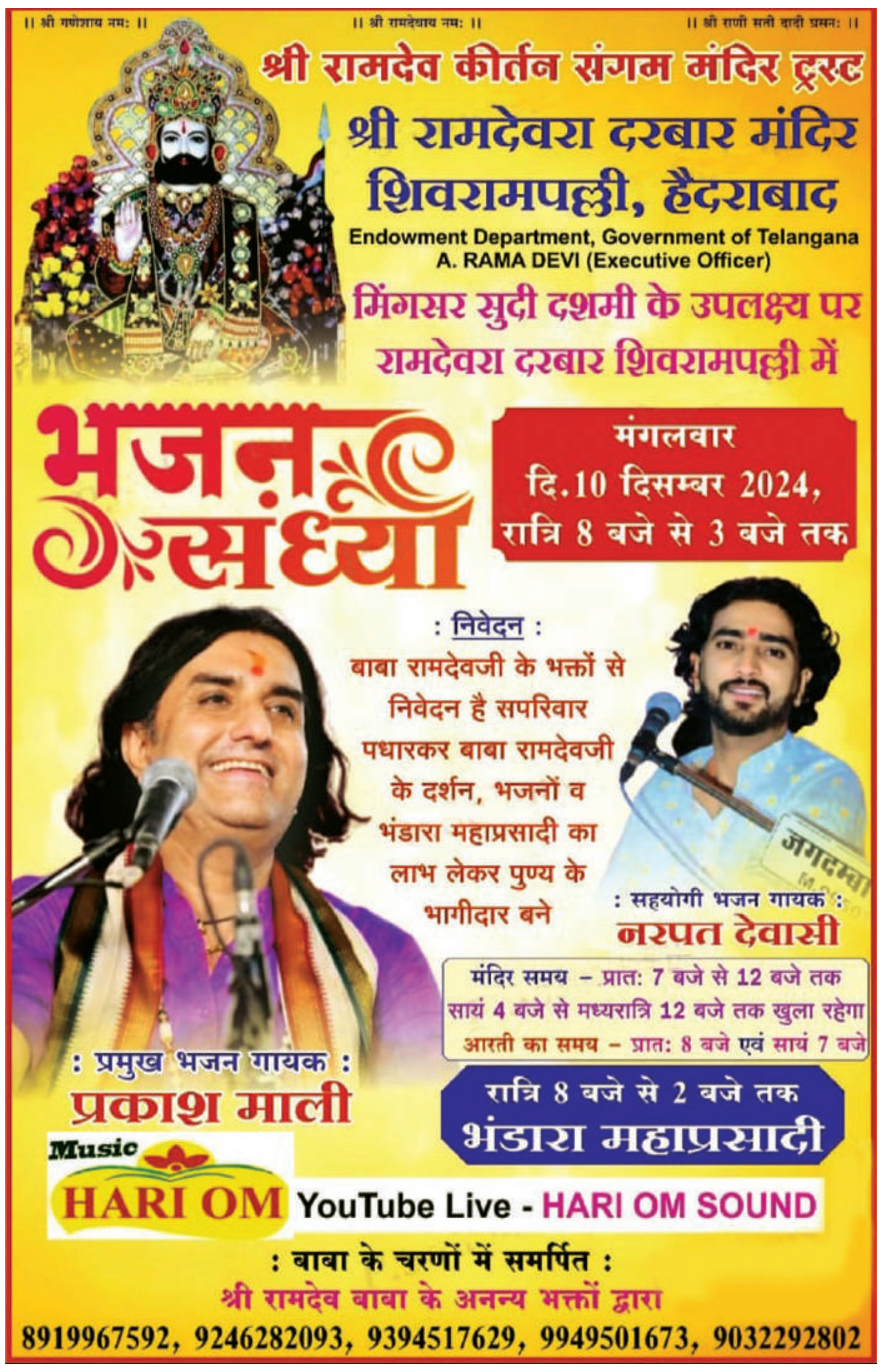

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.